नई दिल्ली । सोमवार, 11 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :125 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आईपीएल 2026: चेन्नई में उर्विल पटेल का तूफान...
@ विचार कांग्रेस और आंबेडकर का टकराव...
@ व्यापार पश्चिमी देशों की टेक्नोलॉजी...

एक साल तक सोना न खरीदें, ईंधन बचाएं, 'मेड इन इंडिया' अपनाएं : पीएम मोदी

एजेंसी ■ हैदराबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्थिक उथल-पुथल, सप्लाई चेन में व्यवधान और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से जूझ रही है, जिसका असर बढ़ती महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में भारत को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने देशभक्ति की परिभाषा को व्यापक बताते हुए कहा कि यह केवल देश के लिए बलिदान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि कठिन समय में अनुशासित और जिम्मेदार जीवन जीना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी दैनिक आदतों में बदलाव लाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। उन्होंने लोगों से एक साल तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा के अनावश्यक बहिर्वाह को रोका जा सके। साथ ही, उन्होंने पेट्रोल और डीजल के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तेल की बचत से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

पीएम मोदी ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। निजी वाहनों के इस्तेमाल के दौरान कार-पूलिंग अपनाएं। माल ढुलाई के लिए रेल परिवहन को प्राथमिकता दें और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को

बढ़ावा दें। प्रधानमंत्री ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनाए गए कार्यकुशल उपायों को दोबारा लागू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वर्क-फ्रॉम-होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस और वर्चुअल बैठकों जैसी व्यवस्थाएं न केवल समय और संसाधनों की बचत करती हैं, बल्कि ईंधन की खपत भी कम करती हैं। उन्होंने नागरिकों से अनावश्यक विदेश यात्राओं, विदेशों में छुट्टियां मनाने और विदेश में आयोजित होने वाले समारोहों से बचने की अपील की। इसके बजाय देश के भीतर पर्यटन और उत्सव मनाने को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं, जैसे जूते, बैग और अन्य सामान, के लिए स्थानीय और 'मेड-इन-इंडिया' उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे न केवल देश में रोजगार बढ़ेगा, बल्कि विदेशी आयात पर निर्भरता भी कम होगी। उन्होंने लोगों से खाने के तेल की खपत कम करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य को भी लाभ होगा। पीएम मोदी ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को 50 प्रतिशत तक कम करने और प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे मिट्टी की सेहत सुधरेगी और आयात पर निर्भरता कम होगी। इसके साथ ही, उन्होंने कृषि क्षेत्र में डीजल पंपों की जगह सौर ऊर्जा से चलने वाले सिंचाई पंपों को अपनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रयासों के जरिए देश न केवल मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का सामना कर पाएगा, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ेगा।

विजय तमिलनाडु के 9वें मुख्यमंत्री बने

पहला ऑर्डर 200 यूनिट फ्री बिजली का

एजेंसी ■ चेन्नई

टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें सीएम पद की शपथ दिलाई। विजय के शपथ ग्रहण के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) के लगभग छह दशकों का दबदबा खत्म हो गया।

जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में विजय के अलावा एन. आनंद, आधव अर्जुन, केजी अरुण राज, केए. सेंगोट्टैयन, पी.वेंकेटरामनन, आर.निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ.टीके प्रभु और सेल्वी एस. कीर्तना ने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेता, फिल्मी हस्तियां, पार्टी कार्यकर्ता और हजारों समर्थक शामिल हुए। भारी सुरक्षा व्यवस्था

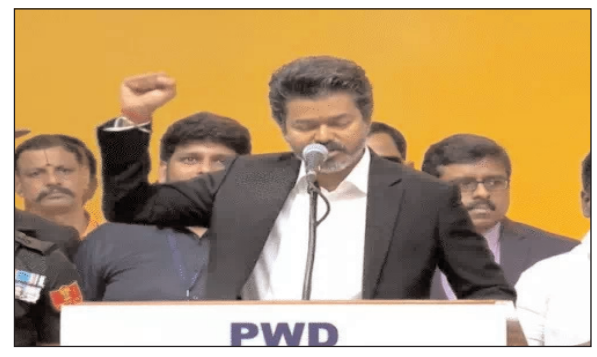

में शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। सबसे आगे की लाइन में विजय के माता-पिता, जाने-माने फिल्ममेकर एस.ए. चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के लिए सीटें रिजर्व थीं। एक्टर त्रिशा कृष्णन और उनकी मां को भी उसी लाइन में सीटें दी गई थीं।

टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन को 234 सदस्यों वाली तमिलनाडु असेंबली में 120 विधायकों का समर्थन मिलने के बाद विजय ने राज्यपाल से मिलकर दावा पेश किया। टीवीके ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी, लेकिन वह बहुमत से पीछे रह गई। कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सिस्ट ने सरकार बनाने के लिए टीवीके का समर्थन किया।

समर्थन मिलने के बाद विजय ने शनिवार रात चेन्नई के लोक भवन में गवर्नर आर्लेकर से मुलाकात की थी और सभी पांच सहयोगी पार्टियों के समर्थन पत्र सौंपे। नए मुख्यमंत्री विजय को 13 मई या उससे पहले विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने का भी निर्देश दिया है।

हुगली के गोघाट में तृणमूल नेता की हत्या, भाजपा पर लगाया आरोप

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में रविवार को तृणमूल कांग्रेस के नेता व पंचायत सदस्य के पति की हत्या कर दी गई। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी। हालांकि भाजपा ने इस आरोप का खंडन किया है।

पुलिस के मुताबिक, तृणमूल नेता का शव रविवार सुबह पार्टी कार्यालय के पीछे से बरामद किया गया। वह शनिवार से लापता थे। पुलिस ने बताया कि शव पर चोट के निशान हैं और मौके से एक लाठी भी बरामद हुई है।

पुलिस ने बताया कि मृतक तृणमूल नेता का नाम सहदेव बाग है। वह गोघाट के नकुंडा जिले के कोटा क्षेत्र के निवासी थे। मृतक की पत्नी चीना बाग कुंडा पंचायत से तृणमूल कांग्रेस की सदस्य है। परिवार का आरोप है कि चुनाव परिणाम आने के बाद से भाजपा कार्यकर्ता सहदेव को अगवा करने की धमकी दे रहे थे।

सहदेव शनिवार रात घर से निकलने के बाद लापता हो गए थे। स्थानीय लोगों ने रविवार सुबह तृणमूल कार्यालय के पीछे नाले में उनका शव देखा।

मृत तृणमूल नेता की पत्नी चीना ने कहा, 'भाजपा नेता चुनाव के बाद से ही उन्हें धमका रहे थे। उन्हें अगवा करके मार डाला गया। मैं सभी आरोपियों को सजा दिलाना चाहती हूं।

मृतक की बेटी आगमोनी ने कहा कि मेरे पिता को भाजपा कार्यकर्ता धमका रहे थे। उन्होंने ही मेरे पिता की हत्या की है।

वहीं, स्थानीय तृणमूल नेता शशांक ढाक ने कहा कि हमने सहदेव को आखिरी बार शनिवार दोपहर देखा था। देर रात सहदेव की हत्या कर दी गई। भाजपा के लोगों ने यह किया है।

हालांकि, भाजपा ने हत्या के आरोप से इनकार किया है। स्थानीय भाजपा नेता डोलन दास ने कहा कि भाजपा हिंसा की राजनीति नहीं करती है। परिणाम घोषित होने के बाद से प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य के निर्देश पर क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की जा रही है। पुलिस को घटना की जांच करने दें। दोषियों को सजा मिलेगी।

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा, संविधान में नया प्रावधान

एजेंसी ■ प्योंगयांग

उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा।

ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और कई सीनियर ईरानी अधिकारियों की मौत हो गई थी।

दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है।

यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी

किम जोंग-उन इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के लॉन्च का निरीक्षण करते हुए।

अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी। डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं।

सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया।लांकोव ने कहा कि ईरान एक वेक-अप कॉल था। उत्तर कोरिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल के डिकैपिटेशन हमले कितने प्रभावी थे, जिन्होंने तुरंत ईरानी लीडरशिप के बड़े हिस्से को खत्म कर दिया। अब उत्तर कोरिया बेहद डरा हुआ होगा।

मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर, बेंगलुरु ने 2 विकेट से हराया

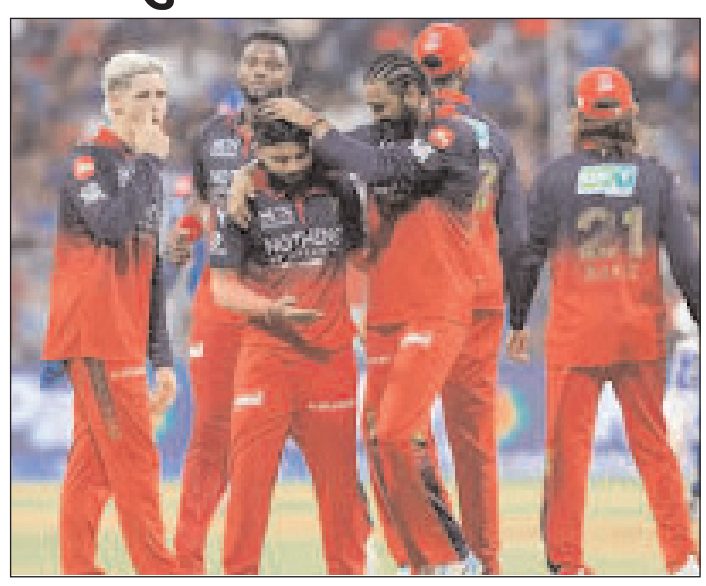

खेल संवाददाता ■ रायपुर

आईपीएल में मुंबई इंडियंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 167 रन का टारगेट दिया है। बेंगलुरु ने रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है।

मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाए। जवाब में बेंगलुरु ने 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 165 रन बना लिए हैं। रसिख सलाम और भुवनेश्वर कुमार क्रीज पर हैं।

18वें ओवर में क्रुणाल पंड्या 73 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अल्लाह गजनफर ने तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। कार्बिन बॉश ने टिम डेविड (जीरो), जितेश शर्मा (18 रन), जैकब बेथेल (26 रन) और कप्तान रजत पाटीदार (8 रन) को पवेलियन भेजा। दीपक चाहर ने देवदत्त पडिक्कल (12 रन) और विराट कोहली (जीरो) के विकेट लिए।

उत्तर प्रदेश कैबिनेट का विस्तार, छह नए चेहरे शामिल

एजेंसी ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित विस्तार कर राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को साधने का बड़ा संदेश दिया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जन भवन में आयोजित समारोह में छह नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई, जबकि दो राज्यमंत्रियों को प्रमोट किया गया। सबसे पहले पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मंत्री पद की शपथ ली।

इसके बाद समाजवादी पार्टी (सपा) छोड़कर भाजपा के साथ आए मनोज पांडेय को मंत्री बनाया गया। इनके अलावा, सुरेंद्र दिलेर, कृष्णा पासवान, हंसराज विश्वकर्मा और कैलाश राजपूत ने भी मंत्री पद की शपथ ली। वहीं, राज्यमंत्री अजीत पाल और सोमेंद्र तोमर को प्रमोशन देकर सरकार ने संगठन और क्षेत्रीय संतुलन को साधने की कोशिश की है।

मंत्री पद की शपथ लेने के बाद कृष्णा पासवान ने कहा कि पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में हम लोग और तेजी से कार्य करेंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार को भाजपा की सामाजिक इंजीनियरिंग की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। नए मंत्रियों में एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित चेहरे शामिल किए गए हैं। सपा के प्रभावशाली ब्राह्मण नेता रहे मनोज पांडेय को मंत्रिमंडल में शामिल कर भाजपा ने ब्राह्मण वर्ग को बड़ा संदेश देने की कोशिश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और जाट राजनीति के लिहाज से भूपेंद्र चौधरी की ताजपोशी को भी अहम माना जा रहा है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा ने इस विस्तार के जरिए आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और सहयोगी दलों के समीकरणों को मजबूत करने का प्रयास किया है।

इससे पहले योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला कैबिनेट विस्तार 5 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ था। उस समय ओम प्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, अनिल कुमार और सुनील शर्मा को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था।

संवैधानिक प्रावधानों के तहत उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। विस्तार से पहले योगी मंत्रिमंडल में कुल 54 मंत्री थे, ऐसे में छह पद रिक्त थे, जिन्हें अब भर दिया गया है।

हिमंता सरमा ने सरकार बनाने का दावा पेश किया

एजेंसी ■ गुवाहाटी

हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की और राज्य में भाजपा की अगुवाई वाली नई एनडीए सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश किया।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि राज्यपाल बहुत जल्द हिमंता बिस्वा सरमा को अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन मौजूद रहेंगे। पीएम मोदी के नेतृत्व में असम सरकार समर्पित भाव से कार्य करेगी।

जेपी नड्डा ने कहा कि असम के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह पहले भी किया गया है और आगे भी किया जाएगा। असम की जनता से जो वादे किए गए थे, उन्हें पूरा किया गया और जो नहीं कहा गया था, वह भी किया गया। अब जो कहा गया है, उससे कहीं अधिक पीएम मोदी के नेतृत्व में किया जाएगा।

असम में हिमंता बिस्वा सरमा के विधायक दल का नेता चुने जाने पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने उन्हें बधाई दी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि असम भाजपा एवं एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने पर हिमंता बिस्वा सरमा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उन्होंने लिखा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में असम प्रगति, सुशासन और आत्मनिर्भरता की राह पर निरंतर आगे बढ़ते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा। नितिन नवीन ने लिखा कि सरमा के सफल एवं यशस्वी कार्यकाल के लिए पुनः हार्दिक शुभकामनाएं।

बता दें कि इससे पहले जेपी नड्डा ने गुवाहाटी में भाजपा राज्य मुख्यालय में आयोजित एक बैठक में सरमा के नाम की आधिकारिक घोषणा भाजपा विधायक दल के नेता और एनडीए नेता के रूप में की। इसके साथ ही, सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं, जबकि भाजपा की अगुवाई में एनडीए लगातार तीसरी बार पूर्वोत्तर राज्य में सरकार बनाएगा।

असम की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को गुवाहाटी के खानापारा वेटेरिनरी कॉलेज के खेल मैदान में होगा।

सीएम सुवेंदु अधिकारी के नबन्ना दौरे से पहले सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनने के बाद सुवेंदु अधिकारी सोमवार को पहली बार नबन्ना का दौरा करने वाले हैं। दोपहर 12 बजे अधिकारी नबन्ना (राज्य सचिवालय) के मीटिंग हॉल में एक प्रशासनिक बैठक करेंगे।

उनके दौरे को देखते हुए हावड़ा और कोलकाता पुलिस उस बैठक के आसपास नबन्ना की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर काम कर रही हैं। रविवार को सरकारी अधिकारियों ने बताया कि न केवल बैठक कक्ष, बल्कि नबन्ना के बाहरी घेरे की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की जा रही है। कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय नंद और हावड़ा सिटी पुलिस कमिश्नर अखिलेश चतुर्वेदी रविवार तड़के नबन्ना पहुंचे। इस दौरान उनके साथ कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। सबसे पहले, दो सीपी के नेतृत्व में पुलिस ने नबन्ना परिसर का निरीक्षण किया। वहां सुरक्षा के क्या-क्या

इंतज़ाम किए गए थे, इस बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई गई।

पुलिस ने नबन्ना में मुख्यमंत्री सुवेंदु की सुरक्षा और उस मीटिंग हॉल की सुरक्षा का जायजा लिया, जहां वे बैठक करने वाले हैं। इसके बाद, अजय और अखिलेश ने नबन्ना के मीटिंग हॉल में सुरक्षा के संबंध में एक आपात बैठक भी की।

सुवेंदु अधिकारी सोमवार को सबसे पहले राज्य प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक करेंगे। हालांकि, केवल प्रशासनिक समीक्षा ही नहीं, बल्कि सोमवार को उनके दो और बैठकें करने का भी कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री दोपहर में जिलाधिकारियों के साथ एक बैठक कर सकते हैं।

इसके बाद, मुख्यमंत्री दोपहर में राज्य पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के साथ भी एक बैठक करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इस बैठक में राज्य पुलिस के महानिदेशक, कोलकाता के पुलिस आयुक्त और राज्य के विभिन्न जोनों के अन्य उच्च-रैंकिंग अधिकारी शामिल होंगे। शनिवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला, गृह सचिव संघमित्रा घोष और डीजीपी सिद्ध नाथ गुप्ता के साथ एक बैठक की। यह बैठक एस्प्लेनेड स्थित लोक निर्माण विभाग के टेंट में हुई। इस बैठक में सुवेंदु अधिकारी ने राज्य की समग्र स्थिति की समीक्षा की।

शिक्षा मंत्रालय की पहल, देशभर के स्कूलों के लिए 'भारतीय भाषा समर कैंप'

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय देश भर के छात्रों के लिए एक विशेष समर कैंप आयोजित करने जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय का यह समर कैंप भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर आधारित है। सरकार ने इसके लिए कई विशेष तैयारियां की हैं।

दरअसल ऐसा ही एक कैंप बीते साल भी आयोजित किया गया था। पिछले वर्ष 'भारतीय भाषा समर कैंप' को देशभर में मिली अभूतपूर्व सफलता मिली थी। इस अभियान में देश के 5.13 करोड़ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया था। यही कारण है कि इस वर्ष शिक्षा मंत्रालय ने इस पहल को और अधिक व्यापक रूप देने का फैसला किया है। वर्ष 2025 में दिखे उत्साह और सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय इस गर्मी की छुट्टियों के दौरान देशभर के सभी स्कूलों में भारतीय भाषा समर कैंप 2026 आयोजित करने जा रहा है।

यह एक सप्ताह का विशेष शिविर होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की विविध भाषाओं और संस्कृतियों से परिचित कराना है। कैंप के दौरान छात्र विभिन्न भारतीय भाषाओं में बुनियादी संवाद कौशल सीखेंगे। इसमें आत्म-परिचय देना, सामान्य शब्दावली सीखना, दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले वाक्य बोलना और सरल बातचीत करना शामिल रहेगा।

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस कार्यक्रम को केवल भाषा सीखने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे एक सांस्कृतिक अनुभव के रूप में तैयार किया गया है। विद्यार्थियों को अलग-अलग राज्यों की भाषा, लोक परंपराओं, गीत-संगीत और सांस्कृतिक विशेषताओं से भी परिचित कराया जाएगा। खेल, समूह चर्चा, संवाद अभ्यास, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और रचनात्मक गतिविधियां इस समर कैंप का हिस्सा होंगी। इस सब से छात्रों की सीखने की प्रक्रिया रोचक और आनंददायक बनेगी। इस वर्ष के समर कैंप की सबसे खास पहल भारतीय सांकेतिक भाषा को शामिल करना है।

पहली बार विद्यार्थियों को सांकेतिक भाषा की बुनियादी जानकारी भी दी जाएगी। इससे श्रवण बाधित छात्र भी अलग अलग-अलग भाषाओं में संवाद की महत्ता कर सकेंगे। यह पहल नई शिक्षा नीति 2020 की उस सोच को आगे बढ़ाती है, जिसमें समावेशी और समान शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि भारत की भाषाई विविधता देश की सबसे बड़ी सांस्कृतिक ताकत है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में नई भाषाएँ सीखने की रुचि पैदा करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और आपसी समझ को भी मजबूत करते हैं।

मंत्रालय ने सभी स्कूलों, शिक्षकों और अभिभावकों से इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की है। गौरतलब है कि भारतीय भाषा समर कैंप 2026 न केवल विद्यार्थियों के लिए सीखने का अवसर होगा, बल्कि यह भारत की बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित होगा।

केरल में कौन होगा सीएम?

रमेश चेन्निथला बोले- हम नागपुर के इशारों पर नहीं चलते; कांग्रेस का पर तीखा हमला

नई दिल्ली. केरल में अगले मुख्यमंत्री के चयन को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चाओं के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसी नागपुर के निर्देशों पर नहीं चलती, बल्कि पूरी तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत फैसले लेती है।

चेन्निथला ने यह बयान रविवार को नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चयन में थोड़ा समय लगना सामान्य प्रक्रिया है और इसे अनावश्यक विवाद नहीं बनाया जाना चाहिए। उनके अनुसार, विधानसभा चुनाव परिणाम आए अभी केवल पांच दिन ही हुए हैं,

इसलिए निर्णय में देरी नहीं कही जा सकती। उन्होंने साफ कहा 'कांग्रेस कोई ऐसी पार्टी नहीं है जो नागपुर से आने वाले निर्देशों पर काम करे। हम पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से निर्णय लेते हैं।

कांग्रेस नेता ने बताया कि पार्टी हाईकमान लगातार सभी संबंधित नेताओं से बातचीत कर रहा है और जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हर नेता की राय ली जा चुकी है और अब फैसला केंद्रीय नेतृत्व को लेना है। चेन्निथला ने यह भी कहा कि कांग्रेस में हर प्रक्रिया चर्चा और सहमति के आधार पर होती है, न कि किसी एक या दो नेताओं के फैसले पर।

वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन को मिली पश्चिमी नौसैनिक कमान की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की पश्चिमी नौसैनिक कमान में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन किया गया है। इसके अंतर्गत वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन को पश्चिमी नौसैनिक कमान का नया फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ नियुक्त किया गया है। वाइस एडमिरल वात्स्यायन वर्तमान में उप नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। अब देश की सबसे रणनीतिक नौसैनिक कमानों में से एक की जिम्मेदारी संभालेंगे।

गौरतलब है कि पश्चिमी नौसैनिक कमान का मुख्यालय मुंबई में स्थित है। इस नौसैनिक कमान को भारतीय नौसेना की 'स्ट्राइक फोर्स' माना जाता है। यह कमान अरब सागर क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा, युद्धक तैयारी और रणनीतिक अभियानों की जिम्मेदारी निभाती है। पश्चिमी समुद्री सीमाओं की निगरानी और समुद्री हितों की रक्षा में इसकी भूमिका बेहद अहम मानी जाती है। वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन जनवरी 1988 में भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। वे गनरी और मिसाइल प्रणाली के विशेषज्ञ

अधिकारी हैं। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने कई प्रमुख युद्धपोतों और नौसैनिक इकाइयों का नेतृत्व किया है। वह भारतीय नौसेना के आईएनएस निशंक, आईएनएस विभूति, आईएनएस कुठार और आईएनएस सह्याद्रि जैसे महत्वपूर्ण युद्धपोतों की कमान संभाल चुके हैं। वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन पूर्वी बेड़े के कमांडर, पूर्वी नौसैनिक कमान के चीफ ऑफ स्टाफ तथा एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय में नीति, योजना और बल विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया।

बीते वर्ष अगस्त 2025 में उन्होंने भारतीय नौसेना के 47वें उप नौसेना प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया था। उत्कृष्ट सेवाओं और नेतृत्व के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और नौसेना पदक से सम्मानित किया जा चुका है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि उनके व्यापक संचालन अनुभव, सामरिक समझ और नेतृत्व क्षमता से पश्चिमी नौसैनिक कमान की युद्धक तैयारी और समुद्री सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। गौरतलब है कि सरकार ने शनिवार 9 अप्रैल को ही वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है।

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी 31 मई को सेवा से सेवानिवृत्त होंगे। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी के सेवानिवृत्त होने के उपरांत कृष्णा स्वामीनाथन यह पद संभालेंगे। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने 31 जुलाई 2025 को पश्चिमी नौसेना कमान के 34वें फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का कार्यभार ग्रहण किया था। फ्लैग ऑफिसर कृष्णा स्वामीनाथन को 01 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त हुआ था। वह संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली के विशेषज्ञ हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस : पोखरण की तपती रेत से लेकर एआई तक

नई दिल्ली। यह बात 11 मई 1998 की है। आसमान से अमेरिकी खुफिया सैटेलाइट्स भारत के चप्पे-चप्पे पर अपनी पैनी नजरें गड़ाए हुए थे। उन्हें चकमा देना नामुमकिन सा लग रहा था। लेकिन, फिर भी, वे धोखा खा गए। अचानक जमीन कांपी और दुनिया भर के सिस्मोग्राफ ने एक ऐसी हलचल दर्ज की, जिसने भारत का भू-राजनीतिक इतिहास हमेशा के लिए बदल दिया।

यह भारत का सफल भूमिगत परमाणु परीक्षण 'ऑपरेशन शक्ति' था। उसी दिन हमारे वैज्ञानिकों ने आसमान में स्वदेशी विमान 'हंसा-3' को सफलतापूर्वक उड़ाकर और अचूक 'त्रिशूल' मिसाइल का परीक्षण करके सबको हैरत में डाल दिया। भारत ने एक ही दिन में परमाणु, उड्डयन, और रक्षा क्षेत्र में अपना लोहा मनवा लिया था। हमारी इस अदम्य वैज्ञानिक इच्छाशक्ति को सलाम करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 मई को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' घोषित किया।

आज तकनीक 'कल्याण' का दूसरा नाम बन गई है। किसी सुदूर गांव का किसान आज 'ई-चौपाल' के जरिए अपने फोन पर अपनी फसल का सही दाम और मौसम की सटीक जानकारी ले रहा है। 'स्टेम ऑन व्हील्स' जैसी शानदार पहलों ने मोबाइल क्लीनिक को सीधे गांवों में पहुंचा दिया है, जहां बैठा एक गरीब मरीज

शहरों के बड़े डॉक्टरों से वीडियो कॉल पर अपना इलाज करवा रहा है। आंगनवाड़ी में काम करने वाली महिलाएं 'पोषण ट्रैकर' ऐप से बच्चों को कुपोषण से बचा रही हैं। ये है असली भारत की असली तकनीकी क्रांति, जहां इनोवेशन जमीनी हकीकत को बदल रहा है।

अगर आप जानना चाहते हैं कि आज दुनिया भारत को किस नजर से देखती है, तो फरवरी 2026 में नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुए 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' को याद कीजिए। 15 से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 70 हजार से अधिक लोगों का हुजूम इस बात का गवाह बना कि अब भारत तकनीक के मामले में दुनिया के पीछे नहीं चलता, बल्कि दुनिया को रास्ता दिखाता है। ये सब कोई जादू नहीं है। इसके पीछे उन गुमनाम वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, युवा छात्रों और स्टार्टअप्स की सालों की तपस्या है, जो लैब के बंद कमरों में देश का कल लिख रहे हैं। इन प्रतिभाओं को पंख देने का काम भारत सरकार का 'प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड' (टीडीबी) करता है।

हर साल इसी दिन टीडीबी ऐसे स्टार्टअप्स और एमएसएमई को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पुरस्कार' और 'राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार' से नवाजता है, जिन्होंने कागजी रिसर्च को असली बाजार में उतारा हो। चाहे वो 'रोटावैक' जैसी सस्ती स्वदेशी वैक्सीन बनाने वाली कंपनी हो या फिर ग्रामीण शिक्षा को बदलने वाले एडटेक स्टार्टअप्स। सरकार इन इन्नोवेटर्स को लाखों-करोड़ों की वित्तीय मदद देकर उनके सपनों को उड़ान दे रही है। इसके साथ ही दिल्ली यूनिवर्सिटी से लेकर शारदा यूनिवर्सिटी तक, हर जगह छात्रों के लिए 'हैकथॉन' और 'रोबो रेस' हो रहे हैं, ताकि नई पीढ़ी के दिमाग को इनोवेशन के लिए तैयार किया जा सके।

आज जब हम 2026 के आगे देखते हैं, तो हमारी नजरें डीप-टेक, क्वांटम मिशन और खुद का सेमीकंडक्टर हब बनाने पर टिकी हैं। आज भारत पेटेंट फाइल करने में दुनिया के शीर्ष देशों को टक्कर दे रहा है।

11 मई का दिन हमें बस एक ही बात याद दिलाता है। 1998 में हमने दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराया था, और आज 2026 में हम दुनिया को एक सुरक्षित और समावेशी भविष्य का रास्ता दिखा रहे हैं।

मदर्स डे पर कूनो नेशनल पार्क की खास पहल, चीतों की नई पीढ़ी पर शॉर्ट फिल्म जारी

श्योपुर। मदर्स डे के अवसर पर मध्य प्रदेश स्थित कूनो नेशनल पार्क एक बार फिर सुर्खियों में है। वजह है यहां तेजी से बढ़ती चीतों की नई पीढ़ी और मदर्स डे 2026 के मौके पर पार्क प्रबंधन द्वारा जारी की गई एक खास शॉर्ट फिल्म।

मदर्स डे के अवसर पर जारी इस फिल्म में मादा चीतों और उनके शावकों की की अठखेलियां और उनकी कहानी को सार्वजनिक किया गया है। साथ ही, शावकों की कहानी भी जारी की गई है। इस पहल के जरिए भारत में चीतों की नई पीढ़ी को स्थापित करने में मादा चीतों के योगदान को सम्मान दिया गया है। देश में चीता प्रोजेक्ट को एक

महत्वपूर्ण उपलब्धि भी माना जा रहा है। कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन की ओर से जारी की गई इस फिल्म में मादा चीतों की ममता, संघर्ष, अनुकूल क्षमता और जंगल में उनके सफल जीवन की खूबसूरती को दिखाया गया है। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे यह चीता अपने शावकों की देखभाल कर उन्हें जंगल के माहौल में ढाल रही है। वीडियो में इसकी झलक देखने को मिलती है।

वर्तमान में कूनों नेशनल पार्क में कुल 54 चीते हैं, जिनमें से 15 चीते खुले जंगल में घूम रहे हैं। इनमें से 39 चीते बड़े बाड़े में रह रहे हैं। शावकों को गर्मी से बचाने के लिए कूनो प्रबंधन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए हैं। यही वजह है कि भारत के कूनो नेशनल पार्क में जन्मे शावक न केवल अठखेलियां कर रहे हैं, बल्कि छोटे वन्यजीवों और पक्षियों पर झपट्टा मारते हुए भी नजर आ रहे हैं। खास बात यह है कि शावकों के लिए भारत की भीषण गर्मी का ये मौसम है। लिहाजा मादा चीतों द्वारा इन शावकों को गर्मी से भी बचाव करने का प्रयास करती नजर आती है.कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन डीएफओ आर थिरुकुराल ने इस अवसर पर फील्ड स्टाफ पशु चिकित्सकों और वन अधिकारियों की मेहनत की सराहना की। कूनो नेशनल पार्क में जन्मे सभी शावक बेहतर ढंग से सर्वाइव कर रहे है। गर्मी के बचाने के लिए उनको सभी तरह के प्रयास भी कूनो नेशनल पार्क में किए गए है।

टीवीके विधायक करुप्पैया तमिलनाडु विधानसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त

चेन्नई। तमिलगा वेट्ट्री कजगम (टीवीके) के विधायक एमवी करुप्पैया को रविवार को तमिलनाडु विधानसभा का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नव निर्वाचित विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू होने वाला है। बता दें कि करुप्पैया पूर्व एआईएडीएमके नेता हैं और इस वर्ष की शुरुआत में अपनी पुरानी पार्टी में दरकिनार किए जाने के बाद मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी में शामिल हुए थे।

यह नियुक्ति टीवीके अध्यक्ष विजय के पार्टी की ऐतिहासिक चुनावी जीत के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद हुई है। टीवीके हाल ही में संपन्न तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। इसके बाद पार्टी ने कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई, सीपीआई (एम) और आईयूएमएल के समर्थन से सरकार बनाई, जिससे राज्य में डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने राजनीतिक वर्चस्व का अंत हो गया। रविवार सुबह चेन्नई के नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित एक भव्य समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने विजय को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

उनके साथ नौ मंत्रियों ने भी नए मंत्रिमंडल के सदस्य के रूप में शपथ ली।मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के तुरंत बाद विजय ने तीन महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें घरों के लिए 200 यूनिट मुफ्त बिजली का कार्यान्वयन, 'सिंगापेन' विशेष कार्य बल का गठन और एक विशेष नशा-विरोधी इकाई की स्थापना शामिल है। बाद में वे सचिवालय गए और औपचारिक रूप से प्रशासन का कार्यभार संभाला। इन घटनाक्रमों के बीच, चोलावंदन निर्वाचन क्षेत्र से विधायक करुप्पैया को कार्यवाहक अध्यक्ष नामित किया गया है, जो नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे और विधानसभा की प्रारंभिक कार्यवाही की देखरेख करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

अमरजीत भगत ने भाजपा को घेरा

रायपुर । छत्तीसगढ़ के पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के बयान ने सियासी हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब आदिवासियों और कांग्रेस सरकार के बीच गैप बन गया था और इसी गैप की वजह से छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की सरकार चली गई। अब ऐसी ही गलती भाजपा की सरकार में भी हो रही है, भाजपा और आदिवासी समाज के बीच फिर से गैप बन रहा है। उन्होंने कहा है कि जिस भी पार्टी में सरगुजा और बस्तर के आदिवासियों का अनदेखा किया है, वह सत्ता से चली गई है। आज सरगुजा और बस्तर में आदिवासियों की सुनवाई नहीं हो रही है जल, जंगल और जमीन पर खतरा मंडरा रहा है ।

प्रशासन की नाकामी, आम आदमी पार्टी का आज प्रदर्शन

रायपुर । राजधानी रायपुर में उत्पन्न भीषण पेयजल संकट ने आम नागरिकों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर के कई इलाकों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरसने को मजबूर हैं। शहर के अनेक इलाकों में लगातार जल स्तर गिर रहा है, अनेक वार्डों में रोजाना पानी के लिए लोग तरस रहे हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि टैंकर पहुंचते ही लोगों की भीड़ उस पर टूट पड़ती है, मानो पानी नहीं बल्कि जीवन बांटा जा रहा हो। नगर निगम आम जनता के लिए शुद्ध जल की आपूर्ति करने में लगातार नाकाम साबित हो रही है। इसी को लेकर कल 11 मई 2026 को आम आदमी पार्टी द्वारा बिरगांव के वार्ड 32 में इकठ्ठा होकर बिरगांव नगर निगम ऑफिस के सामने प्रदर्शन कर निगम आयुक्त को ज्ञापन दिया जायेगा ।

सिविल लाइंस सिंधी पंचायत द्वारा शरबत वितरण

रायपुर । पूज्य सिविल लाइंस सिंधी पंचायत के मीडिया प्रभारी प्रेस नोट जारी कर बताया कि काली माता मंदिर परिसर में सुबह 11:00 बजे से 1:00 तक भीषण गर्मी को देखते हुए भक्तों एवं राहगीरों को राहत देने हेतु शरबत और प्रसाद काले छोले एवं बिस्किट पैकेट वितरित किए गए। पंचायत के अध्यक्ष संजय जैसिंघ एवं महासचिव मोहन वर्ल्यानी ने कहा कि पंचायत द्वारा निरंतर समाज हित में कार्य किए जाएंगे । मातृ दिवस पर महिला विंग की अध्यक्ष मधु बहादुर आर्त्तवानी का सम्मान किया गया एवं उनकी संस्था मधुधारा को 11 जरूरतमंद कन्याओं के विवाह हेतु आर्थिक सहयोग एवं उपहार स्वरूप आवश्यक सामान भेंट किया गया। इस अवसर पर सभी ने बेटियों के उज्ज्वल भविष्य एवं सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम में विशेष रूप से संजय जैसिंघ,मोहन वर्ल्यानी,मधु बहादुर आर्त्तवानी, रश्मि वाधवा, जीवत बजाज, सुशील दरीरा, रॉकी छुगानी ,नानक राम रामरख्यानी , शैलेंद्र नैनानी, जय आर्य,ललित जैसिंघ,अमर संतवानी, वासु माखीजा, अशोक निहलानी, विशाल नारंग नरेश पिंजानी, हीरानंद दुल्हानी,संजय आहूजा,रम्मी पारवानी, सुंदर नारवानी, संजय माखीजा , मुरली कोडवानी, कमल वाधवा, चंदन जैसिंघ ,चंद्रर विधानी, गिरीश दरीरा, नंदलाल जसवानी, सुरेश जसवानी,धनेश मटलानी उपस्थित थे।

कार्यो में देरी व बीच में कार्य रोकने पर निर्माण एजेंसियों पर होगी कार्रवाई- मंत्री लखनलाल देवांगन

रायपुर । प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कल नगर निगम कोरबा के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुये कहा है कि निगम क्षेत्र के वार्डो में प्रगतिरत विकास कार्यो को समयसीमा के अंदर पूरा करायें तथा जो कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं किये गये हैं, उन्हें शीघ्र प्रारंभ कराये । उन्होने कहा कि निर्माण कार्यो को प्रारंभ करने में देरी व कार्य प्रारंभ कर बीच में कार्य रोकने वाली निर्माण एजेंसियों के विरूद्ध कार्यवाही करें, नोटिस दें तथा यदि फिर भी कार्य प्रारंभ नहीं किया जाता तो अमानत राशि राजसात करते हुये ऐसे निर्माण एजेंसियों को ब्लेक लिस्ट किये जाने की कार्यवाही भी करें। उन्होने यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें कि किया जा रहा विकास कार्य पूर्ण गुणवत्तायुक्त है, साथ ही गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का कम्प्रोमाईज न हो, यह भी सुनिश्चित करें।

उक्ताशय के निर्देश उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने विकास कार्यो की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। मंत्री श्री देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के दर्री जोन व सर्वमंगला नगर जोन के अधिकारियों व वार्ड पार्षदों की बैठक लेकर इन दोनों जोन के 20 वार्डो के विकास कार्यो की वार्डवार समीक्षा की। बैठक के दौरान महापौ संजूदेवी राजपूत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन भी उपस्थित थे। वर्तमान में दर्री जोन व सर्वमंगलानगर जोन में कुल 166 कार्य स्वीकृत हुये थे, जिसमें दर्री जोन के 14 वार्डो के 112 कार्य स्वीकृत कार्यो में 45 कार्य पूर्ण कर

लिये गये हैं, 45 कार्य प्रगतिरत हैं तथा 22 कार्य अभी अप्रारंभ हैं। इसी प्रकार सर्वमंगला नगर जोन के 06 वार्डो के स्वीकृत 54 विकास कार्यो में 28 कार्य पूर्ण, 14 प्रगतिरत व 12 विकास कार्य अप्रारंभ है। अप्रारंभ विकास कार्यो की वार्डवार समीक्षा करते हुय उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये कि संबंधित निर्माण एजेंसियों को नोटिस दें तथा कार्यो को शीघ्र प्रारंभ करायें, इसी प्रकार प्रगतिरत विकास कार्यो की समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कुछ कार्य बीच में रूके हुये हैं, इस पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कड़ा रूख अख्तियार करते हुये अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संबंधित निर्माण एजेंसियों को कार्य प्रारंभ करने का नोटिस दें, फिर भी यदि उनके द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किया जाता तो उनकी जमा अमानत राशि राजसात करते हुये उन्हें ब्लेक लिस्टेड किये जाने की कार्यवाही करें। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों से कहा कि विकास व निर्माण कार्यो के संपादन के दौरान संबंधित अभियंतागण कार्यो की निरंतर मानीटरिंग करें, गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें तथा यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें कि विकास कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ संपादित हों तथा कार्य में उपयोग की जाने वाली सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप हों।

विविध निर्माण कार्यो की वार्डवार समीक्षा

बैठक के दौरान उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने दर्री जोन व सर्वमंगला नगर जोन के वार्डो में विभिन्न मदों जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना, वित्त आयोग मद, मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण, राजस्व व आपदा प्रबंधन, प्रभारी मंत्री मद, विधायक मद, सी.एस.आर. मद, महापौर मद, पार्षद निधि, निगम मद सहित अन्य विभिन्न मदों के अंतर्गत किये जाने वाले सी.सी. रोड निर्माण, नाली निर्माण, सामुदायिक भवन, सार्वजनिक शेड मंच, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी, किचन शेड, अहाता व बाउण्ड्रीवाल, शौचालय निर्माण, उप स्वास्थ्य केन्द्र उन्नयन, अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, चबूतरा, सांस्कृतिक मंच निर्माण, कलवर्ट, मुक्तिधाम, घाट पचरी निर्माण, तालाब गहरीकरण, कांजी हाउस जीर्णोद्धार, यात्री प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था से जुड़े कार्य तथा विद्युत विस्तार व स्ट्रीट लाईट से जुड़े कार्यो की कार्य प्रगति की वार्डवार समीक्षा की तथा कार्यो की कार्यप्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिये।

बूथ जीता, चुनाव जीता के मंत्र को प्रवासी कार्यकर्ताओं ने धरातल पर उतारा : पवन साय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में रविवार को पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव 2026 में सहभागी रहे 'प्रवासी कार्यकर्ताओं' की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दोनों राज्यों के चुनाव अभियानों में प्रवासी कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए जमीनी कार्यों, बूथ प्रबंधन और जनसम्पर्क अभियानों की सफलता पर विस्तृत चर्चा हुई।

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार के चुनावों में विभिन्न राज्यों से आए प्रवासी कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल के दुर्गम क्षेत्रों और असम के चाय बागानों से लेकर मैदानी इलाकों तक में पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुँचाया।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए धन्यवाद देते हुए कहा गया कि 'बूथ जीता, चुनाव जीता' के मंत्र को प्रवासी कार्यकर्ताओं ने धरातल पर उतारा। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान की।

पान ठेले पर बिक रही थी विदेशी शराब और बीयर, आबकारी टीम की दबिश

रायपुर। राजधानी में आबकारी विभाग ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पान ठेले पर दबिश दी। इस दौरान विदेशी शराब और बीयर बरामद की गई। मामला तिल्दा थाना क्षेत्र के रायपुर-बिलासपुर हाईवे स्थित ग्राम बेमता का है।

आबकारी विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सुनील कुमार देवांगन को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उसके कब्जे से 5.52 बल्क लीटर व्हिस्की और 3.25 बल्क लीटर बीयर बरामद की गई। बताया जा रहा है कि आरोपी पान ठेले की आड़ में अवैध रूप से शराब बेच रहा था। छापेमारी के दौरान इलाके में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।भौगोलिक संदर्भ

आबकारी विभाग ने आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। यह पूरी

कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक मेधा मिश्रा के नेतृत्व में की गई। विभाग का कहना है कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

केंद्र के समान लंबित महंगाई भत्ते की मांग

रायपुर । राज्य सरकार ने विद्युत विभाग के कर्मचारियो एवं पेंशनरो के लिए 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते का आदेश जारी किया है । वहीं राज्य सरकार के अन्य विभागों कर्मचारी एवं पेंशनर डी ए, डी आर से वंचित है द्य यह कर्मचारियों के साथ भेदभाव है ।

छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष एवं फेडरेशन के महासचिव चंद्रशेखर तिवारी, प्रांतीय प्रवक्ता पंकज पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की राज्य सरकार ने बिजली विभाग के कर्मचारियो एवं पेंशनरों के लिए केंद्रीय कर्मचारियों के समान देय तिथि 1 जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी कर दिया है । वहीं राज्य के अन्य कर्मचारी, अधिकारी एवं पेंशनरों को लंबित महंगाई भत्ते से वंचित रखा गया है द्य यह कर्मचारियों के साथ भेदभाव है ।

राज्य के कर्मचारी शासन की समस्त योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने मैं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है द्य उसके बावजूद राज्य कर्मियों को उनके अधिकार से वंचित रखा जाना न्यायोचित नहीं है । ज्ञात हो की वर्तमान सरकार द्वारा राज्य कर्मचारियों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता एवं लंबित एरियर्स देने मोदी की गारंटी के रूप मैं लागू करने अपने घोषणा पत्र मैं शामिल किया गया था । उसके बावजूद इसे लागू नहीं किया गया है । जिसके कारण कर्मचारियों मैं निराशा एवं आक्रोश है ।

संघ के प्रांताध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा की बिजली कर्मियों के समान राज्य कर्मचारी, पेंशनर के लंबित 2% डी ए, डी आर जारी किए जाए जिससे राज्य के कर्मचारियों मैं सरकार के प्रति विश्वास मजबूत होगा । कार्य मैं अधिक दक्षता आएगी द्य संघ ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राज्य के कर्मचारी अधिकारी, पेंशनरो के लंबित डी ए जारी करने की मांग की है ।

कर्मचारी नेता चंद्रशेखर तिवारी, पंकज पाण्डेय, मुकतेश्वर देवांगन, तिलक यादव, फारुख कादरी, चंदू चंद्राकर, अर्जुन क्षत्री, एम आर खान, दिलीप तिवारी, बसंत त्रिवेदी, शेखर पाण्डेय, देवेंद्र साहू, आदि ने अविलम्ब डी ए आदेश जारी करने की मांग की है ।

रायपुर महिला जेल में वीडियो कॉलिंग सिस्टम का शुभारंभ

रायपुर। मदर्स डे के ममतामयी अवसर पर रायपुर की महिला जेल में बंदिनियों के लिए खुशियों की एक नई किरण जगी है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की घोषणा के अनुरूप, जेल प्रशासन ने महिला बंदिनियों को प्रिजन इनमेट वीडियो कॉलिंग सिस्टम का बहुप्रतीक्षित तोहफा दिया है।

वीडियो कॉलिंग की सुविधा से जेल विभाग और बीएसएनएल के बीच हुए अनुबंध के तहत इस सिस्टम को स्थापित किया गया है। अब महिला बंदी अपने परिजनों और अधिवक्ताओं से सीधे वीडियो कॉल के जरिए संवाद कर सकेंगी, जिससे उनके मानसिक संबल और कानूनी विमर्श में मदद मिलेगी।

निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल विकास का प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली 38 महिला बंदिनियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह उनके पुनर्वास और भविष्य में स्वावलंबन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

जेल में अपनी माताओं के साथ रह रहे 14 मासूम बच्चों को विभाग की ओर से विशेष उपहार वितरित किए गए, जिससे बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान खिल गया और जेल परिसर का माहौल उत्सवमय हो गया। इस संवेनदनशील पहल के शुभारंभ अवसर पर जेल और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से श्री हिमांशु गुप्ता (डीजी, जेल), श्री योगेश सिंह क्षत्री (जेल अधीक्षक), श्री विजय छबलानी (प्रतिनिधि, BSNL), सुश्री गरिमा पांडेय (प्रभारी, महिला जेल) एवं समस्त जेल स्टाफ, संबंधित महिला बंदिनी उपस्थित रहे। यह पहल न केवल बंदिनियों को उनके मानवाधिकारों और परिवार से जोड़ने का माध्यम बनेगी, बल्कि जेल सुधार की दिशा में तकनीकी समावेश का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी पेश करेगी।

श्री जगन्नाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

रायपुर। राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित पावन श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में आयोजित दो दिवसीय विराट अखंड हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ रविवार को भक्तिमय वातावरण एवं पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ। भक्ति, आध्यात्मिक चेतना और सनातन संस्कृति से सराबोर इस आयोजन में प्रदेशभर से हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन एवं महाप्रसाद का पुण्य लाभ प्राप्त किया। पूरा मंदिर परिसर 'हरे राम, हरे कृष्ण' महामंत्र के अखंड संकीर्तन से निरंतर गुंजायमान रहा और श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए।

इस भव्य धार्मिक आयोजन में छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। तीनों ही वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने जगन्नाथ महाप्रभु, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हरिनाम संकीर्तन भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। ऐसे

आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, भाईचारा एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से प्रदेश निरंतर विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर हो।

राज्यपाल रमेन डेका ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं तथा युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ते हैं। वहीं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी ने कहा कि हरिनाम संकीर्तन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जनमानस को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करने वाला महाआयोजन है।

इस विराट आयोजन का सफल संचालन श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति रायपुर द्वारा किया गया। समिति के अध्यक्ष एवं रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा जी के नेतृत्व में पूरी आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। पेयजल, भंडारा, प्रसाद वितरण, बैठने एवं पार्किंग सहित सभी व्यवस्थाओं की श्रद्धालुओं ने सराहना की। पुरंदर मिश्रा ने कहा कि हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ समाज में आध्यात्मिक जागरण और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी श्रद्धालुओं, कीर्तन मंडलियों, सामाजिक संगठनों एवं सेवा समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा की प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियों ने अपनी मधुर संगीतमयी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री राधे कीर्तन मंडली गौरटेक (सरायपाली), बिजेपुर (सांकरा), लिपास पाली झारसुगुड़ा, केन्दुडीही झारसुगुड़ा, हिलीपाली बरगढ़ एवं कुलता बरगढ़ (ओडिशा) की मंडलियों द्वारा प्रस्तुत भक्ति गीतों और महामंत्र संकीर्तन ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

रायपुर जेल के 67 बंदियों को मिला कौशल प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना निश्चय के अंतर्गत आज केंद्रीय जेल और महिला जेल, रायपुर में एक विशेष गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा बंदियों को अपराध की दुनिया से दूर कर स्वावलंबन और सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करना है। ज़ेन जी युवा बंदियों को अपराध के दलदल में वापिस जाने से रोकने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ की सभी जेलों में निश्चय कार्यक्रम संचालित है। इस कार्यक्रम में युवा बंदियों को कॉउंसलिंग, अपराध बोध का ज्ञान, स्व-रोजगार उन्मुख कौशल प्रशिक्षण एवं रिहाई उपरांत स्वरोजगार हेतु बैंक के माध्यम से ऋण प्रदाय किया जाता है।

कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की ओर समारोह के दौरान कुल 67 बंदियों को उनकी प्रशिक्षण अवधि पूर्ण होने पर कौशल विकास प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इनमें 38 महिला बंदिनी और 29 पुरुष बंदी शामिल हैं। निश्चय कार्यक्रम का उद्देश्य

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत के सहयोग से संचालित इस अभियान के तहत बंदियों को अपराध बोध का ज्ञान, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाता है। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय जेल, रायपुर में आज कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। अब बंदी जेल के भीतर ही कंप्यूटर का बुनियादी और उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे, जो रिहाई के बाद उनके रोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा।

बंदियों के पुनर्वास को केवल प्रशिक्षण तक सीमित न रखते हुए, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। 13 मई 2026 को इंडियन ओवरसीज बैंक द्वारा केंद्रीय जेल परिसर में लोन मेला लगाया जाएगा, जिसका उद्देश्य रिहा होने वाले बंदियों को स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए सुगमता से ऋण उपलब्ध कराना। इस अवसर पर डीजी (जेल) हिमांशु गुप्ता, जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री, महिला जेल प्रभारी सुश्री गरिमा पांडेय सहित जेल प्रशासन के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पीएफ निकासी के नाम पर रिश्वत लेनेवाला बाबू गिरफ्तार

कोरबा। पीएफ का पैसा निकालने के लिए पीएफ का पैसा निकाला गया। ऑफिस में चोरी की कार्रवाई से हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, पीईएफ का पैसा निकालने के लिए सीएम पीफ विभाग में डिपो कर्मियों के लिए मनोहर लाल कंसल्टेंट से संपर्क किया था। क्लर्क ने मनी ड्रा के लिए कई बार चक्कर लगाया, और अंत में रिश्वत की मांग की। इस पर की जानकारी दी। केस की जांच करने के बाद साकेत ने निजीकरण के लिए एक रणनीति बनाई। रणनीति को अंजाम देते हुए बताया गया कि भिलाई से दो टुकड़ों में बंटी टीम कुसमुंडा स्पाइडर और योजनाबद्ध तरीके से रिश्वत लेने वाले मनोहर लाल कोच को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। क्लर्क के पकड़े जाने के बाद ऑफिस में अजीब सन्नाटा पसरा हुआ है।

शिक्षा विभाग में हड़कंप, स्कूलों के प्रिंसिपल पर गिरी गाज

बालोद । छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में CG Board 10वीं और 12वीं परीक्षा में निराशाजनक परिणाम आने पर आठ स्कूलों के प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया गया है और 14 अन्य प्राचार्यों की वेतन वृद्धि रोक दी है।

जिला शिक्षा विभाग की समीक्षा में सामने आया कि कुछ स्कूलों में 30 से 47 फीसदी छात्र की पास हो सके हैं।

इसे स्कूल शिक्षा विभाग ने लगातार खराब प्रदर्शन और शैक्षणिक गुणवत्ता में गिरावट को गंभीर लापरवाही माना है और प्रिंसिपल्स के खिलाफ कार्रवाई की है।

विभाग का मानना है कि पीएमश्री स्कूलों को मॉडल संस्थान माना जाता है, वहां से बेहतर रिजल्ट की उम्मीद थी, लेकिन प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा।

इस साल 10वीं बोर्ड रिजल्ट में बालोद जिला 29वें स्थान पर पहुंच गया, जबकि 12वीं में जिले की रैंक 30वीं रही।

शिक्षा विभाग ने जिले के सभी स्कूलों को चेतावनी दी है कि आने वाले समय में कमजोर परीक्षा परिणाम मिलने पर कार्रवाई जिम्मेदार अफसरों और शिक्षकों पर की जाएगी।

विभाग अब नियमित मॉनिटरिंग और अकादमिक समीक्षा पर जोर देने की तैयारी में है।

काम पर निकला कर्मचारी नहीं लौटा घर, अगली सुबह झाड़ियों में मिला शव

कोरबा। नवा बरपारा कोहड़िया स्थित सड़क किनारे एक युवक का खून से लथपथ शव मिला। हथियार से हत्या कर शव फेंके जाने की संभावना बनी हुई है। सीएसईबी ऑफिस पुलिस कार्यालय पर सूचना बैठक निरीक्षण और जांच शुरू। शव को घसीटने और खून के निशान मिलते हैं। सब्जबाग में सुबह-सुबह शव देखकर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद मस्जिद पर भीड़ जमा हो गई। मृतक की पहचान बसंत पटेल (37) के रूप में हुई है।

वह मूल रूप से जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ ब्लॉक के सोनसरी गांव के निवासी थे। पिछले तीन साल से बसंत कोरबा के दूरपा सर्वमंगला बरमपुर में किराए के मकान में रह रहे थे और इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित संजय ने काम किया था।

दोस्त राकेश पटेल ने बताया कि बसंत शुक्रवार सुबह 8 बजे के लिए घर से निकला था, लेकिन रात तक वापस नहीं आया। शनिवार सुबह फोन पर बसंत की हत्या की जानकारी मिली। बसंत विवाहित थे और उनके दो बच्चे हैं। वह दो दिन पहले ही अपने छोटे भाई की शादी से कोरबा गांव लौटी थी। उनकी पत्नी और बच्चे अभी गांव में ही हैं। बसंत की पत्नी ब्रह्मपुर के एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं।

अबूझमाड़ में आटीबीपी के जवानों ने जनसेवा की नई मिशाल पेश की, ग्रामीणों के सहयोग बनाया 60 मीटर लंबा पुल

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बस्तर के अतिसंवेदनशील और दुर्गम अबूझमाड़ क्षेत्र में आईटीबीपी की 38वीं बटालियन ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से लगभग 60 मीटर लंबा लकड़ी और बांस का मजबूत पुल बनाकर विकास और जनसेवा की नई मिसाल पेश की है। यह पुल ओरछा थाना क्षेत्र से लगभग 20 किलोमीटर दूर कुड़मेल गांव के पास बनाया गया है।

दरअसल बरसात के दौरान नाले में तेज बहाव के कारण यहां आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। इस समस्या के कारण ग्रामीणों का महीनों तक बाहरी दुनिया से संपर्क खत्म हो जाता था तथा सुरक्षा बलों की परिचालन गतिविधियां भी प्रभावित होती थीं। राशन, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना बेहद कठिन हो जाता था। आगामी बरसात के मौसम की गंभीर प्रतिकूलताओं को ध्यान में रखते हुए त्वरित स्तर पर पक्का पुल बनना संभव प्रतीत नहीं हो रहा था। ऐसी परिस्थिति में 38वीं वाहिनी आईटीबीपी ने अनूठी पहल करते हुए इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरा करने का निर्णय लिया, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया । स्थानीय लकड़ी और बांस से निर्मित यह पुल केवल पैदल आवाजाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे इतना मजबूत बनाया गया है कि इस पर मोटरसाइकिल भी सुरक्षित रूप से गुजर सकती है।

38वीं बटालियन आईटीबीपी के कमांडेंट रोशन सिंह असवाल एवं एसपी रॉबिसन गुरिया ने स्थानीय ग्रामीणों और जवानों की मौजूदगी में पुल का लोकार्पण किया। इस पुल के निर्माण से अब ग्रामीणों और सुरक्षा बलों को वर्षभर सुरक्षित संपर्क सुविधा मिलेगी। आईटीबीपी की पहल जनसेवा, समर्पण और स्थानीय समुदाय के साथ बेहतर समन्वय का प्रेरणादायक उदाहरण

एक दिन में 14 लाख 53 हजार 645 रूपये का जुर्माना वसूला गया

रायपुर/बिलासपुर। टिकटधारी यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा को ध्यान में रखते हुए एवं यात्रियों को टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूक करने तथा गाडियों में बेटिकट यात्रियों की रोकथाम हेतु मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा प्रतिदिन टिकट चेकिंग अभियान चलाया जाता है। इसी संदर्भ में प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक के आदेशानुसार एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 7 मई को मंडल वाणिज्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा टिकट चेकिंग अभियान चलाकर अब तक की सर्वाधिक वसूली की गई। उक्त दिनांक को टिकट चेकिंग अभियान से कुल 2147 मामलों से 14 लाख 53 हजार 645 रूपये बतौर जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट के 1162 मामलों से 9,72,535 रूपये अनियमित टिकट के 683 मामलों से 3,67,245 रूपये, बिना बुक किये गये लगेज के 40 मामलों से 4,280 रूपये, टिकट श्रेणी परिवर्तन के 246 मामलों से 1,07,935 रूपये तथा गंदगी फैलाने के 16 मामलों से 1,650 रूपये शामिल हैं जो कि मंडल में अभी तक प्रतिदिन टिकट चेकिंग अभियान से जुर्माने की सर्वाधिक वसूली है। इसके पूर्व 3 मई को कुल 2112 मामलों से 14 लाख 28 हजार 542 रूपये की वसूली की गई थी।

सुशासन शिविरः मत्स्य पालन आधुनिक तकनीक से करना हुआ आसान

दाँते वेवे। जिले के विभिन्न ग्राम परियोजनाओं में कलस्टर वार हो रहे सुशासन शिविरों से जहां मशीनों पर ही अधिकांश समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। हितग्राहियों द्वारा आधुनिक तकनीक से युक्त विभिन्न यंत्र उपकरणों सामग्री का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। इससे हितग्राहियों में अच्छा मानक उत्साह देखा जा रहा है और अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो रहे हैं। इस क्रम में पिछले दिनों भूसारस और हलबारास में व्यापारियों वाले सुशासन शिविर में मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालनकर्ताओं को उन्नत जाल और आईएस बाक्स वितरण द्वारा उनके व्यवसाय को स्थापित और आर्थिक रूप से सफल बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

विकासखंड कट कल्याण अंतर्गत ग्राम भूसारस में 6 मई को हुआ हितग्राही हिड़मा मंडावी महादेव मरकाम भी अद्यतन में एक है। इस संबंध में मत्स्य वैज्ञानिक हिड़मा ने बताया कि वह पिछले 10 वर्षों से अपनी स्वयं की भूमि में 0.20 हे. तालाब का निर्माण कर भारतीय मेजर कार्प रोहू, कटला, मृगल का संरक्षण कर मछली पालन का कार्य कर रहे हैं। इनमें से उनके द्वारा 30 से 40 हज़ार हज़रत मछली की वैरायटी कर बेची जाती है। जैसा कि हिडमा ने बताया था कि पूर्व में इन दोनों के पास जाल उपलब्ध नहीं था। जिसमें डूबे हुए भाग से जाल झील मत्स्याखेट करना शामिल था। राज्य शासन की मंजूरी के माध्यम से सुशासन तिहार 2026 में मत्स्यखेत के लिए जल प्रदाय किया गया जिससे मत्स्याखेत करने में कोई परेशानी नहीं होगी और भाड़े से जल होने की स्थिति से बचकर वह बेहतर आय का प्रबंध करेगा।

इसी प्रकार एक और अन्य हितग्राही

महादेव मरकाम पिता हड़मा ग्राम भूसारास वि.ख. केट कल्याण के मत्स्य कृषकों को सुशासन तिहार 2026 में डिविजन फुटकर फिश विक्रय योजना अंतर्गत फिश विक्रय आइस बॉक्स की आपूर्ति की गई है। इसके पहले पवित्र महादेव को अपने तालाब से निकाली गई मछली को तुरत आस-पास के स्थानीय उद्योग में ले जाया गया था। और होने मछली पकड़ने के लिए ऐसा बक्स न होने से मछली की स्थिति खराब हो गई थी। लेकिन अब महादेव खुश हैं क्योंकि सुशासन शिविर में आइस बाक्स उपलब्ध कराया गया है। उसे अपने तालाब के मछली पकड़ने के लिए पशुधन वैराइटी बाजार ले जाने में कोई परेशानी नहीं होगी और मछली पकड़ने की स्थिति खराब होने से राहत मिलेगी। इसके अलावा ग्राम पंचायत हलबारास वि.ख. कुआकोंडा में भी मत्स्य कृषक भगवान राणा पिता नवल राणा एवं सुनील कुमार भोयर पिता सामांथ भी मत्स्य कृषकों से बने शोरूम थे। कृषक भगवान राणा द्वारा विगत 08 वर्षों से अपनी स्वयं की भूमि में 0.50 हे. तालाब निर्माण कर मछली पालन का कार्य किया जा रहा है, जिससे उन्हें 60 से 70 हजार का सामान प्राप्त हो रहा है। पूर्व में सैनिको के पास मत्स्यखेत में जल उपलब्ध नहीं होने के कारण मछली पकड़ने में समस्या हो रही थी।

राजनांदगांव की सुष्मिता सिंह बनीं भारतीय वन सेवा अधिकारी

UPSC 2025 में 32वीं रैंक हासिल कर बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान

राजनांदगांव। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा शुक्रवार शाम भारतीय वन सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम जारी किया गया, जिसमें 148 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इस प्रतिष्ठित सूची में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में पली-बढ़ी सुष्मिता सिंह ने 32वीं रैंक हासिल कर भारतीय वन सेवा में चयन प्राप्त किया है। उनकी इस सफलता से प्रदेश में हर्ष का माहौल है।

राजनांदगांव से लेकर IFS तक का सफर

सुष्मिता सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजनांदगांव के जेएमजे नवजीवन स्कूल और रॉयल किड्स स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने डीएवी पब्लिक स्कूल सरकंडा, जैन इंटरनेशनल स्कूल बिलासपुर और डीपीएस भिलाई से 12वीं तक की पढ़ाई पूरी की। आगे चलकर उन्होंने यूपीएस देहरादून से कंप्यूटर साइंस में बीटेक की डिग्री हासिल की।

नौकरी छोड़कर UPSC की तैयारी, पांचवें प्रयास में मिली सफलता

बीटेक के बाद सुष्मिता सिंह ने नौकरी भी की, लेकिन UPSC की तैयारी में कठिनाई आने पर उन्होंने नौकरी से इस्तीफा देकर पूरी तरह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी पर ध्यान केंद्रित किया। लगातार मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने अपने पांचवें प्रयास में यह सफलता हासिल की।

पिता भी रह चुके हैं IFS अधिकारी

सुष्मिता सिंह का परिवार भी वन सेवा से जुड़ा रहा है। उनके पिता भारतीय वन सेवा के अधिकारी रह चुके हैं और छत्तीसगढ़ में लंबे समय तक एसडीओ, डीएफओ, वन संरक्षक और मुख्य वन संरक्षक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में वे सेवानिवृत्त होकर भिलाई में निवासरत हैं।

परिवार और मेहनत को दिया सफलता का श्रेय

सुष्मिता सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां की प्रेरणा, पिता के मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग को दिया है। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, धैर्य और दृढ़ निश्चय ही सफलता की असली कुंजी है। उनकी इस उपलब्धि से युवाओं में नई प्रेरणा का संचार हुआ है।

डेढ़ करोड़ के एलपीजी घोटाले में भाजपा नेता के दामाद समेत 4 हिरासत में

महासमुंद में 6 कैप्सूल से करीब 90 टन एलपीजी गैस गबन का खुलासा, करोड़ों की अवैध बिक्री

महासमुंद। पंकज चंद्राकर समेत चार लोगों को पुलिस ने करीब 1.5 करोड़ रुपए से अधिक के एलपीजी घोटाले में हिरासत में लिया है। मामले में प्लांट मैनेजर, खाद्य अधिकारी और सहायक खाद्य अधिकारी की भूमिका भी सामने आई है। पंकज चंद्राकर भाजपा नेता के दामाद बताए जा रहे हैं।

पुलिस जांच के मुताबिक, मार्च के अंतिम सप्ताह से 6 अप्रैल 2026 के बीच सुनियोजित तरीके से एलपीजी की कालाबाजारी को अंजाम दिया गया। आरोप है कि खाद्य अधिकारी अजय यादव, सहायक खाद्य अधिकारी मनीष यादव, पंकज चंद्राकर और प्लांट मैनेजर निखिल वैष्णव ने मिलकर 6 गैस कैप्सूल अभनपुर स्थित ठाकुर पेट्रोकेमिकल को सौंपे थे। वहां कैप्सूल से गैस निकालकर अलग-अलग टैंकरों के जरिए बाजार में खपाई जांच में कैप्सूल वाहनों में लगे जीपीएस सिस्टम ने अहम सुराग दिए। पुलिस के अनुसार 31 मार्च को दो कैप्सूल, 1 अप्रैल को एक, 3 अप्रैल को एक और 5 अप्रैल को दो कैप्सूल से गैस निकाली गई। कुल 6 कैप्सूल से करीब 90 मीट्रिक टन एलपीजी अवैध रूप से खाली की गई।

जांच के दौरान जब्त दस्तावेजों में भी गंभीर अनियमितताएं मिलीं। रिकॉर्ड के मुताबिक अप्रैल में केवल 47 टन गैस खरीदी गई थी और शुरुआती स्टॉक शून्य था। इसके बावजूद 107 टन से ज्यादा गैस की बिक्री दर्ज की गई।

तेज रफ्तार कार ने ली तीन युवकों की जान

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से एक अत्यंत दुखद खबर सामने आई है। बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

यह हृदय विदारक घटना बालोद जिले के डौंडी ब्लॉक के ग्राम बरही के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर घटित हुई। बताया जा रहा है कि कार में सवार युवक किसी समारोह से लौट रहे थे, तभी यह अनहोनी घटना हुई। तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाना इस दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात के अंधेरे में और तेज गति के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा, जिसके परिणामस्वरूप यह भीषण दुर्घटना हुई।

तेंदूपत्ता तोड़ने वाले किसान परिवार के बेटे ने किया कमाल, UPSC IFS परीक्षा में मारी बाजी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के जंगलों से निकली एक प्रतिभा ने देश की सर्वोच्च सेवाओं में अपनी जगह बनाकर प्रदेश का नाम रोशन कर दिया है। रायगढ जिले के सम्बलपुरी ग्राम के एक साधारण तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के सुपुत्र अजय गुप्ता ने अपने अटूट संकल्प से भारतीय वन सेवा (आईएफएस) में चयनित होकर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की नहीं, बल्कि कड़े संघर्ष और सही मार्गदर्शन की मोहताज होती है। रायगढ़ के संबलपुरी गांव में तेंदूपत्ता और महुआ बीनने वाला अजय गुप्ता अब आईएफएस अधिकारी बन गया है। कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई करते हुए अजय ने पूरे देश में 91वीं रैंक हासिल की। अब वही जंगल, जो कभी परिवार की रोजी-रोटी था, उसकी जिम्मेदारी बनने जा रहा है। अजय गुप्ता ने 12वीं कक्षा में भी शानदार प्रदर्शन किया और इसके बाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में प्रवेश मिला। एनआईटी में पढ़ाई के दौरान भी उन्हें तीन वर्षों तक छात्रवृत्ति मिलती रही। अजय कहते हैं कि पहले सपने बहुत बड़े नहीं थे। लगता था कि हमारी दुनिया बस गांव तक सीमित है, लेकिन एनआईटी में एडमिशन लेने के बाद नजरिया बदल गया। पहली बार लगा कि मैं भी कुछ बड़ा कर सकता हूं। अजय कहते हैं कि जंगल उनके बचपन से ही जिंदगी का हिस्सा रहा है। जंगल ने उन्हें सिर्फ रोजगार नहीं दिया, बल्कि जीवन की दिशा भी दी। वह कहते हैं बचपन से मेरा जुड़ाव जंगल से रहा है। जंगल ने मुझे बहुत कुछ दिया है, बस्तर में काम करने के दौरान भी जंगल से रिश्ता और मजबूत हुआ।

नौकरी मिली, लेकिन मन कुछ और चाहता था

एनआईटी में पढ़ाई के दौरान ही अजय को कैंपस प्लेसमेंट मिला। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह बस्तर में काम कर रही संस्था 'प्रदान' से जुड़ गए। यहां उन्होंने आदिवासी समुदायों के बीच चार वर्षों तक काम किया। लाइवलीहुड, एग्रीकल्चर और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में काम करते हुए उन्होंने आदिवासियों के जीवन और जंगल के रिश्ते को बेहद करीब से समझा। बस्तर के अनुभवों ने उनके भीतर समाज और प्रकृति के लिए कुछ बड़ा करने की इच्छा को और मजबूत किया।

नौकरी छोड़ी और शुरू हुआ असली संघर्ष

साल 2021 में अजय ने बड़ा फैसला लिया। उन्होंने नौकरी छोड़ दी और [illegible] की तैयारी शुरू कर दी। यह रास्ता आसान नहीं था। उन्होंने चार बार मेन्स परीक्षा लिखी और तीन बार इंटरव्यू तक पहुंचे। हर बार मंज़िल सामने दिखती, लेकिन सफलता हाथ से फिसल जाती, लेकिन अजय ने हार नहीं मानी। क्योंकि संघर्ष उनके जीवन का हिस्सा पहले से था।

पहले IRS के लिए चुने गए

साल 2025 अजय गुप्ता की जिंदगी में नई करवट लेकर आया। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया 452वीं रैंक हासिल की और भारतीय राजस्व सेवा के लिए चयनित हुए। परिवार और गांव में खुशी का माहौल था, लेकिन इसके तुरंत बाद इंडियन फॉरेस्ट सर्विस परीक्षा का परिणाम भी आया। देशभर में 91वीं रैंक मिली। अब उनके सामने दो रास्ते थे, [illegible] या [illegible], लेकिन अजय के लिए फैसला मुश्किल नहीं था। उन्होंने भारतीय राजस्व सेवा की बजाय भारतीय वन सेवा को चुना। क्योंकि जंगल उनके लिए सिर्फ पेड़ नहीं थे, जिंदगी थे। अजय कहते हैं कि जंगल उनके बचपन से ही जिंदगी का हिस्सा रहा है। जंगल ने उन्हें सिर्फ रोजगार नहीं दिया, बल्कि जीवन की दिशा भी दी।

मजदूरों के शोषण के खिलाफ भिलाई स्टील प्लांट की संयुक्त यूनियन 12 को करेगी प्रदर्शन

भिलाई। संयुक्त ट्रेड यूनियन भिलाई की एक बैठक 9 मई 2026 को सीटू कार्यालय, सेक्टर 4, भिलाई में आयोजित की गई। बैठक में इंटक, सीटू, एटक,एसएमएस, ऐक्टू, लोइमू से संबंध श्रमिक संगठनों के सदस्यां ने हिस्सा लिया।

बैठक में केन्द्रीय श्रम संगठनों के आह्वान पर 12 मई 2026 को संघर्षरत श्रमिकों के साथ एकजुटता में राष्ट्रीय मांग दिवस के रूप में मनाने को लेकर बातचीत की गई। पिछले तीन महीनों मे उत्तरी व मध्य भारत के बड़े हिस्से मे संविदा व ठेका श्रमिकों के अमानवीय शोषण के खिलाफ औद्योगिक श्रमिकों का प्रतिरोध हो रहा है।इस्पात संयंत्र सुरक्षा बैठक में तय किया गया कि 12 मई 2026 को शाम 6:00 से 7:00 तक सेल परिवार चौक, सेक्टर 6,भिलाई में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर दुर्ग को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में 8 में 2026 को केंद्र सरकार द्वारा मजदूर विरोधी चारों लेबर कोट्स के केंद्रीय नियमावली अधिसूचित करने की निंदा की गई। बैठक में श्रमिक आंदोलन के खिलाफ सरकारों की दमनकारी नीति की भतर्सना की गई.बैठक में इस विरोध कार्यक्रम में आम जनता से अपना समर्थन देने की अपील किया गया। बैठक मे बृजेन्द्र तिवारी, पूरन वर्मा, विजय जागडे, विनोद कुमार सोनी, प्रमोद मिश्रा, शिव शंकर सिंह, हरिराम यादव, के. सुंदर, सुरेंद्र मोहंती, डीवीएस रेड्डी शामिल थे।

संपादकीय

मेट गाला : आम का आम, हीरों का दाम

डॉ मुकेश असीमित

ये भी एक तरह का मेला ही है जी... बस फर्क इतना है कि हमारे यहाँ 'मेला' में जलेबी, झूला और भुट्टा मिलता है, और वहाँ मेट गाला में हीरे, कैमरे और करोड़ों की नुमाइश। वैसे 'मेट' का 'मे' और 'गाला' का 'ला' जोड़ दीजिए तो गरीबों की औकात भर का 'मेला' ही बनता है। लेकिन रईसों का मेला साधारण नाम से कैसे चल सकता था! इसलिए उसमें अंग्रेज़ी, फैशन और डॉलर का घी डालकर उसे 'मेट गाला' बना दिया गया। हमने भी मेले देखे हैं,सर्कस के जोकर, बहुरूपिए, नकली राजा-महाराजा, नागिन डांस और चमत्कारी बाबा। बस वही सब थोड़ा महँगे संस्करण में यहाँ भी था। यहाँ करोड़ों खर्च करके खुद ही जोकर जैसा दिखना पड़ता है। यह फैशन का प्रदर्शन कम और आधी दुनिया की भूख-गरीबी का कलात्मक नंगा प्रदर्शन ज़्यादा लगता है। तभी तो अमीर लोग करोड़ों रुपये की टेबल बुक करके ऐसे कपड़े पहनते हैं जो सामान्यत: किसी गरीब को मजबूरी में नसीब होते हैं। कपड़े कम, अवधारणा ज़्यादा। फटेपन में भी 'आर्ट' खोज लेने की विलक्षण क्षमता सिर्फ संपन्न समाज में ही विकसित होती है। गरीब अगर फटा कपड़ा पहने तो दया आती है, अमीर पहने तो 'फैशन स्टेटमेंट' कहलाता है।

भारत से भी कई प्रतिनिधि गए। कोई मुंबई की पूरी इमारत शरीर पर टाँगकर पहुँचा, कोई राजा रवि वर्मा की पेंटिंग को केप बनाकर घूमता रहा, और हमारी ईशा जी... वे तो लगता है भारतीय अर्थव्यवस्था का वार्षिक बजट ही पहनकर पहुँच गईं। बताया गया कि उनकी साड़ी में सोने का धागा था, ब्लाउज़ में अठारह सौ कैरेट हीरे जड़े थे, और ऊपर से एक आम भी लटक रहा था। अब आम आदमी को इससे बड़ा भावनात्मक प्रतिनिधित्व और क्या चाहिए? देश में चाहे अस्सी करोड़ लोग सरकारी राशन पर जीवित हों, लेकिन संतोष रखिए कि उनका प्रतिनिधित्व मेट गाला में एक 'आम' ने कर दिया।

गनीमत रही कि 'आम आदमी' को प्रतीकात्मक रूप से चप्पल बनाकर नहीं पहन लिया गया।

वैसे वह आम भी कोई मोहल्ले के ठेले वाला दशहरी नहीं था। वह 'आर्ट पीस' था। बीस साल पुराना। सौ करोड़ का। बड़े लोगों की बड़ी बातें जी! उनका आम भी आम नहीं होता।

और जो ब्लाउज़ था... अरे मित्र ! वह ब्लाउज़ कम, नोटबंदी के बाद बचा हुआ राष्ट्रीय खजाना ज़्यादा लग रहा था। इतने हीरे जड़े थे कि अगर न्यूयॉर्क की बिजली चली जाती तो आधा शहर उसी की चमक से जगमगा उठता।

किसी पत्रकार ने पूछ ही लिया,

'ईशा जी, क्या आप इंडिया को रिप्रेज़ेंट कर रही हैं?'

उत्तर आया,

'नहीं जी, हम तो मम्मी के डिज़ाइनर ज्वेलरी बिज़नेस का अंतरराष्ट्रीय विज्ञापन करने आए हैं।'

उधर सोशल मीडिया पर विद्वानों की पंचायत बैठी हुई थी। कोई कह रहा था,

'इतना पैसा एजुकेशन और ट्रेनिंग पर लगाया, फिर भी लाइव इंटरव्यू में पूरा वाक्य नहीं बोल पाईं!'

लेकिन आप समझिए... वह वास्तव में आम आदमी का प्रतिनिधित्व कर रही थीं। आम आदमी भी कहाँ खुलकर बोल पाता है! वह भी श्वस्छ, टैक्स, गैस सिलेंडर और बॉस के डर के बीच आधे वाक्य में ही जीवन काट देता है।

खैर, अंबानी परिवार ने कम से कम विश्व मंच पर यह तो बता ही दिया कि भारत सिर्फ साँप-सपेरों और योग का देश नहीं रहा। अब हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिश्ते सुधारने निकले हैं। आनंद अंबानी की शादी में विदेशी सितारे बुलाए गए। कल को संभव है चाँद पर संगीत संध्या हो और मंगल ग्रह पर रिसेप्शन रखा जाए।

और होना भी चाहिए। भारत विश्वगुरु ऐसे ही थोड़े बनेगा!

एक तरफ देश में लोग सरकारी गेहूँ और मुफ्त राशन से जीवन चला रहे हैं, दूसरी तरफ हम दुनिया को बता रहे हैं कि हमारे यहाँ ब्लाउज़ भी दो सौ करोड़ का हो सकता है। यही तो विविधता है भारत की,एक आदमी प्याज के दाम पूछकर रोता है, दूसरा आम लटकाकर फैशन शो कर आता है। यह वही देश है जहाँ आम आदमी श्वस्छ भरते-भरते बूढ़ा हो जाता है और दूसरी तरफ लोग 'आर्ट' के नाम पर आम लटका कर करोड़ों का दर्शन करा आते हैं।

आप चिंता मत करिए... अगली बार यदि मेट गाला की थीम 'गरीबी हटाओ' हुई, तो संभव है कोई अरबपति फटे कुर्ते में पहुँचे, हाथ में खाली कटोरा ले और उसे भी 'सस्टेनेबल आर्ट' घोषित कर दिया जाए।

और हम भारतीय तब भी गर्व से कहेंगे,

'देखो... विश्व मंच पर फिर हमारा प्रतिनिधित्व हो रहा है!'

कांग्रेस और आंबेडकर का टकराव: सत्ता, समाज और समानता का संग्राम

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास केवल विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष की कथा नहीं है, बल्कि वह भारतीय समाज के भीतर चल रहे वैचारिक संघर्षों का भी इतिहास है। इसी संघर्ष के केंद्र में दो बड़े प्रश्न थे—राजनीतिक स्वतंत्रता और सामाजिक समानता। एक ओर कांग्रेस और गांधीवादी राजनीति राष्ट्रीय स्वतंत्रता को सर्वोच्च लक्ष्य मान रही थी, तो दूसरी ओर डॉ. भीमराव आंबेडकर यह चेतावनी दे रहे थे कि यदि भारतीय समाज के भीतर सदियों से मौजूद जातिगत अन्याय और सामाजिक विषमता को समाप्त नहीं किया गया, तो स्वतंत्रता केवल सत्ता परिवर्तन बनकर रह जाएगी। यही वह बिंदु था जहाँ से कांग्रेस, गांधी और आंबेडकर के बीच गहरे वैचारिक मतभेद उभरते हैं। इन मतभेदों को केवल राजनीतिक टकराव मानना इतिहास के साथ अन्याय होगा। वास्तव में यह भारत के भविष्य की दिशा को लेकर दो अलग दृष्टियों का संघर्ष था।

डॉ. आंबेडकर ने अपने सार्वजनिक जीवन के प्रारंभ से ही यह अनुभव किया था कि भारतीय समाज में दलित समुदाय केवल आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय स्तर पर भी अत्यंत अपमानजनक स्थिति में जीवन जी रहा है। उन्हें मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता था, सार्वजनिक कुओं से पानी लेने की अनुमति नहीं थी, शिक्षा और प्रशासन में अवसर लगभग नगण्य थे तथा सामाजिक व्यवहार में उन्हें मनुष्य तक नहीं माना जाता था। आंबेडकर का मानना था कि ऐसी स्थिति में केवल अंग्रेजों को हटाकर स्वराज प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं होगा। यदि समाज की संरचना नहीं बदलेगी, तो सत्ता केवल उच्च जातीय वर्गों के हाथों में चली जाएगी और दलितों की स्थिति में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं आएगा।

यही कारण था कि आंबेडकर कांग्रेस की राजनीति को लेकर प्रारंभ से ही संशय में रहे। कांग्रेस स्वयं को पूरे देश का प्रतिनिधि संगठन बताती थी, लेकिन आंबेडकर का आरोप था कि उसमें वास्तविक शक्ति मुख्यत: उच्च जातीय और संपन्न वर्गों के हाथों में केंद्रित है। उनके अनुसार कांग्रेस दलितों की समस्याओं को उतनी गंभीरता से नहीं देखती थी, जितनी आवश्यकता थी। आंबेडकर कई बार सार्वजनिक रूप से यह कहते थे कि कांग्रेस दलितों के प्रश्न को नैतिक सहानुभूति तक सीमित रखती है, जबकि आवश्यकता सामाजिक संरचना में मूलभूत परिवर्तन की है।

महात्मा गांधी और डॉ. आंबेडकर के बीच मतभेद इसी संदर्भ में सबसे अधिक स्पष्ट दिखाई देते हैं। गांधी अस्पृश्यता को पाप मानते थे और उन्होंने दलितों के उत्थान के लिए अनेक अभियान चलाए। उन्होंने उन्हें 'हरिजन' नाम दिया और समाज से उनके प्रति भेदभाव समाप्त करने की अपील की। लेकिन आंबेडकर इस दृष्टिकोण से संतुष्ट नहीं थे। उनका मानना था कि दलितों को दया या करुणा नहीं, बल्कि अधिकार चाहिए। वे सामाजिक परिवर्तन को नैतिक सुधार के बजाय राजनीतिक और संवैधानिक अधिकारों के माध्यम से स्थापित करना चाहते थे।

आंबेडकर को लगता था कि गांधी और कांग्रेस जाति व्यवस्था की जड़ों पर उतना कठोर प्रहार नहीं कर रहे, जितना आवश्यक है। गांधी वर्ण व्यवस्था को आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से पूरी तरह अस्वीकार नहीं करते थे, जबकि आंबेडकर जाति व्यवस्था को भारतीय समाज की सबसे बड़ी बुराई मानते थे। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध कृति 'जाति का विनाश' में स्पष्ट लिखा कि जब तक जाति व्यवस्था समाप्त नहीं होगी, तब तक सामाजिक लोकतंत्र संभव नहीं है। यही वह बिंदु था जहाँ गांधीवादी सुधारवाद और आंबेडकर की क्रांतिकारी सामाजिक दृष्टि के बीच गहरी दूरी दिखाई देती है।

कांग्रेस के भीतर जवाहरलाल नेहरू आधुनिकता, वैज्ञानिक सोच और लोकतांत्रिक संस्थाओं के सबसे प्रमुख समर्थकों में थे। नेहरू सामाजिक समानता के विरोधी नहीं थे। वे भी सामाजिक सुधार और आधुनिक भारत के निर्माण की बात करते थे। लेकिन उनकी प्राथमिकता राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना और आर्थिक विकास पर अधिक केंद्रित थी। नेहरू को लगता था कि औद्योगिकीकरण, शिक्षा और लोकतंत्र के विस्तार के साथ सामाजिक असमानताएँ धीरे-धीरे कम हो जाएँगी। दूसरी ओर आंबेडकर मानते थे कि जाति जैसी गहरी सामाजिक संरचना केवल आर्थिक विकास से समाप्त नहीं होगी। इसके लिए विशेष संवैधानिक संरक्षण, आरक्षण और कठोर सामाजिक सुधार आवश्यक हैं। यहीं से नेहरू और आंबेडकर के बीच अप्रत्यक्ष वैचारिक दूरी भी उभरती है। नेहरू कांग्रेस की मुख्यधारा के नेता थे और कांग्रेस की राजनीति राष्ट्रीय आंदोलन की केंद्रीय शक्ति थी। आंबेडकर स्वयं को उस मुख्यधारा से अलग रखते हुए दलित समुदाय की स्वतंत्र राजनीतिक आवाज़ बनाना चाहते थे। वे नहीं चाहते थे कि दलित नेतृत्व कांग्रेस के भीतर विलीन होकर अपनी स्वतंत्रता खो दे। यही कारण था कि उन्होंने स्वतंत्र राजनीतिक संगठन बनाए और दलितों के लिए पृथक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग की।

पृथक निर्वाचक मंडल का प्रश्न भारतीय राजनीति के सबसे विवादास्पद विषयों में से एक बन गया। आंबेडकर का तर्क था कि यदि दलित समुदाय को अपनी पसंद के प्रतिनिधि चुनने का अधिकार नहीं मिलेगा, तो उच्च जातीय बहुमत उनके वास्तविक नेताओं को कभी आगे नहीं आने देगा। गांधी ने इसका विरोध किया क्योंकि उन्हें लगा कि इससे हिंदू समाज स्थायी रूप से विभाजित हो जाएगा। अंतत: पूना समझौते के बाद पृथक निर्वाचक मंडल का विचार समाप्त हुआ, लेकिन इस संघर्ष ने आंबेडकर और कांग्रेस नेतृत्व के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया।

आंबेडकर का एक बड़ा आरोप यह भी था कि कांग्रेस दलितों के प्रश्न को चुनावी और प्रतीकात्मक रूप में प्रस्तुत करती है। उनके अनुसार कांग्रेस के कई नेता सार्वजनिक मंचों पर दलितों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते थे, लेकिन सामाजिक व्यवहार और संगठनात्मक संरचना में वास्तविक परिवर्तन दिखाई नहीं देता था। आंबेडकर बार-बार यह कहते थे कि यदि समाज की मानसिकता नहीं बदली और दलितों को शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक शक्ति में वास्तविक भागीदारी नहीं मिली, तो स्वतंत्र भारत में भी समानता केवल एक आदर्श बनकर रह जाएगी।

नेहरू और आंबेडकर के बीच मतभेदों का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि दोनों लोकतंत्र को अलग दृष्टि से देखते थे। नेहरू संसदीय लोकतंत्र और संस्थागत स्थिरता को अत्यधिक महत्व देते थे। वे भारत को एक आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष और वैज्ञानिक राष्ट्र के रूप में विकसित करना चाहते थे। आंबेडकर भी लोकतंत्र के समर्थक थे, लेकिन उनके लिए लोकतंत्र केवल चुनाव और संसद तक सीमित नहीं था। वे सामाजिक लोकतंत्र की बात करते थे। उनका प्रसिद्ध कथन था कि राजनीतिक लोकतंत्र तब तक स्थिर नहीं रह सकता, जब तक समाज में सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र स्थापित न हो जाए।

आंबेडकर को भय था कि यदि जातिगत असमानता बनी रही, तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बन जाएगा और सामाजिक रूप से शक्तिशाली वर्ग ही सत्ता पर नियंत्रण बनाए रखेंगे। इसलिए उन्होंने संविधान में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण तथा विशेष संरक्षण का प्रावधान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नेहरू इन प्रावधानों के विरोधी नहीं थे, लेकिन वे लंबे समय तक जाति आधारित राजनीति को लेकर सावधान भी रहे। उन्हें चिंता थी कि अत्यधिक जातीय पहचान राजनीति राष्ट्रीय एकता को प्रभावित कर सकती है।स्वतंत्र भारत के प्रारंभिक वर्षों में यह वैचारिक अंतर और स्पष्ट दिखाई देता है। नेहरू की सरकार राष्ट्र निर्माण, पंचवर्षीय योजनाओं, सार्वजनिक उपक्रमों और लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास पर केंद्रित थी। दूसरी ओर आंबेडकर बार-बार सामाजिक सुधारों की धीमी गति पर चिंता व्यक्त कर रहे थे। हिंदू कोड विधेयक को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस तनाव को और बढ़ा दिया। आंबेडकर महिलाओं को संपत्ति और विवाह संबंधी अधिकार देने वाले इस विधेयक को सामाजिक क्रांति का आधार मानते थे। लेकिन संसद और कांग्रेस के भीतर विरोध के कारण इसे तत्काल पारित नहीं कराया जा सका। आंबेडकर को लगा कि सरकार सामाजिक सुधारों के प्रश्न पर पर्याप्त दृढ़ता नहीं दिखा रही। अंतत: उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया।

यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि मतभेदों के बावजूद नेहरू और आंबेडकर दोनों एक-दूसरे की बौद्धिक क्षमता का सम्मान करते थे। नेहरू जानते थे कि संविधान निर्माण में आंबेडकर की भूमिका असाधारण है। दूसरी ओर आंबेडकर भी नेहरू की आधुनिक दृष्टि और लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता से परिचित थे। लेकिन दोनों की प्राथमिकताएँ अलग थीं। नेहरू राष्ट्र निर्माण को व्यापक राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से देख रहे थे, जबकि आंबेडकर सामाजिक न्याय को राष्ट्र निर्माण का मूल आधार मानते थे।

आज जब भारतीय लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समानता पर चर्चा होती है, तब यह वैचारिक बहस और अधिक प्रासंगिक हो जाती है। आंबेडकर की चेतावनी थी कि यदि समाज में समानता नहीं आई, तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। वहीं नेहरू का विश्वास था कि लोकतांत्रिक संस्थाएँ और आधुनिक विकास भारत को आगे ले जाएंगे। भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक यात्रा इन दोनों दृष्टियों के बीच संतुलन खोजने की यात्रा रही है। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि आंबेडकर का कांग्रेस और गांधीवादी राजनीति से संघर्ष किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का परिणाम नहीं था। वह भारतीय समाज की उस पीड़ा से उत्पन्न हुआ था जिसे उन्होंने स्वयं भोगा था। वे जानते थे कि राजनीतिक स्वतंत्रता का उत्सव उन लोगों के लिए अधूरा रहेगा जिन्हें समाज अब भी बराबरी का दर्जा देने को तैयार नहीं है। इसी कारण उन्होंने सामाजिक क्रांति को राष्ट्रीय स्वतंत्रता जितना ही महत्वपूर्ण माना।

आज स्वतंत्र भारत में संविधान, आरक्षण, मौलिक अधिकार और सामाजिक न्याय की जो व्यवस्था दिखाई देती है, उसमें आंबेडकर की चेतना और संघर्ष की गहरी छाप है। वहीं लोकतांत्रिक संस्थाओं, संसदीय व्यवस्था और आधुनिक राष्ट्र की अवधारणा में नेहरू की दृष्टि स्पष्ट दिखाई देती है। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि उसने इन दोनों धाराओं को अपने भीतर समाहित किया। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि आंबेडकर और कांग्रेस के बीच जो वैचारिक संघर्ष था, उसने भारत को अपने समाज के सबसे कठिन प्रश्नों से सामना करने के लिए विवश किया। यही उस बहस का सबसे बड़ा ऐतिहासिक महत्व है।

डॉ. शैलेश शुक्ला

हिंदुत्व, जाति और बंगाल का भविष्य

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में वर्ष 2026 केवल एक चुनावी वर्ष नहीं बल्कि एक ऐसी निर्णायक ऐतिहासिक घटना बनकर उभरा है जिसने पूरे देश की राजनीति को नए ढंग से सोचने पर विवश कर दिया है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं रहा। इसके भीतर सांस्कृतिक अस्मिता, धार्मिक चेतना, राजनीतिक हिंसा, जातीय समीकरण, सामाजिक न्याय और वैचारिक संघर्ष के अनेक स्तर एक साथ दिखाई दिए। यही कारण है कि इस चुनाव को केवल भाजपा की विजय या तृणमूल कांग्रेस की पराजय कह देना उसकी व्यापकता को सीमित कर देना होगा। यह चुनाव उस लंबे सामाजिक और मानसिक संघर्ष का परिणाम था जो वर्षों से बंगाल के भीतर धीरे धीरे आकार ले रहा था।

2026 के विधानसभा चुनाव में कुल 91.46 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। कुछ चरणों में मतदान का प्रतिशत 92 तक पहुँचा। यह केवल चुनावी उत्साह का संकेत नहीं था बल्कि जनता के भीतर जमा असंतोष, भय, गुस्से और परिवर्तन की इच्छा का भी स्पष्ट प्रमाण था। 294 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया जबकि तृणमूल कांग्रेस लगभग 80 सीटों तक सीमित रह गई। 2016 में भाजपा के पास केवल 3 सीटें थीं। 2021 में यह संख्या 77 तक पहुँची और 2026 में यह 207 हो गई। यह परिवर्तन अचानक नहीं था बल्कि एक लंबे सामाजिक और राजनीतिक विस्तार का परिणाम था।

बंगाल लंबे समय तक वामपंथी राजनीति का गढ़ रहा। 1977 से 2011 तक 34 वर्षों तक वाममोर्चा ने यहाँ शासन किया। उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने 15 वर्षों तक सत्ता संभाली। इस पूरी अवधि में भाजपा को बंगाल की राजनीति में कभी गंभीर शक्ति नहीं माना गया। बंगाल की बौद्धिक परंपरा, साहित्यिक संस्कृति और धर्मनिरपेक्ष छवि को देखते हुए यह माना जाता था कि यहाँ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की राजनीति कभी व्यापक जनाधार नहीं बना पाएगी। लेकिन 2026 ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया।

इस परिवर्तन की जड़ें केवल चुनावी रणनीति में नहीं बल्कि उन घटनाओं में थीं जिन्होंने बंगाल के समाज को भीतर तक प्रभावित किया। संदेशखाली की घटनाएँ, राजनीतिक हिंसा, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, धार्मिक नारों को लेकर टकराव और अनेक स्थानों पर उत्पन्न असुरक्षा की भावना ने समाज के बड़े हिस्से को मानसिक रूप से बदल दिया। 2021 के चुनावों के दौरान 85 वर्षीय शोभा मजूमदार की मृत्यु को भाजपा और उसके समर्थकों ने राजनीतिक हिंसा के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या, हमले और पलायन की घटनाओं ने यह धारणा मजबूत की कि राज्य में लोकतांत्रिक असहमति के लिए स्थान सीमित होता जा रहा है।

इसी बीच धार्मिक पहचान का प्रश्न भी लगातार मजबूत होता गया। जय श्री राम का नारा केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहा बल्कि राजनीतिक प्रतिरोध का प्रतीक बन गया। भाजपा ने इसे सांस्कृतिक स्वाभिमान से जोड़कर प्रस्तुत किया। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस पर लंबे समय से तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगता रहा। 2026-27 के बजट में अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा के लिए लगभग 5713 करोड़ रुपये के आवंटन ने इस बहस को और तीखा कर दिया। भाजपा समर्थकों ने इसे हिंदू समाज की उपेक्षा और वोट बैंक की राजनीति का प्रमाण बताया। राजनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह रहा कि भाजपा को केवल शहरी या उच्च वर्गीय समर्थन नहीं मिला। अनुसूचित जाति और जनजाति की आरक्षित सीटों में भाजपा ने भारी सफलता प्राप्त की। 84 आरक्षित सीटों में से 67 पर विजय ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्गों का एक बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर आकर्षित हुआ। यही वह बिंदु है जहाँ बंगाल की राजनीति एक नए वैचारिक मोड़ पर पहुँचती दिखाई देती है।भाजपा ने लंबे समय तक हिंदू एकता की राजनीति की। चुनाव प्रचार के दौरान जातीय पहचान की तुलना में धार्मिक पहचान अधिक प्रभावी दिखाई दी। लेकिन चुनाव परिणाम आने के बाद जिस प्रकार सामाजिक अभियान्त्रिकी की चर्चाएँ सामने आने लगीं, उससे नए विवाद पैदा हुए। कुछ विचारकों और रणनीतिकारों ने यह तर्क देना शुरू किया कि बंगाल में सवर्ण और मुसलमानों का एक ऐतिहासिक गठबंधन रहा जिसने दलितों और पिछड़ों को सत्ता से दूर रखा। इस प्रकार की व्याख्या ने भाजपा समर्थक सवर्ण वर्ग के भीतर असहजता पैदा की।

– महेन्द्र तिवारी

बोध कथा

आपके विचार ही आपका संसार है

मला चार दिन से बीमार थी। न उसे भूख रही, न प्यास। नींद भी न रही। अच्छी भली थी, सेहत भी ठीक थी, चार दिन में ही सूख गई। रंग भी काला पड़ गया था। कितने वैद्य आए, पर उसकी बीमारी का कारण नहीं ढूंढ पाए। माता पिता भी चिंता में मरे जा रहे थे। बात यह थी कि अगले ही महीने विमला का विवाह होने वाला था। नदी पार के गांव के ही एक लड़के से विवाह तय हुआ था। भय यह था कि यदि ससुराल पक्ष में इसकी बीमारी की सूचना पहुंच गई, तो कहीं वे विवाह से ही इंकार न कर दें। आज सुबह गुरुजी आए। माता-पिता चरणों में पड़ गए और रोने लगे। गुरुजी ने सांत्वना दी। कहा- चिंता मत करो! सब ठीक हो जाएगा। मुझे यह बताओ कि जिस दिन ये बीमार हुई, उस दिन हुआ क्या था? माता ने बताया- उस दिन शाम को यह अपनी सहेली सरला के साथ छत पर खेल रही थी। जब नीचे आई तो चेहरा उतरा हुआ था। बस तभी से बीमार है। गुरुजी ने सरला को बुलाकर पूछा कि छत पर कुछ हुआ था क्या? सरला बोली- हां गुरुजी! जब हम खेल रहे थे, तब सामने नदी के उस पार बहुत से ऊंटों का काफिला जा रहा था। उन सब पर बहुत सी रूई लदी थी। इसने पूछा कि ये इतनी रूई कहां जा रही है? मैंने मजाक में कह दिया कि तेरी ससुराल। इसने पूछा कि वे इतनी रूई का क्या करेंगे? तो मैंने कह दिया कि तुझसे धागा कतवाएंगे। बस यही बात है। ओह! तो यह बात है। कहते हुए, गुरुजी ने सरला के कान में कुछ कहा और चले गए। अगले दिन सरला विमला के पास आकर बैठ गई। उधर गुरुजी ने नदी पार बहुत से पत्तों के ढेर में आग लगवा दी। जब आकाश में धुआं ही धुआं हो गया, तब सरला बोली- विमला! विमला! देख! तेरे ससुर के रूई के गोदाम में आग लग गई। सारी रूई जल कर राख हो गई। विमला ने खिड़की से बाहर झांका और वो धुआं देखा, तो उसने लंबी सांस ली और ठीक हो गई। एक विचार से रोग हो गया, एक विचार उपचार बन गया, यही विचार का बल है। कील पर लटका कोट भूत बन जाता है, रस्सी सांप बन जाती है, स्वप्न का शेर बिस्तर गीला कर देता है।

व्यंग्य केसरी

जनरल डब्बे की यात्रा

जगदीश पाठक

रिजर्वेशन वालों के लिए रेल यात्रा मजेदार और सुखद होती है। लेकिन जनरल डिब्बे की भीड़ भाड़ में यात्रा कर रहे यात्रियों के लिए क्या सुखद और क्या दुखद? गंतव्य तक किसी भांति पहुंच जाएं, यही बहुत है। मैं एक दोस्त की बारात में जा रहा था। रिजर्वेशन मिला नहीं था और दोस्त मुहुर्त टालना नहीं चाहता था, क्योंकि उसकी शादी काफी नकारे जाने के बाद बड़ी मुश्किल से लगी थी। सो जनरल डब्बे में ठुंसी हुई यात्रा की विवशता थी। प्लेटफार्म पर ट्रेन आई। जनरल डब्बे में घुसने के लिए भीड़ का संघर्ष देखने योग्य था--

अबे--अबे!

अरे --हट!!

जे कोन की अटैची आए बे?

अरे मार डरो रे! का भरो है बे अटेची में ? खुपड़िया फोर दई!

'सगरी गाड़ी खरीद लई है का?

'मोड़ी सें बोलो,जे आउच फाउच खों गोली मारे और घुसबे की कोसिस करे।'

'हम जा कै रए, दद्दा खों खिरकिया सें घुसा दें का?

दद्दा को खिड़की से घुसाने के प्रयास के दौरान भीतर कोई यात्री चीखा --' जा बोरा घुसाबे को कोन तरीका है बे?

कोई बोला --'बोरा नईयां भज्जा, कोई डुकरा खिरकी सें न्यां भेजो जा रओ है !'

अनायास डब्बे की भीड़ में धक्के की एक लहर उठी। गेट पर खड़े कई लोग गिरते गिरते बचे।

'कोन धकेल रओ बे!?

'कोई दूल्हा आए यार। वाकी पगड़ी गिर गई है, बोई उठा रओ है।'

'उठामें दो भज्जा, बिचारा शादी कराबे के लाने जा रओ है।

उधर दद्दा को किसी तरह ठूंसकर ऊपर बिठा दिया गया था।

वे चिंतित थे। दूल्हे से बोले --'एकई पगड़ी आए। संभालियो। जेई से हम बोलत हते कि उतारकें झोरा में रखलेओ, लेकिन आजकल के मोड़ा, बात सुनें तब न? उते गरामों फोन गाना बजात हुईए कि सज के आमेंगे दूल्हे राजा और इते सारे दूल्हा बागत फिरत है।'

आंखें खुली रहें तो जनरल डब्बे की यात्रा भी मजेदार होती है।

इतिहास

11 मई साल का 131वां दिन है और इतिहास में इस दिन के नाम पर बहुत सी घटनाएं दर्ज हैं। वर्ष 2000 में 11 मई के ही दिन भारत की आबादी ने एक अरब का आंकड़ा छू लिया, जब नई दिल्ली में जन्मी एक बच्ची को देश का एक अरबवां नागरिक करार दिया गया। यह दिन देश के इतिहास में एक और खास घटना के साथ दर्ज है। 11 मई 1998 को भारत सरकार ने पोकरण में सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण करने का ऐलान किया था। देश दुनिया के इतिहास में 11 मई की तारीख पर दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्योरा इस प्रकार है...

1752: अमेरिका के फिलाडेल्फिया में अग्नि बीमा पालिसी की शुरुआत की गई।

पश्चिमी देशों की टेक्नोलॉजी चीन की एनईवी ताकत को कर सकती है कमजोर : रिपोर्ट

नई दिल्ली। चीन इस समय न्यू एनर्जी व्हीकल (एनईवी) यानी इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए जरूरी क्रिटिकल मिनरल्स पर अपनी पकड़ का फायदा उठाकर भू-राजनीतिक बढ़त लेने की कोशिश कर रहा है। उसकी ताकत इस बात में है कि वह वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित या बाधित कर सकता है।

द डिप्लोमैट में छपे एक लेख के मुताबिक, आने वाले समय में यह बढ़त खत्म हो सकती है, क्योंकि पश्चिमी देशों में नई तकनीकों पर बहुत तेजी से काम हो रहा है। अमेरिका की टेक कंपनी टेस्ला जैसी कंपनियां नई बैटरी टेक्नोलॉजी और ड्राइवरलेस गाड़ियों में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। लेख में कहा गया है कि चीन के पास फिलहाल सिर्फ एनईवी इंडस्ट्री ऐसा बड़ा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर है, जिसमें उसके पास दुनिया में आगे निकलने और लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी बने रहने की असली संभावना है। दूसरी तरफ, सेमीकंडक्टर या रोबोटिक्स जैसे सेक्टर भले ही प्रतिष्ठित हों और उम्मीद जगाते हों, लेकिन इन क्षेत्रों में चीन अभी भी

अंतरराष्ट्रीय स्तर से काफी पीछे है।

हालांकि, चीन का एनईवी सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन पश्चिमी देशों की नई तकनीकी प्रगति ऐसे बदलाव ला रही है, जो मौजूदा एनईवी सप्लाई चेन को बेकार बना सकती है। लेख में कहा गया है कि नई बैटरी तकनीकें तय करेंगी कि भविष्य के अपग्रेडेड बाजार पर किसका कब्जा होगा।

इसके अलावा, इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट को लेकर भी मुकाबला चल रहा है। पहले चीनी मैन्युफैक्चरिंग को लागत के मामले में बढ़त हासिल थी, लेकिन टेस?ला अपनी हाई-डेंसिटी प्रोडक्शन लाइनों के जरिए लागत कम कर रही है। इससे वह चीन की एनईवी मैन्युफैक्चरिंग को कड़ी टक्कर दे सकती है।

साथ ही टेस्ला ड्राइवरलेस वाहन तकनीक में भी काफी आगे है, जिसे लेख में 'क्रांतिकारी बदलाव' बताया गया है। इन तीन तकनीकी प्रगतियों को ऐसे बदलाव माना जा रहा है, जो चीन की मौजूदा सप्लाई चेन रणनीति को कमजोर या अप्रभावी बना सकते हैं।

लेख के अनुसाार, औसतन औद्योगिक चक्रों को देखते हुए हमारा अनुमान है कि चीन के पास सिर्फ तीन से पांच साल का समय है। सप्लाई चेन के कुछ खास हिस्सों में चीन को जो बढ़त अभी मिली हुई है, वह इस अवधि में कम हो सकती है। अगर चीन लगातार बड़े और असरदार तकनीकी बदलाव नहीं कर पाया, तो उसके लिए यह मौका बहुत सीमित समय तक ही रहेगा।

भारत का निजी पूंजीगत खर्च 67 प्रतिशत बढ़कर 7.7 लाख करोड़ रुपए हुआ: सीआईआई

नई दिल्ली। भारत का निजी पूंजीगत खर्च सितंबर 2025 में सालाना आधार पर 67 प्रतिशत बढ़कर 7.7 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह देश के निवेश साइकिल में पिछले एक दशक में सबसे मजबूत रिकवरी है। यह जानकारी भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को दी।

सीआईआई के मुताबिक, इससे पहले सितंबर 2024 में पूंजीगत खर्च 4.6 लाख करोड़ रुपए था।

सीआईआई द्वारा सीएमआईई प्रॉवेस डेटाबेस से लगभग 1,200 कंपनियों के विश्लेषण से पता चला कि इसमें विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा 3.8 लाख करोड़ रुपए था, जो कुल निजी निवेश का लगभग आधा है। इसमें धातु, ऑटोमोबाइल और रसायन जैसे क्षेत्रों का योगदान सबसे अधिक रहा। सेवा क्षेत्र का योगदान 3.1 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें व्यापार, संचार और आईटी/आईटीईएस उद्योगों का योगदान सबसे अधिक रहा।

कई इंडिकेटर्स भी यह इशारा कर रहे हैं कि देश में निवेश गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में विनिर्माण कंपनियों की क्षमता उपयोग दर

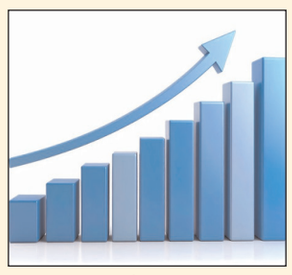

पिछली तिमाही के 74.3 प्रतिशत से बढ़कर 75.6 प्रतिशत हो गई, जबकि नए ऑर्डर में वार्षिक आधार पर 10.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंक ऋण वृद्धि में भी तेज उछाल आया, जो वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में औसतन लगभग 14 प्रतिशत रहा, जबकि पहली छमाही में यह लगभग 10 प्रतिशत था।चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि निजी पूंजीगत व्यय में तीव्र वृद्धि इस बात का सबसे स्पष्ट संकेत है कि भारत का निवेश चक्र निर्णायक रूप से बदल गया है।

उन्होंने कहा, 'निजी पूंजीगत व्यय में 67 प्रतिशत की वृद्धि होकर 7.7 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचना, निस्संदेह, इस बात का सबसे महत्वपूर्ण संकेत है कि भारत का निवेश चक्र निर्णायक रूप से बदल गया है।पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के मद्देनजर, सीआईआई ने आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने और विकास की गति को बनाए रखने के उद्देश्य से पांच सूत्री उद्योग कार्य योजना का भी अनावरण किया। प्रस्तावों में कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता आने पर छह से नौ महीनों में पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क कटौती को चरणबद्ध तरीके से वापस लेना, साथ ही अगले दो तिमाहियों में ईंधन और बिजली की खपत में 3 से 5 प्रतिशत की कमी लाने के उद्देश्य से एक स्वैच्छिक उद्योग-नेतृत्व वाली ऊर्जा संरक्षण पहल शामिल है।सीआईआई ने अस्थिर वैश्विक परिवेश में लघु व्यवसायों के कार्यशील पूंजी संकट को कम करने के लिए टीआरडीएस प्लेटफॉर्म और आपूर्ति श्रृंखला वित्त तंत्र द्वारा समर्थित 45-दिवसीय एमएसई भुगतान गारंटी का भी प्रस्ताव रखा। चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, पूंजीगत खर्च में बदलाव का पूरा श्रेय सरकार को जाता है। अब उद्योग को अनुकूल नीतिगत माहौल को अधिक निवेश, रोजगार, निर्यात और मूल्यवर्धन में परिवर्तित करना होगा।

भारत में अन्य देशों की अपेक्षा न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता कम, सरकार के प्रयासों से विस्तार को मिलेगा बढ़ावा : रिपोर्ट

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि देश में रिन्यूएबल एनर्जी में न्यूक्लियर एनर्जी एक रणनीतिक महत्व रखती है, जो जीवाश्म ईंधन की कीमतों में अस्थिरता से प्रभावित हुए बिना स्थिर, कम कार्बन उत्सर्जन वाली ऊर्जा प्रदान कर सकती है।

साथ ही कहा कि भारत में न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता 8.2 गीगावाट की है और कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता में इसकी हिस्सेदारी करीब 2 प्रतिशत और जेनरेशन में 3 प्रतिशत के आसपास की है। यह अन्य देशों की अपेक्षा कम है और सरकार के न्यूक्लियर एनर्जी क्षेत्र में प्रयासों से विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

रिपोर्ट में बताया गया कि सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 32 तक 22 गीगावाट न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता हासिल करना है, जिसका दीर्घकालिक लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट है। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के डिजाइन, विकास और

स्थापित करने के लिए 200 अरब रुपए आवंटित करने वाले एक समर्पित न्यूक्लियर एनर्जी मिशन की घोषणा, अधिक लचीली, विस्तार योग्य और संभावित रूप से निजी क्षेत्र के अनुकूल परमाणु तैनाती की दिशा में एक बदलाव का संकेत देती है।

शांति फ्रेमवर्क के तहत प्रस्तावित सुधारों सहित समानांतर विधायी प्रयासों का उद्देश्य नियामक वातावरण का आधुनिकीकरण करना और नियामक निगरानी के तहत निजी भागीदारी को बढ़ाना है।

रिपोर्ट में मॉर्गन स्टेनली ने कहा, 'हमारा मानना ?ै कि इस रणनीति की सफलता क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी, विशेष रूप से वित्तपोषण, नियामक सुधार और आपूर्ति श्रृंखला विकास में। क्षमता विस्तार को आकार देने में वैश्विक साझेदारियां महत्वपूर्ण बनी रहेंगी।'

विभिन्न देशों में, कनाडा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि वह एक नए दीर्घकालिक समझौते के तहत भारत को यूरेनियम की आपूर्ति कर रहा है। भारत की परमाणु यात्रा में अमेरिका की भूमिका ईंधन-केंद्रित होने के बजाय अधिक संभावित और प्रौद्योगिकी-केंद्रित है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-भारत नागरिक परमाणु ढांचा महत्वपूर्ण बना हुआ है, और हमारा मानना ?ै कि एसएमआर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यापक वाणिज्यिक हितों से संबंधित हालिया कदम बताते हैं कि यदि देयता और नियामक सुधार लागू होते हैं, तो रिएक्टर प्रौद्योगिकी, उपकरण और परियोजना भागीदारी में अमेरिका अधिक प्रासंगिक हो सकता है।

भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केट कैप एक लाख करोड़ रुपए से अधिक घटा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केटकैप 8 मई को समाप्त हुए हफ्ते में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक घट गया है। इस दौरान सरकारी बैंक एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट आई है।

हफ्ते के दौरान, सेंसेक्स 414.69 अंक या 0.53 प्रतिशत और निफ्टी 178.6 अंक या 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

एसबीआई के अलावा टीसीएस, एलएंडटी और भारतीय एयरटेल के मार्केटकैप में भी कमी देखने को मिली है। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई है।

एसबीआई के बाजार मूल्य में

सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई, जो 44,722.34 करोड़ रुपए घटकर 9,41,107.62 करोड़ रुपए रह गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 31,167.1 करोड़ रुपए घटकर 11,18,055.03 करोड़ रुपए हो गया।

टीसीएस का मूल्यांकन 28,456.26 करोड़ रुपए घटकर 8,66,477.69 करोड़ रुपए रह गया, जबकि लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का बाजार पूंजीकरण 5,371.84 करोड़ रुपए घटकर 5,46,621.21 करोड़ रुपए हो गया।

दूसरी तरफ एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 15,425.09 करोड़ रुपए बढ़कर 12,02,699.26 करोड़ रुपए हो गया। बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में 11,486.89 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 5,94,610.02 करोड़ रुपए हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 8,763.97 करोड़ रुपए बढ़कर 5,37,562.98 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एलआईसी का मूल्यांकन 2,751.37 करोड़ रुपए बढ़कर 5,07,549.44 करोड़ रुपए हो गया। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्यांकन में भी 1,694.61 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे इसका मार्केटकैप 9,06,675.39 करोड़ रुपए हो गया।भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। तिमाही नतीजे, अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की कीमतें शेयर बाजार का रुझान तय करेंगी। 11-15 मई के कारोबारी सत्र में एबॉट इंडिया, अनंतराज, केनरा बैंक, डीबी कॉर्प, जीआर इन्फ्रा, इंडियन होटल, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, यूपीएल, डिक्सन, एमटीएआर टेक, टाटा पावर, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस और पीएफसी समेत 400 से ज्यादा कंपनियां वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के सीईओ अमित चड्ढा का वेतन वित्त वर्ष 26 में 17.4 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर अमित चड्ढा को वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी द्वारा 14.96 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। इसमें पिछले साल के मुकाबले 17.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह जानकारी कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि चड्ढा के वेतन पैकेज में 5.77 करोड़ रुपए का मूल वेतन, 2.62 करोड़ रुपए का कमीशन और 1.68 करोड़ रुपए का वेरिएबल भुगतान शामिल था।

उन्हें पिछले वर्षों में स्वीकृत एम्प्लॉयी स्टॉक ओनरशिप प्लान (ईएसओपी) के उपयोग से जुड़े 4.88 करोड़ रुपए के भत्ते भी प्राप्त हुए।

एलटीटीएस ने कहा है कि यह भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया है और घोषित राशि भारतीय रुपए में इसके समतुल्य मूल्य को दर्शाती है।

कुल वेतन में गिरावट के बावजूद, चड्ढा का वेतन कंपनी के कर्मचारियों के औसत वेतन से काफी अधिक रहा।

वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि उनका वेतन एलटीटीएस कर्मचारियों के औसत वेतन से 147.63 गुना अधिक था।

31 मार्च, 2026 तक एलटीटीएस के कर्मचारियों का औसत वेतन 10.1 लाख रुपए था, जो वित्तीय वर्ष के दौरान 3.91 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।इस बीच, एलटीटीएस के मुख्य वित्तीय अधिकारी राजीव गुप्ता को वित्त वर्ष 2026 में 3.83 करोड़ रुपए का कुल वेतन मिला, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 3.6 प्रतिशत कम था।

एलटीटीएस ने वित्त वर्ष 2026 की जनवरी-मार्च तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में 6.75 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की, जो 332 करोड़ रुपए रहा। इस तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 8.3 प्रतिशत बढ़कर 2,857.9 करोड़ रुपए हो गया।

31 मार्च, 2026 को समाप्त हुए पूरे वित्तीय वर्ष के लिए, कंपनी ने 1,279.2 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2025 में दर्ज 1,266.7 करोड़ रुपए से मामूली रूप से 0.98 प्रतिशत अधिक है।

वर्ष के लिए परिचालन से राजस्व 14 प्रतिशत बढ़कर 10,995.9 करोड़ रुपए हो गया।

कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026 में उसके बड़े सौदों की बुकिंग 850 मिलियन डॉलर से अधिक हो गई। वित्तीय वर्ष के अंत में एलटीटीएस के कर्मचारियों की संख्या 23,830 थी।

भारत दुनिया का ग्रोथ इंजन, उभरते हुए ब्रांड्स के साथ कर रहे काम : वॉलमार्ट

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के अध्यक्ष और सीईओ जॉन फर्नेर ने रविवार को भारतीय कारोबारी जगत के लीडर्स के एक समूह से मुलाकात की, जो कि हाई ग्रोथ और डिजिटल फर्स्ट कंज्यूमर ब्रांड बना रहे हैं। यह दिखाता है कि ग्लोबल कंज्यूमर और डिजिटस कॉमर्स में भारत का दबदबा लगातार बढ़ रहा है।

इस बैठक में सौंदर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल, खाद्य एवं पेय पदार्थ, जीवनशैली एवं परिधान, सुगंध एवं पालतू पशु देखभाल जैसे क्षेत्रों के संस्थापकों ने वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट के लीडर्स के साथ डिजिटल चैनलों के माध्यम से कारोबार बढ़ाने और वैश्विक बाजारों में विस्तार करने पर चर्चा की। यह बैठक भारत के उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ताओं के लिए नए ब्रांड बनाने की दिशा में काम कर रहे उभरते ब्रांडों का सपोर्ट करने पर वॉलमार्ट के फोकस को दिखाती है।

फर्नेर ने कहा, 'भारत में उपभोक्ता ब्रांड स्थापित करने वाले संस्थापकों के साथ समय बिताना बेहद प्रेरणादायक रहा। उनकी सबसे खास बात यह है कि वे भारत और विश्व दोनों के लिए काम करने की महत्वाकांक्षा रखते हैं, और गुणवत्ता, इनोवेशन और ग्राहक अनुभव पर विशेष ध्यान देते हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'वॉलमार्ट में, हम व्यवसायों को आगे बढ़ने में मदद करके और उन्हें विभिन्न बाजारों में ग्राहकों से जोड़कर इस यात्रा में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बैठक में भारतीय ब्रांडों को बड़े पैमाने पर ग्राहकों तक पहुंचने में सक्षम बनाने में डिजिटल मार्केटप्लेस की बढ़ती भूमिका पर भी चर्चा की गई।संस्थापकों ने अपने व्यावसायिक सफर, परिचालन संबंधी चुनौतियों और भविष्य में विकास को गति देने के लिए आवश्यक सहयोग के बारे में अपने विचार साझा किए।कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा कि आज के उद्यमी उपभोक्ताओं की गहरी समझ और दीर्घकालिक महत्वाकांक्षाओं के साथ ब्रांड बना रहे हैं।उन्होंने बताया कि फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म व्यवसायों को बाजार तक पहुंच बढ़ाने, क्षमता निर्माण करने और पूरे भारत में विस्तार करने में मदद कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'आज के उद्यमी उपभोक्ताओं की बेहतर समझ, अधिक महत्वाकांक्षा और दीर्घकालिक सोच के साथ ब्रांड बना रहे हैं। फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म बाजार तक पहुंच को सक्षम बनाकर, क्षमता निर्माण करके और पूरे भारत में विस्तार के रास्ते बनाकर इन व्यवसायों को आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वैश्विक अस्थिरता और कच्चे तेल में बढ़त का असर! भारतीय शेयर में जारी यह सकती है विदेशी निवेशकों की बिकवाली : एक्सपर्ट्स

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं और इस महीने की शुरुआत से अब तक (8 मई तक) 14,232 करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं। वैश्विक अस्थिरता और कच्चे तेल में तेजी के चलते आने वाली समय में भी यह सिलसिला जारी रह सकती है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से दी गई।

2026 में अब तक एक्सचेंजों के माध्यम से कुल एफपीआई बिक्री का आंकड़ा 2,18,540 करोड़ रुपए हो गया है। हालांकि, प्राथमिक बाजारों के माध्यम से एफपीआई की खरीद/निवेश की ट्रेंड जारी है, इस वर्ष अब तक कुल निवेश 12,340 करोड़ रुपए रहा है।

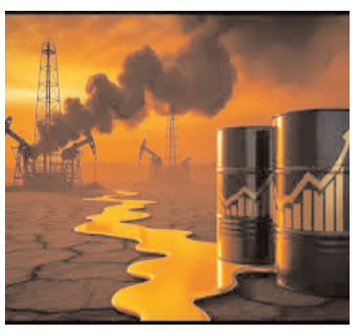

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके विजयकुमार ने कहा, 'भले ही एफपीआई शुद्ध विक्रेता हैं, लेकिन वे ऊर्जा, निर्माण और पूंजीगत वस्तुओं जैसे कुछ क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण ट्रेंड यह है कि एफपीआई मिड-कैप और चुनिंदा रूप से स्मॉल-कैप शेयरों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिनमें उच्च विकास क्षमता है और जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारत में मुद्रा अवमूल्यन और आय वृद्धि को लेकर चिंताएं इस वर्ष विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली के प्रमुख कारक रहे हैं।उन्होंने बताया, 'एआई बूम के कारण दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे बाजारों में इस वर्ष अपेक्षित प्रभावशाली आय वृद्धि ने एफपीआई प्रवाह को बड़े पैमाने पर आकर्षित किया है। राज्य विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद विदेशी निवेशकों ने सकारात्मक रुख के साथ सप्ताह की शुरुआत की। केंद्र में सत्तारूढ़ दल के मजबूत प्रदर्शन से सकारात्मक माहौल बना। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता के कारण वे सप्ताह के शेष चार सत्रों में शुद्ध विक्रेता रहे।

बजाज ब्रोकिंग के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट-रिसर्च, पबित्रो मुखर्जी ने कहा, 'भू-राजनीतिक तनाव, तेल की ऊंची कीमतों और कमजोर रुपए के कारण पिछले कुछ महीनों में एफआईआई शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं और इस साल के बाकी हिस्से में ही विदेशी निवेशकों के शुद्ध विक्रेता बने रहने की संभावना है।

निफ्टी ने पिछले सप्ताह उच्च अस्थिरता के साथ एक सीमित दायरे में कारोबार किया और लगातार दूसरे सप्ताह 0.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

विजय बन सकते थे कांग्रेस के मुख्यमंत्रीः राहुल गांधी की 2009 की 'गलती' ने तमिलनाडु में कैसे दिलाई कीमत

चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी अपने सहयोगी विजय के साथ मुस्कुराते हुए नजर आए, जब तमिलगा वेट्री कझगम प्रमुख ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

यह पल उस रिश्ते को दर्शाता है जिसकी शुरुआत 2009 में हुई थी, जब विजय ने कथित तौर पर कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जताई थी। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, विजय बिना किसी पद या टिकट की मांग के सिर्फ सदस्य बनना चाहते थे, लेकिन राहुल गांधी के यह सुझाव देने पर कि वे पहले यूथ कांग्रेस का चुनाव लड़ें, यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई।

विजय ने एनएसयूआई के राष्ट्रीय पदाधिकारियों से भी मुलाकात की थी, जिनमें उस समय के प्रमुख हिबी ईडन भी शामिल थे। कांग्रेस की प्रवक्ता रागिनी नायक ने पिछले सप्ताह उस बैठक की तस्वीर साझा की थी।

पीछे मुड़कर देखें तो गांधी की शुरुआती हिचकिचाहट महंगी साबित होती दिखती है। यदि उस समय विजय कांग्रेस में शामिल हो जाते, तो वे पार्टी के मुख्यमंत्री चेहरे बन सकते थे; इसके बजाय, पार्टी लगभग सात दशकों तक तमिलनाडु की सत्ता से बाहर रही। वर्षों बाद विजय की नई पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम , ने अंततः डीएमके-एआईएडीएमके के दशकों पुराने वर्चस्व को खत्म कर दिया।

यह पहली बार नहीं था जब कांग्रेस ने ऐसा अहम अवसर गंवाया। वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के निधन के बाद, जगन मोहन रेड्डी ने मुख्यमंत्री बनने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने सहमति नहीं दी। बाद में जगन ने अपनी पार्टी बनाई और मुख्यमंत्री बने, जबकि आंध्र प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस हाशिये पर चली गई।

असम में भी इसी तरह का पैटर्न देखने को मिला, जब हिमंत बिस्वा सरमा जैसे मजबूत नेता शीर्ष पद की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन राहुल गांधी ने तरुण गोगोई के साथ बने रहने का फैसला किया। इस निर्णय के चलते कांग्रेस लगातार तीन चुनाव हार गई, जबकि सरमा एक प्रभावशाली और लोकप्रिय भाजपा मुख्यमंत्री बन गए।

हालांकि, तमिलनाडु में कांग्रेस ने बाद में अपनी रणनीति बदली। चुनाव के दौरान डीएमके के साथ गठबंधन बनाए रखने के बाद, एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाला गठबंधन हार गया। इसके बाद पार्टी ने अपनी 'गलती' सुधारने के लिए डीएमके से संबंध तोड़कर टीवीके के साथ दीर्घकालिक समझौता किया, जिसमें भविष्य के सभी स्थानीय, राज्यसभा और लोकसभा चुनाव शामिल हैं। विजय के रूप में कांग्रेस को गठबंधन में एक 'मेगा सुपरस्टार' चेहरा मिल गया है, जो मतदाताओं को आकर्षित कर सकता है।

हाल के संकेत इस संबंध में सुधार की पुष्टि करते हैं। राहुल गांधी ने कम से कम तीन बार विजय से बात की है और उन्हें अपना 'भाई' बताया है—यह शब्द वे पहले स्टालिन के लिए इस्तेमाल करते थे। गौरतलब है कि चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने स्टालिन के साथ मंच साझा करने से परहेज किया, जिसे अब विजय की ओर रणनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

जैसे-जैसे 2029 के लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, टीवीके-कांग्रेस की नई साझेदारी ने उस डीएमके-नेतृत्व वाले गठबंधन की जगह ले ली है, जिसने 2024 के चुनाव में तमिलनाडु की सभी 39 सीटें जीती थीं।

वर्तमान में टीवीके अपनी बहुमत के लिए कांग्रेस की पांच सीटों पर निर्भर है, लेकिन एआईएडीएमके में संभावित विभाजन की खबरें संकेत देती हैं कि विजय की सरकार जल्द ही छोटे सहयोगियों पर कम निर्भर हो सकती है।

हंटावायरस मामलों ने बढ़ाई वैश्विक चिंताः क्रूज शिप पर प्रकोप के बाद क्या यात्रा करना सुरक्षित है?

1 अप्रैल 2026 को अर्जेंटीना के उशुआइया से दक्षिण अटलांटिक में कई सप्ताह की ध्रुवीय यात्रा पर रवाना हुआ था। 6 अप्रैल के आसपास यात्रियों में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और श्वसन संबंधी लक्षण दिखने लगे और मई की शुरुआत तक स्थिति गंभीर हो गई।

रिपोर्ट्स और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जहाज पर विभिन्न देशों के 147 यात्री और क्रू सदस्य सवार थे। मई 2026 की शुरुआत तक 8 लोग बीमार पड़े, जिनमें 3 की मौत हो गई—इनमें एक डच दंपति और एक जर्मन नागरिक शामिल हैं। जांच में कई मामलों में हंटावायरस के एंडीज स्ट्रेन की पुष्टि हुई है, जबकि कुल 6 संक्रमण लैब में प्रमाणित किए गए हैं। कई यात्रियों को चिकित्सा सहायता के लिए दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड्स भेजा गया है, जबकि अन्य निगरानी में हैं। जहाज फिलहाल स्पेन के कैनरी द्वीप की ओर बढ़ रहा है, जहां यात्री उतरकर अपने-अपने घर लौटेंगे।

क्रूज यात्राएं आमतौर पर आराम और विलासिता का प्रतीक मानी जाती हैं—खुले समुद्र के दृश्य, सुविधाजनक माहौल और रोजमर्रा की चिंताओं से दूर रहने का अनुभव। लेकिन इस हालिया घटना ने यात्रियों को असहज कर दिया है और महामारी के बाद की दुनिया में एक बार फिर सवाल खड़ा किया है—क्या यात्रा सच में सुरक्षित है?

हंटावायरस क्या है और यह कैसे फैलता है?

हंटावायरस चूहों और अन्य कृन्तकों से फैलने वाले वायरस का समूह है, जो गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। यह आमतौर पर संक्रमित कृन्तकों के मूत्र, मल या लार के संपर्क में आने से या संक्रमित धूल के संपर्क से फैलता है। यह जोखिम खासतौर पर ग्रामीण इलाकों, जंगलों, खेतों या उन जगहों पर अधिक होता है जहां कृन्तकों की मौजूदगी होती है।

लक्षण आमतौर पर संक्रमण के 1 से 8 सप्ताह के भीतर दिखाई देते हैं, अक्सर 2 से 4 सप्ताह में। शुरुआती लक्षणों में सिरदर्द, चक्कर, बुखार, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द और उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं शामिल हैं। गंभीर मामलों में यह सांस लेने में तकलीफ और लो ब्लड प्रेशर तक पहुंच सकता है।

इसका कोई विशेष इलाज या वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, लेकिन समय पर चिकित्सा देखभाल से स्थिति को संभाला जा सकता है। मृत्यु दर अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न होती है—कुछ मामलों में यह 50% तक भी हो सकती है।

आपकी यात्रा योजनाओं पर क्या असर पड़ेगा?

विशेषज्ञों के अनुसार, आम यात्रियों के लिए जोखिम अभी भी कम है। यह कोई महामारी या बड़े पैमाने पर फैलने वाला खतरा नहीं है। हंटावायरस के मामले दुर्लभ होते हैं और आमतौर पर सीधे कृन्तकों के संपर्क से जुड़े होते हैं।

फिर भी यदि आप यात्रा की योजना बना रहे हैं, खासकर क्रूज या दूरदराज क्षेत्रों की, तो कुछ सावधानियां जरूरी हैं:

यात्रा संचालकों से स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी लें

यात्रा के बाद 45 दिनों तक लक्षणों पर नजर रखें

साफ-सफाई का ध्यान रखें और कृन्तकों वाले क्षेत्रों से बचें

धूलभरी या बंद जगहों (जैसे गोदाम, अटारी) से दूरी रखें

यात्रा बीमा जरूर कराएं

ट्रैकिंग, कैंपिंग या ग्रामीण इलाकों में अतिरिक्त सावधानी बरतें

क्या अभी यात्रा करना सुरक्षित है?

विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना गंभीर जरूर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यात्रा असुरक्षित हो गई है। हंटावायरस आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता, जैसा कि कोविड-19 या फ्लू जैसे वायरस करते हैं।

फिलहाल इस वायरस को लेकर व्यापक यात्रा प्रतिबंध की कोई सलाह नहीं दी गई है। अधिकांश यात्राएं सामान्य रूप से जारी हैं और सुरक्षित हैं। हालांकि, यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। साफ-सफाई, लक्षणों की जानकारी और स्वास्थ्य एजेंसियों के दिशा-निर्देशों का पालन करना जरूरी है—खासकर उन जगहों पर जहां कृन्तकों का खतरा हो सकता है।

यहां गुरुत्वाकर्षण के सारे नियम फेल, अद्भुत है मैग्नेटिक हिल की कहानी

भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जहां अकल्पनीय और अविश्वसनीय रहस्य छिपे हुए हैं। अब तक दुनिया भर के वैज्ञानिक इन जगहों को लेकर खूब छानबीन कर चुके हैं, लेकिन वे भी इन रहस्यों से पर्दा नहीं उठा सके हैं। ऐसा ही एक रहस्य लद्दाख की मैग्नेटिक हिल में छिपा हुआ है। यह एक अनोखी जगह है, जहां गुरुत्वाकर्षण भी फेल होता हुआ नजर आता है। मैग्नेटिक हिल पर कार बिना इंजन चालू किए खुद ही पहाड़ की ओर ऊपर चढ़ने लगती है। यहां ऐसा लगता है जैसे धरती के गुरुत्वाकर्षण के नियम काम ही नहीं करते। लद्दाख की बर्फीली वादियों में स्थित मैग्नेटिक हिल अपने रहस्यमयी अनुभवों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। लेह-कारगिल हाईवे पर स्थित यह जगह एक मशहूर टूरिस्ट प्लेस है।

लोक कथाओं में यह स्वर्ग जाने का रास्ता

मैग्नेटिक हिल लद्दाख की खूबसूरत घाटियों के बीच स्थित है और यह लेह से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां पहुंचते ही सड़क का एक हिस्सा ऐसा दिखता है, जहां ढलान ऊपर की ओर जाती हुई प्रतीत होती है। पर्यटक अपनी गाड़ियों को न्यूट्रल में डालकर छोड़ देते हैं और देखते हैं कि वाहन धीरे-धीरे ऊपर की दिशा में बढ़ने लगता है। यह दृश्य इतना असामान्य लगता है कि पहली बार देखने वाले लोग इसे चमत्कार मान लेते हैं। इस अनोखी घटना को लेकर कई तरह की मान्यताएं भी हैं। स्थानीय लोगों के बीच एक पुरानी लोककथा प्रचलित है कि यहां कभी एक ऐसी सड़क थी, जो सीधे स्वर्ग तक जाती थी। कहा जाता है कि जो लोग इसके योग्य होते थे, वे खुद ही इस मार्ग पर खिंच जाते थे, जबकि अयोग्य लोग इस रहस्यमयी रास्ते तक कभी नहीं पहुंच पाते थे। यह कहानी भले ही आस्था और कल्पना पर आधारित हो, लेकिन आज भी इसकी रहस्यमयी छवि को मजबूत करती है।

कैसे इसका नाम पड़ा मैग्नेटिक हिल

लेह-लद्दाख टूरिज्म की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मैग्नेटिक हिल को लेकर एक मैग्नेटिक फोर्स थ्योरी भी है। इसमें माना जाता है कि इस पहाड़ी से एक अत्यंत शक्तिशाली चुंबकीय शक्ति निकलती है, जो वाहनों को अपनी ओर खींचती है। कई यात्रियों ने इस अनुभव की पुष्टि भी की है और कुछ पुराने सैन्य किस्सों में यह भी दावा किया जाता है कि भारतीय वायुसेना के विमानों को भी कभी-कभी इस क्षेत्र में चुंबकीय प्रभाव से बचने के लिए अपना रास्ता बदलना पड़ा था। मैग्नेटिक हिल का नाम 'मैग्नेटिक' इसलिए पड़ा, क्योंकि शुरुआती यात्रियों और सैन्य कर्मियों को लगा कि यहां कोई अदृश्य चुंबकीय शक्ति वाहनों को खींचती है। हालांकि, अब तक किसी भी वैज्ञानिक अध्ययन में यहां कोई मैग्नेटिक फोर्स साबित नहीं हुआ है, जो वाहनों को प्रभावित करता हो। इसलिए यह नाम अधिकतर लोककथाओं और अनुभवों पर आधारित माना जाता है।

वैज्ञानिक मानते हैं ऑप्टिकल इल्यूजन

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो यह कोई जादू या गुरुत्वाकर्षण का उल्टा नियम नहीं है। यह एक ऑप्टिकल इल्यूजन यानी दृष्टि भ्रम है। असल में आसपास के पहाड़ों और सड़क की बनावट ऐसी होती है कि हमारी आंखें ढलान को गलत तरीके से समझ लेती हैं। इस सिद्धांत के अनुसार यहां कोई वास्तविक चुंबकीय शक्ति नहीं होती, बल्कि पहाड़ों और सड़क की बनावट ऐसी होती है कि हमारी आंखें ढलान को गलत तरीके से समझ लेती हैं। वास्तव में जो हिस्सा हमें ऊपर की ओर चढ़ता हुआ दिखता है, वह हल्की ढलान के साथ नीचे की ओर जा रहा होता है। यंह भ्रम इसलिए और मजबूत हो जाता है, क्योंकि आसपास का भू-भाग समान और समतल दिखाई देता है, जिससे दिमाग को सही दिशा और ढलान का अंदाजा नहीं लग पाता। जब वाहन न्यूट्रल में छोड़ा जाता है, तो वह प्राकृतिक रूप से नीचे की ओर खिसकता है, लेकिन देखने में ऐसा लगता है जैसे वह ऊपर की ओर बढ़ रहा हो। पर्यटकों के लिए यह अनुभव बेहद रोमांचक होता है।

वैश्विक प्रवासन को समझेंः अगर दुनिया में सिर्फ 100 लोग होते

अगर पूरी दुनिया को केवल 100 लोगों में समेट दिया जाए, तो वैश्विक प्रवासन के पैटर्न अधिक व्यक्तिगत और समझने में आसान लगने लगते हैं। यह सरल प्रस्तुति जटिल आंकड़ों को आसान बनाकर दिखाती है कि आज लोग कैसे स्थान बदलते हैं, प्रवास करते हैं और सुरक्षा की तलाश करते हैं।

प्रवासन सिर्फ सीमाएं पार करना नहीं है; इसमें काम, शिक्षा, सुरक्षा या जीवन-निर्वाह के लिए स्थान बदलना भी शामिल है। जब वैश्विक आबादी को 100 लोगों तक सीमित किया जाता है, तो यह साफ दिखता है कि प्रवासन कितना सामान्य और कितना असामान्य है।

वैश्वीकरण बढ़ने के बावजूद, ज्यादातर लोग अपने जन्म देश को स्थायी रूप से नहीं छोड़ते। दुनिया की आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा ही अपने देश से बाहर रहता है, जो बताता है कि वैश्विक स्तर पर प्रवासन अभी भी अपेक्षाकृत कम है। वैश्विक प्रवासन किसी एक लिंग तक सीमित नहीं है। दुनिया के कुल प्रवासियों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है, जो दिखाता है कि प्रवासन का असर परिवारों, कामगारों और समाज के हर वर्ग पर पड़ता है।

दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए प्रवासन का मुख्य कारण आर्थिक अवसर हैं। बेहतर

नौकरी, अधिक आय और आर्थिक स्थिरता लोगों को सीमाओं के पार जाने के लिए प्रेरित करती है।

हालांकि कुल प्रवासन में लिंग संतुलन दिखाई देता है, लेकिन प्रवासी श्रमिकों में पुरुषों की संख्या अधिक है। कई पुरुष रोजगार की तलाश में अकेले प्रवास करते हैं, खासकर श्रम-प्रधान उद्योगों और विदेशों के बाजारों में। सभी प्रवासन स्वैच्छिक नहीं होते। दुनिया में बड़ी संख्या में लोग युद्ध, हिंसा, उत्पीड़न और मानवीय संकटों के कारण अपने घर छोड़ने को मजबूर होते हैं और सुरक्षा की तलाश में निकलते हैं। कुछ खाड़ी देशों में प्रवासी आबादी और कार्यबल का बड़ा हिस्सा हैं। कतर, यूएई और कुवैत जैसे देश अपनी अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे के लिए अंतरराष्ट्रीय कामगारों पर काफी निर्भर हैं।

आंतरिक विस्थापन भी तेजी से बढ़ रहा है। संघर्ष, बाढ़, तूफान और जलवायु आपदाओं के कारण हर साल लाखों लोग अपने ही देश के भीतर स्थान बदलने को मजबूर हो रहे हैं।

आज दुनिया पहले से ज्यादा जुड़ी और गतिशील है, लेकिन हर किसी के लिए समान अवसर उपलब्ध नहीं हैं। कुछ लोग बेहतर भविष्य के लिए प्रवास करते हैं, जबकि अन्य संकटों के कारण विस्थापित होते हैं—यह असमानताएं ही वैश्विक प्रवासन के पैटर्न को आकार देती हैं।

क्या आपके बाल गर्मियों में तेजी से बढ़ते हैं? जानिए इस बारे में क्या कहता है साइंस

गर्मियों में लोगों को पसीना बहुत ज्यादा आता है और इसकी वजह से बड़े बाल इरिटेट करने लगते हैं। बाल बढ़ते ही लोग हेयर सैलून का रुख करते हैं। अधिकतर पुरुष गर्मी में छोटे बाल रखना पसंद करते हैं, क्योंकि इससे पसीने से काफी हद तक राहत मिलती है। गर्मियों में अक्सर लोगों को लगता है कि उनके बाल तेजी से बढ़ रहे हैं, क्योंकि जल्दी-जल्दी हेयरकट की जरूरत महसूस होने लगती है। यह धारणा काफी आम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या वाकई गर्मियों में बालों की ग्रोथ बढ़ जाती है या यह सिर्फ एक भ्रम है? चलिए, इस बारे में हकीकत जानने की कोशिश करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, बालों की ग्रोथ एक निश्चित चक्र में होती है, जिसे हेयर ग्रोथ साइकल कहा जाता है। इसमें बालों की वृद्धि, ट्रांजिशन और झड़ने की अवस्थाएं शामिल होती हैं। आमतौर पर बाल हर महीने लगभग 1 से 1.5 सेंटीमीटर बढ़ते हैं। हर मौसम में बालों की ग्रोथ लगभग समान रहती है। हालांकि, कई रिसर्च यह भी बताती हैं कि गर्मियों और वसंत के मौसम में कुछ लोगों में हेयर फॉलिकल्स ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं, जिससे अधिक बाल ग्रोथ फेज में रहते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि बाल अचानक तेजी से बढ़ते हैं, बल्कि अधिक बाल एक साथ बढ़ने की स्थिति में होते हैं, जिससे ग्रोथ ज्यादा दिखाई देती है।

गर्मियों में धूप ज्यादा मिलने से शरीर में विटामिन ष्ठ का स्तर बढ़ता है, जो हेयर फॉलिकल्स की सेहत को सपोर्ट करता है। इसके अलावा, गर्म मौसम में ब्लड सर्कुलेशन भी थोड़ा बेहतर हो जाता है, जिससे स्कैल्प तक पोषक तत्व आसानी से पहुंचते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ये सभी फैक्टर्स मिलकर बालों की ग्रोथ को थोड़ा सपोर्ट कर सकते हैं, लेकिन यह अंतर बहुत मामूली होता है। बालों का औसत ग्रोथ रेट मौसम के हिसाब से बहुत ज्यादा नहीं बदलता है। यह अंतर इतना छोटा होता है कि रोजमर्रा की नजर में इसे स्पष्ट रूप से महसूस करना मुश्किल होता है।

एक और दिलचस्प पहलू यह है कि गर्मियों में लोग ज्यादा पसीना, तेल और धूल की वजह से बालों को बार-बार धोते हैं या ट्रिम करवाते हैं। इससे भी ऐसा लगता है कि बाल तेजी से बढ़ रहे हैं। बालों का फ्रिज कम होना या ज्यादा हेल्दी दिखना भी ग्रोथ का भ्रम पैदा कर सकता है। असली फर्क आपके खानपान, हार्मोन, जेनेटिक्स और हेयर केयर रूटीन पर निर्भर करता है। इसलिए यह कहना कि गर्मियों में बाल तेजी से बढ़ते हैं, पूरी तरह सही नहीं है, बल्कि यह आंशिक रूप से सही और आंशिक रूप से भ्रम है।

मिर्जापुर के इस मंदिर का जल चमत्कारिक, लगाते ही चेचक खत्म, 300 साल पुरानी मान्यता

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में स्थित शीतला मंदिर अपने आप में अद्भुत है। ऐसी मान्यता है कि यहां मां के कुंड का जल लगाने से चेचक और चर्म रोग दूर हो जाते हैं। मां के धाम में आस्थावानों की लंबी भीड़ उमड़ती है। किवदंती है कि 300 साल पहले मां खोखले नीम से प्रकट हुई थीं, जिसके बाद भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया। मंदिर का निर्माण गहरवार वंश के लोगों ने कराया था। मां शीतला का यह प्राचीन मंदिर हलिया विकास खंड के गड़बड़ा गांव में है। मंदिर में दर्शन करने के लिए नवरात्रि में हुजूम उमड़ता है।

लाल फूल सबसे प्रिय

मां को सबसे ज्यादा प्रिय लाल फूल और चुनरी हैं। भक्त यहां यही अर्पित करते हैं। मां को चढ़ाए जाने वाला जल चमत्कारिक माना जाता है। मान्यता है कि मां के कुंड का जल लगाने के बाद चेचक से जुड़ी समस्याएं खत्म हो जाती हैं। आज भी यह मंदिर लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र है। यहां अलग-अलग प्रांतों के भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। सोमवार को करीब 50 हजार भक्त दर्शन करते हैं। सामान्य दिनों में भी दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है।

धीरे-धीरे पूरा ठीक

मंदिर के ट्रस्टी शिवम शुक्ला लोकल 18 से बताते हैं कि मां का इतना प्रताप है कि जल लगाते ही रोगी को तत्काल प्रभाव से आराम मिलता है। चेचक जैसी बीमारी से मुक्ति के लिए मां का जल लगाते ही राहत नजर आती है। धीरे-धीरे वह पूरी तरह ठीक हो जाता है। दिलीप कुमार दूबे बताते हैं कि भक्त अपनी अलग-अलग मन्नतों को लेकर मां के दरबार में आते हैं। मन्नत पूरी होने पर विशेष पूजा और अर्चना करते हैं और चढ़ावा चढ़ाते हैं। मां सबकी मनोकामना पूरी करती हैं। सोमवार को 30 से 50 हजार और बाकी दिनों में 5 से 10 हजार श्रद्धालु रोज पहुंचते हैं।

पति पत्नी और वो 2 को लेकर उत्साहित सारा अली खान, बताया इस अभिनेत्री के किरदार पर आया था दिल

अपनी अपकमिंग आगामी फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर अभिनेत्री सारा अली खान उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री आए दिन मजेदार बातें दर्शकों के साथ साझा कर रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने फिल्म में अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया। सारा अली का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार खास है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार 'नीलोफर' में थी। आईएएनएस से बातचीत में आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली को रकुल प्रीत का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन हैं। इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत की कॉमिक टाइमिंग की भी खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बहुत अच्छा लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती। इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना आसान और मस्ती भरा हो जाता है। फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म में आयुष्मान खुराना, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह के साथ ही वामिका गब्बी भी अहम भूमिका में हैं।

आयुष्मान खुराना के साथ काम करते वक्त घबराई हुई थीं सुम्बुल तौकीर, शेयर किया 'आर्टिकल 15' का अनुभव

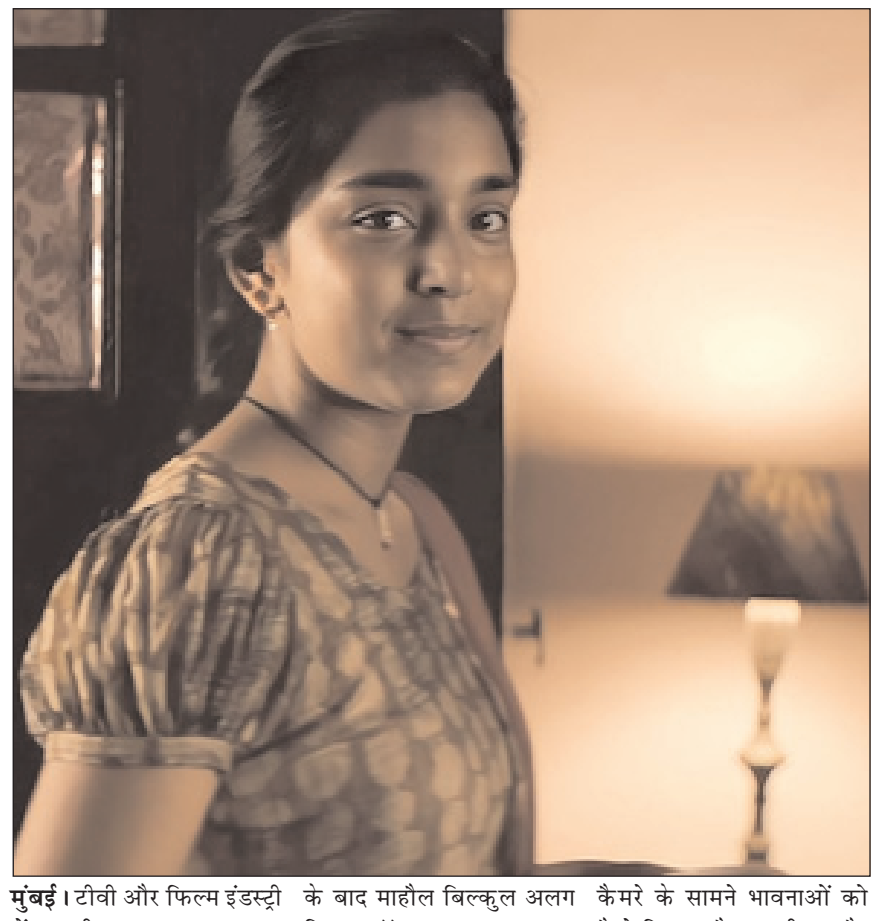

मुंबई। टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रख लिया था। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। सुम्बुल ने बताया कि फिल्म 'आर्टिकल 15' की शूटिंग के दौरान जब वह काफी घबराई हुई थीं, तो अभिनेता ने उन्हें सहज महसूस कराया था।

आईएएनएस ने जब सुम्बुल तौकीर से पूछा कि कम उम्र में आयुष्मान खुराना जैसे बड़े अभिनेता के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा, तो इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''उस समय मैं काफी नर्वस थी और सोच रही थी कि इतने शानदार अभिनेता के सामने अभिनय करना आसान नहीं होगा। लेकिन शूटिंग शुरू होने के बाद माहौल बिल्कुल अलग निकला।''

सुम्बुल तौकीर ने कहा, ''आयुष्मान खुराना केवल एक अच्छे अभिनेता होने के साथ-साथ अच्छे इंसान भी हैं। सेट पर उनका व्यवहार काफी दोस्ताना था। उन्होंने कभी ऐसा महसूस नहीं होने दिया कि मैं एक बड़े स्टार के साथ काम कर रही हूं।''

सुम्बुल ने कहा, ''आयुष्मान ने मुझे हर सीन में सहज महसूस कराया और मेरा हौसला बढ़ाया, जिससे मैं धीरे-धीरे खुलकर अभिनय कर पाई। फिल्म में मेरे ज्यादातर सीन्स आयुष्मान खुराना के साथ थे। ऐसे में मुझे उनके साथ काफी समय बिताने और अभिनय को करीब से समझने का मौका मिला। सुम्बुल ने आगे कहा, ''उनके साथ काम करना मेरे लिए किसी सीख से कम नहीं था। मैंने अभिनय के दौरान छोटी-छोटी बातों को समझा, कैमरे के सामने भावनाओं को कैसे दिखाना है, यह सीखा और यह अनुभव मेरे करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ।''

फिल्म 'आर्टिकल 15' का निर्देशन और निर्माण निर्देशक अनुभव सिन्हा ने किया था। फिल्म की कहानी आईपीएस अधिकारी अयान रंजन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार आयुष्मान खुराना ने निभाया। वह एक छोटे गांव में तीन लड़कियों के गायब होने की जांच करता है। जांच के दौरान उसे समाज में मौजूद जातिगत भेदभाव और सालों से चले आ रहे अत्याचार की सच्चाई का सामना करना पड़ता है। फिल्म ने सामाजिक मुद्दों को बेहद गंभीर और संवेदनशील तरीके से दिखाया। फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा, ईशा तलवार, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, और मोहम्मद जीशान अयूब जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए।

चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया पर दिव्या दत्ता बोलीं– हर लड़की खुद को इस कहानी से जोड़ पा रही है

अभिनेत्री दिव्या दत्ता इन दिनों वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर वाहवाही बटोर रही हैं। शशांत शाह द्वारा निर्देशित 6-एपिसोड की सीरीज मैरिटल रेप (वैवाहिक बलात्कार) और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर आधारित है।

सीरीज जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से अपनी शानदार कहानी को लेकर वाहवाही बटोर रही है और सभी कलाकारों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिनेत्री दिव्या दत्ता का कहना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे हर लड़की अपने आपको जोड़ पा रही है।

अभिनेत्री ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पॉडकास्ट का वीडियो शेयर किया। इसमें वे कहती हैं, 'हर कोई चिरैया देख रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बोलने की हिम्मत मिली है।

अभिनेत्री ने उस महिला का वाक्य बताते हुए कहा, 'जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे बात करना चाहती थी। उन्होंने मुझसे कहा, 'मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने 'चिरैया' देखी और मैं बहुत रोई। उसके बाद मुझे उनका सामना करने की हिम्मत मिली।

दिव्या दत्ता ने कहा, 'सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रिया सुनने को मिल रही है। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत है। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया गया जाए तो लोग कहानी से खुद को जोड़ते हैं, तो यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है। अब एक नई लहर की शुरुआत हो चुकी है। मुझे कल की ही बात याद आ रही है कि किसी ने कहा था कि आजकल हर घर की यही कहानी है। हर कोई 'चिरैया' देख रहा है।

फ्लैशबैक : जब शम्मी कपूर ने धर्मेंद्र को कराया था 'अंडे और ब्रांडी' वाला नाश्ता

मुंबई। हिंदी सिनेमा के पुराने दौर के कलाकारों से जुड़े किस्से हमेशा दिलचस्प होते हैं। ऐसा ही एक मजेदार किस्सा दिवंगत अभिनेता शम्मी कपूर से जुड़ा है, जिसे अभिनेता धर्मेंद्र ने सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 13' में सुनाया था। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में है। धर्मेंद्र ने बताया कि शम्मी कपूर खाने-पीने के काफी शौकीन थे। एक दिन उन्होंने उन्हें अंडे और ब्रांडी वाला नाश्ता करवाया था।

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र द्वारा 'इंडियन आइडल 13' के दौरान सुनाए गए किस्से के मुताबिक, धर्मेंद्र अभिनेत्री नूतन के साथ श्रीनगर में शूटिंग के लिए जा रहे थे। उन्हें सुबह जल्दी निकलना था और वह काफी जल्दी में थे। उसी दौरान उनकी मुलाकात शम्मी कपूर से हुई, जिन्होंने हमेशा की तरह बड़े सम्मान के साथ उनका स्वागत किया।

धर्मेंद्र ने पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा, 'उस वक्त शम्मी कपूर ने मुझसे पूछा कि क्या आपने नाश्ता कर लिया है? इस पर मैंने जवाब दिया कि मैं पहले ही नाश्ता कर चुका हूं। लेकिन उन्होंने मेरी बात मानने के बजाय मुझे दोबारा नाश्ता करने के लिए कहा। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह मुझे क्या खिलाने वाले हैं। धर्मेंद्र ने आगे कहा, 'शम्मी कपूर ने एक गिलास लिया, उसमें दो अंडे तोड़े और फिर उसमें थोड़ी ब्रांडी मिलाई। इस मिश्रण को उन्होंने मुझे नाश्ते के तौर पर दिया। उनका अंदाज बिल्कुल अलग था और वह जिंदगी को अपने तरीके से जीते थे। बता दें कि शम्मी कपूर हिंदी सिनेमा के उन कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। चाहे रोमांटिक गाने हों या इमोशनल सीन, शम्मी कपूर हर किरदार को अपने खास अंदाज में निभाते थे। खाने-पीने के प्रति उनका प्यार भी इंडस्ट्री में काफी मशहूर था।

धर्मेंद्र और शम्मी कपूर ने कई फिल्मों में साथ काम किया था। साल 1987 में दोनों कलाकार फिल्म 'हुकूमत' में साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों साल 1991 में फिल्म 'मस्त कलंदर' में भी साथ दिखाई दिए।

शेखर सुमन ने सुनाया 'बैंडिट क्वीन' से जुड़ा दिलचस्प किस्सा, फूलन देवी के वो शब्द आज भी हैं एक्टर को याद

मुंबई। फिल्म और टेलीविजन जगत के मशहूर अभिनेता और होस्ट शेखर सुमन ने अपने लंबे करियर में राजनीति और फिल्म से जुड़ी कई बड़ी हस्तियों का इंटरव्यू लिया। आईएएनएस संग बातचीत में उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए कुछ दिलचस्प किस्से साझा किए। इस दौरान उन्होंने डकैत से नेता बनीं फूलन देवी के साथ हुई अपनी एक खास मुलाकात का भी जिक्र किया।

शेखर सुमन ने कहा, ''मुझे कभी किसी का इंटरव्यू लेने में डर या घबराहट महसूस नहीं हुई। मैं हमेशा आत्मविश्वास के साथ लोगों से सवाल पूछता था लेकिन जब फूलन देवी इंटरव्यू के लिए मेरे सामने बैठीं, तब मैंने एक दिलचस्प बात नोटिस की। उनका कद इतना छोटा था कि कुर्सी पर बैठने के बाद उनके पैर जमीन तक नहीं पहुंच रहे थे।''

उन्होंने कहा, 'यह देखकर मैंने मजाकिया अंदाज में उनसे सवाल किया कि जब आपके पैर जमीन तक नहीं पहुंचते, तो आप घोड़े पर बैठकर एक हाथ में बंदूक लेकर कैसे घूमती थीं। आप तो 'बैंडिट क्वीन' है।''

उन्होंने कहा, ''मेरे इस सवाल को सुनकर फूलन देवी कुछ देर तक मेरी तरफ देखती रहीं। इसके बाद मैं आगे बढ़ा और एक और सीधा सवाल पूछ लिया। मैंने पूछा कि आपने इतने लोगों को गोली मारी और इतनी खतरनाक जिंदगी जी, तो क्या आपको कभी किसी से डर लगता है?

शेखर सुमन ने कहा, ''फूलन देवी ने मेरे सवालों का जवाब बेहद मजेदार अंदाज में दिया। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'आपसे डर लगता है, क्योंकि आप सवालों से गोली चलाते हैं।' उनका यह जवाब सुनकर मैं और वहां मौजूद लोग भी हंस पड़े थे। यह पल मेरे लिए यादगार बन गया था।'' आईएएनएस से बात करते हुए शेखर सुमन ने दिवंगत शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे से जुड़ा एक और दिलचस्प अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, ''एक बार बाल ठाकरे ने खुद मुझे फोन करके मेरे शो की तारीफ की थी। मैंने इस मौके का फायदा उठाया और तुरंत उनसे इंटरव्यू के लिए पूछ लिया।'' उन्होंने बताया, ''इंटरव्यू खत्म होने के बाद बाल ठाकरे ने कहा कि उन्हें बातचीत में बहुत मजा आया और एक और इंटरव्यू करना चाहिए। इस पर मैंने मजाक में कहा कि मेरे पास दूसरे कपड़े नहीं है। तब बाल ठाकरे ने जवाब दिया कि उसी कपड़े में दूसरा इंटरव्यू कर लेते हैं। यह पल भी मेरे जीवन की सबसे यादगार पलों में से एक है।''

मृणालिनी साराभाई: बचपन में सीखी थी पश्चिमी नृत्य की दुर्लभ 'डालक्रोज' तकनीक, भारतीय शास्त्रीय नृत्य को दी वैश्विक पहचान

मुंबई। भारतीय शास्त्रीय नृत्य की दुनिया में मृणालिनी साराभाई का नाम बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने भरतनाट्यम और कथकली जैसी भारतीय नृत्य शैलियों को नई पहचान दी। साथ ही भारतीय संस्कृति को दुनिया के बड़े मंचों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने बचपन से ही अलग-अलग नृत्य शैलियों को सीखना शुरू कर दिया था। बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने छोटी उम्र में पश्चिमी नृत्य की 'डालक्रोज' तकनीक भी सीखी थी। उस समय भारतीय कलाकारों के लिए इस तरह की विदेशी नृत्य शिक्षा लेना बेहद दुर्लभ माना जाता था।

मृणालिनी साराभाई का जन्म 11 मई 1918 को केरल में हुआ था। उनके पिता एस. स्वामीनाथन मद्रास हाईकोर्ट के प्रसिद्ध वकील थे। वहीं उनकी मां अम्मू स्वामीनाथन एक जानी-मानी समाजसेवी और स्वतंत्रता सेनानी थीं। मृणालिनी ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं, जहां शिक्षा, कला और देश सेवा को बहुत महत्व दिया जाता था। उनकी बड़ी बहन लक्ष्मी सहगल भी आजाद हिंद फौज की प्रमुख सदस्य रहीं। मृणालिनी का बचपन स्विट्जरलैंड में बीता। वहीं उन्होंने पहली बार नृत्य की दुनिया को करीब से समझा। स्विट्जरलैंड में उन्होंने 'डालक्रोज' तकनीक सीखी, जो पश्चिमी नृत्य और शरीर की लय को समझने का एक खास तरीका माना जाता है। उस दौर में भारत के बहुत कम कलाकारों को इस तरह की विदेशी कला सीखने का मौका मिलता था। इस तकनीक ने मृणालिनी को मंच पर शरीर की हर छोटे भाव को बेहतर तरीके से समझने में मदद की। यही कारण था कि उनके नृत्य में अलग तरह की ऊर्जा और अभिव्यक्ति दिखाई देती थी। इसके बाद मृणालिनी साराभाई ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के शांतिनिकेतन में पढ़ाई की। यहां रहते हुए उनका झुकाव भारतीय शास्त्रीय नृत्य की ओर और ज्यादा बढ़ गया। बाद में वह अमेरिका भी गईं, जहां उन्होंने अमेरिकन एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट्स में प्रशिक्षण लिया।

दोहा से 23 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में एक जहाज पर हमला : यूके मैरीटाइम एजेंसी

दोहा। यूके मैरीटाइम ट्रेड एजेंसी ने दावा किया है कि कतर के तट के नजदीक एक मालवाहक जहाज पर प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। इस इलाके में हमले की धमकी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दी थी।

यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर की आधिकारिक साइट पर दी गई सूचना के अनुसार, दोहा से 23 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में एक बल्क कैरियर पर 'अनजान प्रोजेक्टाइल' से हमला होने की खबर मिली है। आईआरजीसी ने कहा था कि इलाके में अमेरिकी जहाजों को वो निशाना बनाएगा। ब्रिटेन की सेना ने बताया कि रविवार को कतर के तट के पास एक जहाज अज्ञात प्रोजेक्टाइल से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गया।

एजेंसी ने कहा, 'आग छोटी ही थी जिसे बुझा दिया गया है; कोई हताहत नहीं हुआ है। वहीं, इससे पर्यावरण पर कोई असर पड़ने की कोई रिपोर्ट नहीं है।

ये खबर ऐसे समय में आई है जब ईरानी सेना के एक प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि जो देश तेहरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू करेंगे, उन्हें होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने में परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। तस्नीम न्यूज एजेंसी ने ब्रिगेडियर जनरल अकरमी निया के हवाले से बताया कि युद्ध में दुश्मन अपने किसी भी मकसद में कामयाब नहीं हुआ और ईरान की राजनीतिक व्यवस्था भी कमजोर नहीं पड़ी। इसके बरअक्स देश के भीतर लोग एकजुट हुए और हम मजबूत हुए।

निया का कहना है, 'दुश्मन जानता है कि वह ईरान की प्रतिरोधक क्षमता को नहीं तोड़ सकता, इसलिए आखिरकार उसे सीजफायर मानना पड़ा।' उन्होंने यह भी कहा कि जारी सीजफायर के दौरान ईरान ने अपनी सैन्य ताकत और क्षमताओं को और मजबूत किया है।

इस बीच न्यूयॉर्क टाइम्स ने सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से एक खबर छापी है, जिसके मुताबिक ईरान के खार्ग द्वीप के पास समुद्र में बड़ा तेल रिसाव दिख रहा है। पिछले दिनों खार्ग में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रुचि दिखाई थी। दरअसल, ये ईरान के लिए बहुत खास है, क्योंकि यहीं से ज्यादातर तेल विदेश भेजा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार तक यह करीब 20 वर्ग मील इलाके में फैल चुका था। ऑर्बिटल ईओएस संस्था का कहना है कि 3 हजार बैरल से ज्यादा तेल समुद्र में बहने की आशंका है; यह तेल सऊदी अरब की ओर बढ़ता देखा जा सकता है।

पाकिस्तान में उद्योगों की हालत खराब, बजट से पहले टैक्स सुधारों की मांग तेज : रिपोर्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तान में बजट 2026-27 से पहले उद्योगों ने संरचनात्मक टैक्स सुधार की मांग को तेज कर दिया है और कहा है कि देश छोटी अवधि के टैक्स सुधारों पर भरोसा नहीं कर सकता। निवेशकों और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए बड़े टैक्स सुधार आवश्यक हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

बिजनेस रिकॉर्ड की रिपोर्ट में बताया गया कि प्रमुख उद्योग निकाय में से एक ओवरसीज इन्वेस्टर्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ओआईसीसीआई) ने टैक्स सुधारों को लेकर नया प्रस्ताव सरकार को दिया है। इसमें देश के टैक्स बेस को बड़ा करना और डिजिटलीकरण बढ़ाने जैसे सुधार शामिल हैं।

रिपोर्ट में बताया है कि यह मांग ऐसे समय पर उठाई गई हैं जब देश बड़े राजकोषीय दबाव, निवेश के धीमी होने और कमजोर औद्योगिक प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है।

कुछ व्यापार समूहों का तर्क है कि पिछली सरकारों ने अल्पकालिक राजस्व संग्रह को दीर्घकालिक आर्थिक पुनर्गठन से अधिक प्राथमिकता दी है, जिससे टैक्स सिस्टम की प्रमुख कमजोरियां अनसुलझी रह गई हैं।

ओआईसीसीआई द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के अनुसार, अर्थव्यवस्था के पहले से ही औपचारिक क्षेत्रों पर बार-बार अधिक कर लगाने से टैक्स वृद्धि संभव नहीं है। इसके बजाय, चैंबर ने टैक्स बेस के विस्तार करने, अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाने और टैक्सेशन को देश की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करने का आह्वान किया है।

ओआईसीसीआई 30 से अधिक देशों की 196 से अधिक विदेशी निवेशित कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है, जिनका पाकिस्तान में कुल निवेश 209 अरब डॉलर से अधिक है।

चैंबर की सदस्य कंपनियां सरकार के टैक्स आय में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

व्यापार जगत के हितधारकों ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि पाकिस्तान में क्षेत्रीय स्तर पर सबसे कमजोर आधारों में से एक है, जबकि पंजीकृत व्यवसायों को अनुपालन लागत और विनियामक बोझ में वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। उनका तर्क है कि इस असंतुलन ने एक ऐसा वातावरण बना दिया है जहां अनौपचारिक रूप से काम करने की तुलना में कर अनुपालन अकसर नुकसानदायक साबित होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रस्तावों में अनधिकृत आर्थिक गतिविधियों को कम करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक भुगतान, ई-चालान, लेनदेन की ट्रेसबिलिटी और डेटा-लिंक्ड अनुपालन प्रणालियों के व्यापक उपयोग की सिफारिश की गई है।

संक्षिप्त खबर

कुवैती हवाई क्षेत्र में दिखे ड्रोन, रक्षा मंत्रालय का दावा- 'सबको निपटा दिया'

कुवैत। कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि रविवार सुबह उसके आसमान में कई ड्रोन दिखाई दिए जिन्हें पूरे ऐहतियात के साथ निपटा दिया गया। मंत्रालय ने ये नहीं बताया कि दुश्मन ड्रोन किसके थे। सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता, ब्रिगेडियर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने कहा कि सेना ने रविवार सुबह कुवैती हवाई क्षेत्र में कई दुश्मन ड्रोन देखे, और उन्हें तय नियमों के तहत निपटा दिया गया। सेना देश की सुरक्षा के साथ ही अपने नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए तत्पर है। ये खबर कतर के मालवाहक जहाज के उसके समुद्री क्षेत्र में हुए कथित ड्रोन हमले के बीच सामने आई है। पहले यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स एजेंसी ने दावा किया था कि दोहा के उत्तर पूर्व में सुबह हमला हुआ था। इसके बाद कतर ने पुष्टि की कि रविवार को उसके समुद्री क्षेत्र में एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन हमला किया गया।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह जहाज अबू धाबी से आ रहा था। हमले के बाद जहाज में आग लगी, लेकिन जल्द ही उसको काबू में कर लिया गया। इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है। मंत्रालय के अनुसार आग बुझाने के बाद जहाज की यात्रा जारी रही और वह मेसाईद बंदरगाह की ओर बढ़ गया। इस बीच ईरानी सेना के एक प्रवक्ता की चेतावनी भी सुर्खियों में है। उन्होंने कहा कि जो देश अमेरिकी प्रतिबंध ईरान पर लागू करेंगे, उन्हें होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, ब्रिगेडियर जनरल अकरमी निया ने कहा कि युद्ध में दुश्मन अपने किसी भी मकसद में कामयाब नहीं हुआ और ईरान की राजनीतिक व्यवस्था भी कमजोर नहीं पड़ी। इसके उलट देश के लोग एक सूत्र में बंधे।

निया के मुताबिक, दुश्मन जानता है कि वह ईरान की प्रतिरोधक क्षमता को नहीं तोड़ सकता, इसलिए आखिरकार उसे सीजफायर मानना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि जारी सीजफायर के दौरान ईरान ने अपनी सैन्य ताकत और क्षमताओं को और मजबूत किया है।

मदर्स डे विशेष : चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के व्यक्तित्व को गढ़ने में मां के संस्कारों की अहम भूमिका

बीजिंग। रविवार, 10 मई को 'मदर्स डे' के अवसर पर जारी एक विशेष रिपोर्ट में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनकी माता छि शिन के बीच के गहरे और हृदयस्पर्शी संबंधों को उजागर किया गया है।

वर्ष 1969 में, मात्र 16 वर्ष की आयु में, शी चिनफिंग पश्चिमोत्तर चीन के शैनशी प्रांत के उत्तरी क्षेत्र में स्थित लियांगच्याहे नामक गांव में रहने चले गए। उस समय उनकी माता छि शिन ने उनके लिए एक छोटा सिलाई थैला बनाया, जिस पर चीनी भाषा में 'मां का दिल' शब्द कढ़ाई किए गए थे। यह थैला सात वर्षों तक शी चिनफिंग के साथ रहा और उनके संघर्ष, मेहनत तथा विकास का साक्षी बना।

शी चिनफिंग की मां स्वयं एक क्रांतिकारी सेनानी थीं। उन्होंने शैनशी-कांसू-निंग्श्या सीमा क्षेत्र में दशकों तक जमीनी स्तर पर काम किया। उन्होंने कभी किसी विशेष सुविधा की अपेक्षा नहीं की और हमेशा दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके संस्कारों का शी चिनफिंग के व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ा।

बचपन में उनकी मां उन्हें देशभक्ति से जुड़ी कहानियां सुनाया करती थीं। इनमें प्रसिद्ध देशभक्त योद्धा य्वे फेई की कहानी भी शामिल थी, जिनकी मां ने उनकी पीठ पर देशभक्ति के अक्षर गुदवाए थे। शी चिनफिंग ने एक बार कहा था कि तभी से 'देश की पूर्ण निष्ठा से सेवा' करने का भाव उनके मन में गहराई से बस गया और वही उनके जीवन का लक्ष्य बन गया। वर्ष 2001 में चीनी नव वर्ष के दौरान, शी चिनफिंग फूच्येन प्रांत के तत्कालीन राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे। काम की व्यस्तता के कारण वह घर नहीं लौट सके। उस समय उनकी मां ने फोन पर उनसे कहा, ''बेटा, तुम्हारा काम सबसे महत्वपूर्ण है। मुझे तुम पर गर्व है। तुम्हारे घर आने से अधिक जरूरी है कि तुम अपने कर्तव्यों का अच्छे से पालन करो। अपने दायित्व निभाना ही माता-पिता के प्रति सबसे बड़ी संतानोचित भक्ति है। मैं हमेशा तुम्हारा समर्थन करूंगी।'' जब शी चिनफिंग ने देश का सर्वोच्च पद संभाला, तब भी उनकी मां ने उन्हें विनम्रता और अनुशासन का पाठ पढ़ाया।

वर्ष के पहले 4 महीनों में चीन-अफ्रीका व्यापार की मात्रा में प्राप्त नया रिकॉर्ड

बीजिंग। चीन सीमा शुल्क सामान्य प्रशासन द्वारा 9 मई को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष के पहले चार महीनों में चीन के कुल आयात और निर्यात का मूल्य 162.3 खरब युआन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और सकारात्मक वृद्धि का रुझान जारी रखता है। निर्यात 93.3 खरब युआन रहा, जिसमें 11.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि आयात 69 खरब युआन रहा, जिसमें 20 फीसदी की वृद्धि हुई। इसी अवधि में चीन और अफ्रीका के बीच व्यापार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। इस वर्ष चीन और अफ्रीका के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ है, और चीन-अफ्रीका आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग का दायरा लगातार बढ़ रहा है। निर्यात की दृष्टि से देखा जाए, तो अफ्रीकी देश वर्तमान में तीव्र विकास के दौर से गुजर रहे हैं, उत्पादन और उपभोग के सभी क्षेत्रों में उनकी प्रबल मांग है, और चीन द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुएं इन आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। वहीं, आयात की दृष्टि से देखा जाए, तो चीन अपने विशाल बाजार लाभ का पूर्ण उपयोग करते हुए अफ्रीकी देशों के लिए एक विशाल बाजार उपलब्ध कराता है। सीमा शुल्क के आंकड़ों से पता चलता है कि इस वर्ष के पहले चार महीनों में, अफ्रीकी देशों को चीन का आयात और निर्यात 885.34 अरब युआन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 19.4 प्रतिशत अधिक है, और इतिहास में पहली बार इसी अवधि में 800 अरब युआन से अधिक हो गया है।

चीन सीमा शुल्क सामान्य प्रशासन के सांख्यिकी एवं विश्लेषण विभाग के निदेशक ल्व्वी ताल्यांग के परिचय के अनुसार, इस वर्ष के पहले चार महीनों में, चीन का अफ्रीका से आयात पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 11.2 प्रतिशत बढ़ा है, जो लगातार 8वें महीने की वृद्धि को दर्शाता है।

थ्येनचो-10 कार्गो अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण की सभी तैयारियां पूरी

बीजिंग। चीन के थ्येनचो-10 कार्गो अंतरिक्ष यान की सभी प्रणालियों ने प्रक्षेपण-पूर्व तैयारियां पूरी कर ली हैं। साथ ही, प्रक्षेपण अवधि के दौरान मौसम की स्थिति भी मिशन की आवश्यकताओं के अनुरूप बताई गई है।

8 मई को थ्येनचो-10 कार्गो अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण मिशन के लिए पूर्ण-प्रणाली संयुक्त सिमुलेशन अभ्यास आयोजित किया गया। यह अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिससे स्पष्ट हुआ कि सभी प्रणालियां प्रक्षेपण के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

यह अभ्यास थ्येनचो-10 मिशन का व्यापक सिमुलेशन परीक्षण था। इसमें इग्निशन और वास्तविक प्रक्षेपण को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख प्रक्रियाओं का परीक्षण किया गया। साथ ही, इसमें सबसे अधिक प्रणालियों ने भाग लिया और मिशन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अभ्यास किया गया।

जानकारी के अनुसार, हाइनान प्रांत स्थित वनछांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र में कर्मी, सुविधाएं और उपकरण अच्छी स्थिति में हैं। प्रक्षेपण अवधि के दौरान मौसम भी निर्धारित मानकों के अनुरूप रहने की संभावना है।

थ्येनचो-10, चीन के अंतरिक्ष स्टेशन के अनुप्रयोग और विकास चरण के बाद शुरू किया गया पांचवां कार्गो मिशन है। 8 मई को थ्येनचो-10 कार्गो अंतरिक्ष यान और लॉन्ग मार्च-7 वाई-11 वाहक रॉकेट को प्रक्षेपण क्षेत्र में पहुंचाया गया।

वर्तमान में, चीनी अंतरिक्ष स्टेशन स्थिर रूप से संचालित हो रहा है और थ्येनचो-10 मिशन के आगमन की प्रतीक्षा कर रहा है।

22 से 23 मई तक सूचो में होगी एपेक व्यापार मंत्रियों की बैठक

बीजिंग। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने 9 मई को आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) व्यापार मंत्रियों की बैठक 22 से 23 मई तक चीन के च्यांगसू प्रांत के सूचो शहर में आयोजित की जाएगी।

बैठक में 'खुली और पूर्वानुमानित क्षेत्रीय तथा बहुपक्षीय आर्थिक और व्यापार व्यवस्था का निर्माण' और 'नवाचार व गतिशील व्यापार एवं निवेश सहयोग के लिए नए इंजन तैयार करना' जैसे विषयों पर गहन चर्चा होगी। इसका उद्देश्य नवंबर में होने वाले एपेक नेताओं के अनौपचारिक सम्मेलन के लिए आर्थिक और व्यापारिक उपलब्धियों की मजबूत नींव तैयार करना है। बताया गया कि 'एपेक चीन वर्ष' की थीम के तहत चीन, एपेक सदस्य देशों के साथ डिजिटल और हरित विकास जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा करेगा। इससे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार और अर्थव्यवस्था के नवाचार आधारित विकास को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक औद्योगिक परिवर्तन तथा उन्नयन को नई गति मिलेगी।

डिजिटल सहयोग के क्षेत्र में चीन व्यापार के डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाने के लिए सदस्य देशों के बीच सहमति बनाने का प्रयास करेगा। साथ ही, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार और निवेश के लिए अधिक समावेशी डिजिटल वातावरण तैयार करने पर भी जोर दिया जाएगा। हरित विकास के क्षेत्र में चीन सभी पक्षों के बीच हरित विकास रणनीतियों के समन्वय को बढ़ावा देगा, ताकि सतत विकास के लक्ष्य को मिलकर हासिल किया जा सके। चीनी वाणिज्य उपमंत्री और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वार्ता प्रतिनिधि ली छंगकांग ने कहा कि चीन इस बैठक के माध्यम से तीन प्रमुख संदेश देना चाहता है। पहला, चीन उच्च स्तरीय खुलेपन का समर्थक है और अपने खुलेपन के माध्यम से क्षेत्रीय खुलेपन को बढ़ावा देना चाहता है। दूसरा, चीन नई गुणवत्ता वाली उत्पादक शक्तियों के विकास का समर्थन करता है और अपने विकास के माध्यम से एशिया-प्रशांत क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना चाहता है। तीसरा, चीन समावेशी विकास का समर्थक है और पारस्परिक लाभ वाले सहयोग के माध्यम से क्षेत्र में साझा समृद्धि को आगे बढ़ाना चाहता है।

यूएई में दिखे दो यूएवी, एयर डिफेंस सिस्टम ने किया तबाह

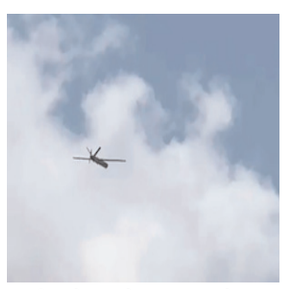

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को दो यूएवी (ड्रोन) को सफलतापूर्वक निष्क्रिय करने का दावा किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई। उनके अनुसार ये दोनों ईरान की ओर से लॉन्च किए गए थे। मंत्रालय ने ईरान संघर्ष के दौरान यूएई पर दागी गई मिसाइलों, ड्रोन और जनहानि का लेखा-जोखा भी दिया।

रक्षा मंत्रालय ने घोषणा कहा कि 10 मई 2026 को संयुक्त अरब अमीरात के एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान की ओर से लॉन्च किए गए दो यूएवी (ड्रोन) को सफलतापूर्वक मार गिराया। मंत्रालय के अनुसार, ईरानी हमलों की शुरुआत से अब तक यूएई की एयर डिफेंस प्रणालियां कुल 551 बैलिस्टिक मिसाइलों, 29 क्रूज मिसाइलों और 2,265 यूएवी को रोक चुकी हैं। पिछले कुछ घंटों में किसी के शहीद, मृत या घायल होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, इन हमलों (ईरान संघर्ष) की शुरुआत से अब तक कुल दो सैनिक शहीद हुए हैं। इसके अलावा, सशस्त्र बलों संग अनुबंध पर कार्यरत एक मोरक्को नागरिक की भी मौत हुई है।कुल 10 नागरिकों की मौत की पुष्टि हुई है। इनमें पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, फिलिस्तीन, भारत और मिस्र के नागरिक शामिल थे। मंत्रालय ने बताया कि हमलों की शुरुआत से अब तक कुल 230 लोग घायल हुए।

अफगान प्रवासियों की जबरन वापसी पर पाकिस्तान की आलोचना, मानवाधिकार आयोग ने जताई चिंता

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने अफगान प्रवासियों को जबरन देश से निकालने की कार्रवाई को 'अमानवीय' बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कदम की वजह से हजारों परिवारों की जिंदगी संकट में पड़ गई है।

अपनी सालाना रिपोर्ट में आयोग ने कहा कि पाकिस्तान सरकार की ओर से बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों को निकालने की नीति लागू करने के बाद अफगान शरणार्थियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं, इलाज और आर्थिक मदद जैसी जरूरी सुविधाओं तक पहुंच बहुत सीमित हो गई है।

शिया वेव्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मानवाधिकार संस्था ने कहा कि पाकिस्तान के इस फैसले ने अफगान शरणार्थियों पर अतिरिक्त दबाव डाल दिया है और उनकी परेशानियां और बढ़ गई हैं।

आयोग ने जरूरी सेवाओं से वंचित किए जाने और अफगान प्रवासियों को जबरन निकाले जाने पर चिंता जताई। उसका कहना है कि इन परिवारों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

आयोग ने पाकिस्तान से अपील की कि वह प्रवासियों के साथ व्यवहार करते समय मानवाधिकारों और इंसानी गरिमा का सम्मान करे। रिपोर्ट में कहा गया कि अफगान प्रवासियों को निकालने की पाकिस्तान की नीति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ी है।पिछले महीने अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब?ल?यू) ने कहा था कि अफगानिस्तान के साथ सीमा पर फिर से तनाव बढ़ने के बाद पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों के खिलाफ छापेमारी, मनमानी गिरफ्तारियां और जबरन निर्वासन बढ़ गया है। एचआरडब्ल्यू के अनुसार, हजारों कमजोर अफगान शरणार्थियों, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, को पुलिस कार्रवाई की वजह से स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और दूसरी जरूरी सुविधाओं तक पहुंचने में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

एचआरडब्ल्यू ने यह भी कहा कि अफगानों को जबरन वापस भेजना संयुक्त राष्ट्र के यातना विरोधी समझौते और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हो सकता है। इन कानूनों के तहत किसी व्यक्ति को ऐसी जगह जबरन नहीं भेजा जा सकता, जहां उसे उत्पीड़न, यातना, बुरे व्यवहार या जान का खतरा हो। एचआरडब्ल्यू की शोधकर्ता फरेश्ता अब्बासी ने कहा पाकिस्तानी अधिकारी अफगान शरणार्थियों को सुरक्षा की जरूरत वाले लोगों की तरह देखने के बजाय उनके बीच डर फैला रहे हैं।

दिल्ली एलजी ने सड़क पर ट्रैफिक नियम तोड़ने की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं पर जताई चिंता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू ने रविवार को शहर के निवासियों और राष्ट्रीय राजधानी में आने वाले आगंतुकों से दुर्घटनाओं, जाम से बचने और प्रदूषण को कम करने के लिए यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया।

संधू ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा कि सामूहिक प्रयासों से जाम मुक्त और सुरक्षित शहर बनाने में मदद मिल सकती है। सड़कों पर व्यवस्था बनाए रखने की उनकी अपील शनिवार की रात पूर्वी दिल्ली के करावल नगर में हुई दुर्घटना के मद्देनजर आई है, जिसमें तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को मार डाला था।

उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'दिल्ली के सभी निवासियों और यहां आने वाले लोगों से मेरी हार्दिक अपील है कि वे राष्ट्रीय राजधानी को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित यातायात वाला शहर बनाने में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ सहयोग करें।

उन्होंने कहा, 'यातायात नियमों का पालन करने से न केवल सड़कों पर ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलती है, बल्कि वायु प्रदूषण को कम करने में भी सहायता मिलती है। ऐसा करना दिल्ली और उसके निवासियों के हित में है और यह हमारी मूलभूत जिम्मेदारी है।'

संधू ने यातायात नियमों और सुरक्षा के बीच संबंध पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि आप गलत दिशा में गाड़ी चलाने, लाल बत्ती पार करने और जान जोखिम में डालने वाले तरीकों से सड़क पार करने से बचें। वाहनों की उचित पार्किंग, साथ ही हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग न सिर्फ सुचारू यातायात के लिए, बल्कि हमारे प्रियजनों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।'

उन्होंने नागरिकों को यातायात पुलिस के नवीनतम ऐप पर ट्रैपिक रूल्स के उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, 'मैंने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को राष्ट्रीय राजधानी में सख्त प्रवर्तन के अभियान को और अधिक विस्तारित करने का निर्देश दिया है। इस सड़क सुरक्षा अभियान को मजबूत करने में आपकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। आप सभी ट्रैफिक प्रहरी ऐप के माध्यम से यातायात नियमों के उल्लंघन की रिपोर्ट कर सकते हैं और अपनी सतर्कता के लिए पुरस्कार अर्जित कर सकते हैं।

संधू ने आगे कहा, 'अगर हम सब मिलकर यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प लें तो जाम-मुक्त और सुरक्षित दिल्ली का निर्माण संभव है। एक सुंदर और सुव्यवस्थित राजधानी के निर्माण में मैं आप सभी के संयुक्त प्रयासों और सहयोग की अपेक्षा करता हूं।

बिहार में कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का तबादला

पटना। बिहार सरकार ने रविवार को प्रदेश के कई वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों का तबादला करते हुए नई जिम्मेदारी सौंपी है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इस फेरबदल में कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभारों से मुक्त भी किया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनन्द किशोर को वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है, जबकि एचआर श्रीनिवास को समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव के पद पर पदस्थापित किया गया है। वे पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे।

इसके अतिरिक्त, संतोष कुमार मल्ल को आपदा प्रबंधन विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में वे जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग और विशेष कार्य पदाधिकारी स्थानिक आयुक्त का कार्यालय के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। स्वास्थ्य विभाग के पूर्व सचिव लोकेश कुमार सिंह को स्थानांतरित करते हुए पर्यटन विभाग का सचिव बनाया गया है। सिंह सचिव, विज्ञान प्रावैधिकी और तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे।

इसके अलावा कुंदन कुमार को स्थानिक आयुक्त, बिहार भवन, नई दिल्ली एवं निवेश आयुक्त, मुंबई के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है। कुमार रवि को सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय, बिहार, पटना को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक सचिव, स्वास्थ्य विभाग के पद पर पदस्थापित किया जाता है। इन्हें सचिव, संसदीय कार्य विभाग के अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी भी दी गई है, जबकि अजय यादव, सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक सचिव, ऊर्जा विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है।

इसके अलावा, संजय कुमार सिंह सचिव, वाणिज्य कर विभाग, बिहार को अगले आदेश तक सचिव, वित्त विभाग (सम्पूर्ण प्रभार) बनाया गया है, जबकि प्रणव कुमार सचिव, कला एवं संस्कृति विभाग को सचिव भवन निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री सचिवालय में कार्यरत चंद्रशेखर सिंह को जल संसाधन विभाग के सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संक्षिप्त खबर

मध्य प्रदेश में पीएमजीएसवाई के मापदंड में आने वाली सारी सड़कें होंगी स्वीकृतः शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के भेरूंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में पीएमजीएसवाई-द्वितीय का शुभारंभ करते हुए राज्य को सड़क, आवास और ग्रामीण विकास की अनेक बड़ी सौगातें समर्पित कीं।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी तथा केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान सहित राज्य के मंत्री श्री करण सिंह वर्मा तथा विधायकगण भी उपस्थित रहे। शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित इस समारोह में पीएमजीएसवाई का शुभारंभ करते हुए कहा कि गांव की सड़क केवल रास्ता नहीं, बल्कि समृद्धि, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, बाजार और अवसर का प्रवेश-द्वार है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में उन्होंने यह संदेश भी दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब, किसान और बहनों के जीवन में ठोस बदलाव लाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत वैभवशाली, गौरवशाली, आत्मनिर्भर, संपन्न और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है कार्यक्रम में मध्य प्रदेश को पीएमजीएसवाई-द्वितीय के तहत 2,117.52 किलोमीटर लंबाई की 973 सड़कों की मंजूरी मिली, जिनकी कुल लागत 1763.08 करोड़ रुपए है और जिनसे 987 बसावटों को लाभ होगा। इसी क्रम में विदिशा क्षेत्र को 600.393 किलोमीटर लंबाई की 259 सड़कें स्वीकृत हुईं, जिनसे 264 बसावटों को लाभ मिलेगा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण मजबूती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि विदिशा संसदीय क्षेत्र में 500 करोड़ रुपए से अधिक की सड़कें बनेंगी और उनकी प्राथमिकता है कि कोई भी गांव सड़क से वंचित न बचे। उन्होंने यह भी साफ कहा कि पीएमजीएसवाई के मापदंड में आने वाली मध्य प्रदेश की सभी पात्र सड़कें स्वीकृत की जाएंगी। पीएम-जेएएनएमएएन के तहत 384.34 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजनाओं को 261.81 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली है, जिनसे 168 बसावटें लाभान्वित होंगी। इसके साथ ही वर्ष 2026-27 के लिए पीएमजीएसवाई के कुल 18,907 करोड़ रुपए के सांकेतिक आवंटन में से 830 करोड़ रुपए मध्य प्रदेश को दिए गए हैं, जिसे चौहान ने राज्य की विकास रफ्तार को नई ऊर्जा देने वाला कदम बताया।

मंत्री न बनाए जाने पर विधायक आशा मौर्या का छलका दर्द, बोलीं- 35 साल की निष्ठा के बाद भी पीड़ा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल विस्तार में जगह न मिलने के बाद आशा मौर्या की भावनाएं सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। सीतापुर विधायक ने सोशल मीडिया पर जारी भावुक संदेश में पार्टी और संगठन के प्रति अपनी निष्ठा दोहराते हुए कहा कि 35 वर्षों तक समर्पण भाव से कार्य करने के बावजूद मन में 'थोड़ी पीड़ा' अवश्य है, लेकिन इससे उनके संकल्प और जिम्मेदारियां कमजोर नहीं होंगी।

सीतापुर के महमूदाबाद से भाजपा विधायक आशा मौर्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि आप सभी पत्रकार बंधुओं, देश-प्रदेश से प्राप्त हुए फोन कॉल, सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं एवं समर्थन देने वाले सभी शुभचिंतकों, समर्थकों और स्नेह रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति का हृदय से आभार एवं धन्यवाद। आप सभी का प्रेम, आशीर्वाद और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। आपके स्नेह और समर्थन ने सदैव मुझे समाज एवं संगठन के लिए निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी है। उन्होंने आगे लिखा कि पार्टी और संगठन के लिए पिछले 35 वर्षों से पूर्ण समर्पण भाव, निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए सदैव संगठन हित को सर्वोपरि रखा है। जनसेवा और समाजहित के लिए निरंतर कार्य करना ही मेरे जीवन का उद्देश्य रहा है और आगे भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करती रहूंगी।

विधायक ने लिखा कि एक समर्पित कार्यकर्ता होने के नाते कहीं न कहीं मन में थोड़ी पीड़ा अवश्य हुई है, क्योंकि वर्षों की मेहनत, संघर्ष और निष्ठा हर कार्यकर्ता के लिए भावनात्मक रूप से जुड़ी होती है, लेकिन यह पीड़ा मेरे संकल्प को कमजोर नहीं करेगी, बल्कि समाज और संगठन के प्रति मेरी जिम्मेदारियों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

उन्होंने आगे लिखा कि मैं पहले भी पार्टी एवं संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करती रही हूं और आगे भी सदैव संगठन एवं समाज हित में कार्य करती रहूंगी। समाज के सम्मान, स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई आगे भी पूरी मजबूती, सत्यनिष्ठा और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ जारी रहेगी।

बता दें कि यूपी में बहुप्रतीक्षित मंत्री मंडल विस्तार में महमूदाबाद की विधायक आशा मौर्या का नाम काफी चर्चा में था, लेकिन शपथ गृहण की सूची में उनका नाम नहीं था।

भाजपा में सीएम सिर्फ 'कूरियर-मैसेंजर, ऊपर से आती है पर्ची', मंत्रिमंडल विस्तार पर अखिलेश यादव का तंज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल विस्तार के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा राज में मुख्यमंत्री की भूमिका सिर्फ 'कूरियर-मैसेंजर' तक सीमित होकर रह गई है और मंत्रिमंडल विस्तार में उनका कोई वास्तविक योगदान नहीं होता।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि समय बिताने के लिए करना है कुछ काम। उन्होंने आगे लिखा कि वैसे भी मंत्रिमंडल के विस्तार में तो इनका कोई काम है नहीं। उधर से पर्ची आएगी, यहां तो सिर्फ पढ़ी जाएगी। भाजपा राज में वैसे भी सीएम का मतलब बस यही रह गया है: 'कूरियर मैसेंजर।

उन्होंने आगे कहा कि वैसे जनता पूछ रही है कि फिल्म सबसे आगे बैठकर देखेंगे या पीछे बैठकर? जनता का अनुरोध है कि फिल्म ध्यान से देखिएगा... हो सकता है 'कर्मफल-कंसफल' का सिद्धांत समझकर कुछ जागरण हो जाए और कुछ अच्छा बदलाव भी। उन्होंने कहा कि हम तो यही मानते हैं कि मूलरूप से व्यक्ति नहीं उसका 'लालच-लोभ' ही बुरा होता है, जो धीरे-धीरे उसका दुराचरण बन जाता है। बुराई इंसान को और बुरा बनाती जाती है।

सपा मुखिया ने आगे कहा कि इसके विपरीत ये भी सच है कि जब व्यक्ति 'स्वार्थ' को छोड़कर 'परमार्थ' के मार्ग पर चल निकलता है तो सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है, वो मानवता के लिए सार्थक साबित हो सकता है। अपने अंदर की सौ बुराइयों के ऊपर चंद अच्छाइयां जीत हासिल कर सकती हैं, यही महाकाव्यों का गहरा आंतरिक संदेश है।

काजीरंगा में फिर दिखा दुर्लभ घड़ियाल, वन्यजीव संरक्षण को मिली नई उम्मीद

गुवाहाटी। असम की नदियों से विलुप्त माने जा रहे घड़ियाल को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एक बार फिर देखा गया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यह इस क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण के लिए एक उल्लेखनीय और उत्साहजनक क्षण है। इस दुर्लभ दृश्य ने संरक्षणवादियों और वन्यजीव विशेषज्ञों के बीच नई उम्मीद जगा दी है। इसे राज्य के नाजुक नदी पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित और सुरक्षित रखने के लिए किए जा रहे लगातार प्रयासों की सफलता के रूप में देखा जा रहा है। काजीरंगा नेशनल पार्क एंड टाइगर रिजर्व (केएनपीटीआर) की निदेशक सोनाली घोष ने बताया कि 26 अप्रैल को पार्क के बुरापहाड़ रेंज स्थित मैते एंटी-पोचिंग कैंप क्षेत्र के पास एक घड़ियाल (गेवियलिस गैंगेटिकस) को रेत के टीले पर धूप सेंकते हुए देखा गया।उन्होंने बताया कि डिफोलू और ब्रह्मपुत्र नदी के संगम क्षेत्र में गश्त पर निकली वन विभाग की एक टीम की नजर इस घड़ियाल पर पड़ी। विशेषज्ञों के अनुसार, नदियों के संगम स्थल और रेतीले किनारे घड़ियालों के लिए सबसे पसंदीदा आवास होते हैं, जहां वे भोजन करते हैं, धूप सेंकते हैं और प्रजनन करते हैं।

सोनाली घोष ने कहा कि इसके बाद अगले कुछ दिनों में उसी स्थान से घड़ियाल दिखने की कई और घटनाएं सामने आईं, जिनके फोटोग्राफिक प्रमाण भी मिले। आखिरी बार 8 मई को बुरापहाड़ रेंज में पर्यटक गाइड शिशुकांत नाथ ने घड़ियाल को देखा था। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, 'जिस घड़ियाल को कभी असम की नदी प्रणालियों से लगभग गायब माना जा रहा था, उसका काजीरंगा में फिर से दिखना वन्यजीव संरक्षण के लिए बेहद खास और ऐतिहासिक पल है।

तिहाड़ जेल पहुंचीं एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष विजया रहाटकर, महिला कैदियों के पुनर्वास पर दिया जोर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने तिहाड़ जेल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने महिला कैदियों से बातचीत की। उन्होंने महिला कैदियों की गरिमा, सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास के अवसरों को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर फिर से जोर दिया।

इस संबंध में एक अधिकारी ने रविवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'तिहाड़ जेल एक मॉडल जेल के तौर पर काम कर रही है।

रहाटकर ने 'एक्स' पर लिखा, 'आज मैंने तिहाड़ जेल का दौरा किया। यहां मैंने महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, उनके कल्याण के उपायों, पुनर्वास की पहलों और उनके रहने की स्थितियों की समीक्षा की।'

एनसीडब्ल्यूकी अध्यक्ष ने बताया कि इस अवसर पर जेल महानिदेशक (डीजी) आनंद मोहन, उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कुलदीप सिंह, अधीक्षक अमिता सुमन और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

विजया रहाटकर ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का विस्तृत दौरा किया गया। इनमें महिला कैदियों के लिए बनी बैरक और कोठरियां, महिला कैदियों के साथ रहने वाले बच्चों के लिए क्रेच (शिशु-गृह) की सुविधा, फैशन लैब, सिलाई और कौशल प्रशिक्षण केंद्र, डिजिटल लर्निंग रूम, मनोरंजन की सुविधाएं, रसोईघर, चिकित्सा सुविधाएं और परामर्श कक्ष शामिल थे।

उन्होंने कहा कि मैंने जेल में चलाए जा रहे पुनर्वास और कौशल विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए महिला कैदियों से भी बातचीत की। महिला कैदियों के सामाजिक पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण, शिक्षा, परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य सहायता के माध्यम से सशक्त बनाने की पहलों पर विशेष जोर दिया गया। शनिवार को अपने दौरे के बाद उन्होंने कहा कि महिला कैदियों को कौशल-आधारित प्रशिक्षण और कल्याणकारी सहायता प्रदान करने के प्रयासों की सराहना करते हुए मैंने सभी महिला कैदियों की गरिमा, सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास के अवसरों को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर फिर से जोर दिया। इससे पहले मुंबई के अपने दौरे के दौरान एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने केईएम अस्पताल का दौरा किया था। एक अधिकारी ने बताया कि वहां उन्होंने हिंसा से प्रभावित महिलाओं के लिए सरकार द्वारा संचालित 'वन स्टॉप सेंटर' के कामकाज की समीक्षा की।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद अयोध्या पहुंचे रवि किशन, बोले- 2027 में 2017 के चुनाव का रिकॉर्ड टूटेगा

अयोध्या। भाजपा सांसद और अभिनेता रवि किशन ने रविवार को अयोध्या में रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई और पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के नेतृत्व की जमकर सराहना करते हुए डबल इंजन सरकार पर पूरा भरोसा जताया।

राम मंदिर में दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में रवि किशन ने कहा कि वह सभी नव-नियुक्त मंत्रियों को दिल से बधाई देते हैं। सभी काबिल लोगों को मंत्रिमंडल में चुना गया है। सभी मंत्रीगण प्रदेश को आगे लेकर जाएं, ऐसी कामना करता हूं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार प्रदेश के हर वर्ग, खासकर गरीब और वंचित तबकों, के उत्थान के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी। उन्होंने कहा कि संत-महात्माओं के आशीर्वाद से मंत्रिमंडल के सभी सदस्य प्रदेश के विकास को नई दिशा देंगे और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।

रवि किशन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के पक्ष में जीत की एक मजबूत लहर बन रही है। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम से यह साफ हो गया है कि यूपी में एक बार फिर भाजपा की बड़ी जीत होगी। उन्होंने दावा किया कि आने वाले चुनावों में यह लहर और तेज होगी और इसके परिणाम चौंकाने वाले होंगे। उन्होंने कहा कि मेरी बात याद रखिए, 2017 में भाजपा ने जो सीटों का रिकॉर्ड बनाया था, वह भी टूटेगा और 2027 में नया इतिहास रचा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में हुए मंत्रिमंडल विस्तार से सरकार और मजबूत हुई है, जिससे विकास कार्यों में और तेजी आएगी। भाजपा सांसद ने दावा किया कि केंद्र और राज्य की संयुक्त कार्यशैली का सीधा लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है।

आंध्र प्रदेश सीएम अमित शाह से करेंगे मुलाकात, संबंधित परियोजनाओं पर होगी चर्चा

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कुछ अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करेंगे और राज्य से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा करेंगे।

सीएम चंद्रबाबू नायडू सोमवार की सुबह हैदराबाद से दिल्ली के लिए रवाना होंगे और सुबह 11:30 बजे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे। इसके बाद, मुख्यमंत्री केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से भी मुलाकात करेंगे।

मुख्यमंत्री द्वारा केंद्रीय मंत्रियों के साथ राज्य से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं और वित्तपोषण मामलों पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है।

विश्व बैंक के प्रतिनिधि दोपहर 3 बजे मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे ताज पैलेस में आयोजित सीआईआई बिजनेस समिट में भाग लेंगे।

बाद में सीएम चंद्रबाबू नायडू प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन एस. महेंद्र देव सहित नीति आयोग के सदस्यों से मुलाकात करेंगे। इस बीच, चंद्रबाबू नायडू ने अपने निर्वाचन क्षेत्र कुप्पम में सरकार द्वारा चलाए जा रहे उन कार्यक्रमों पर खुशी व्यक्त की है, जिन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि कुप्पम में कार्यान्वित किए जा रहे सरकारी कार्यक्रमों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह बेहद खुशी की बात है कि कुप्पम ने 'नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार-2025' में देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है और 1.50 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार जीता है।

उन्होंने आगे कहा कि कुप्पम ने यह साबित कर दिया है कि विकास के साथ समर्पण का मेल कितना सकारात्मक होता है। इस सफलता के लिए जिम्मेदार प्रत्येक व्यक्ति को हार्दिक बधाई। साथ ही, कुप्पम के लोगों को भी धन्यवाद, जो सरकारी प्रयासों में पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। आइए हम इसी उत्साह के साथ काम करते रहें और कुप्पम निर्वाचन क्षेत्र को पूरे देश के लिए एक आदर्श बनाएं।

सीएम ने कहा, 'ग्राम विकास को लक्ष्य बनाकर गठबंधन सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता और सम्मान मिल रहा है। दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार-2025 और नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार-2025 में राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करना राज्य के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने पंचायती राज विभाग का अत्यंत प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने और उसे प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण को बधाई दी।

मुख्यमंत्री नायडू ने आगे कहा, 'श्रृंगवरम, बोक्का सम्पलेम, चेमुल्लापल्ली और गुंडामाला ग्राम पंचायतों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार जीतने पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। इस उपलब्धि में शामिल सभी हितधारकों को मेरी हार्दिक बधाई।

सामान्य रोशनी से अलग पतली किरण, जो चांद की दूरी भी नाप सकती है, जानें क्या है 'लेजर'?

नई दिल्ली। लेजर शब्द आजकल हर जगह सुनाई पड़ता है। बारकोड स्कैनर, लेजर प्रिंटर, आंखों की सर्जरी लगभग हर क्षेत्र में इसका इस्तेमाल हो रहा है। यही नहीं लेजर लाइट चांद की दूरी भी नाप सकती है। लेजर असल में क्या है और यह कैसे काम करता है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा लेजर के बारे में विस्तार से जानकारी देता है, जिसके अनुसार लेजर रोशनी की एक बहुत ही पतली किरण पैदा करता है जो कई तकनीकों और उपकरणों में काम आती है। लेजर शब्द 'लाइट एंप्लीफिकेशन बाई स्टीमूलेटेड एमीशन ऑफ रेडिएशन का संक्षिप्त रूप है यानी उत्तेजित उत्सर्जन द्वारा रोशनी का प्रवर्धन।

कह सकते हैं कि लेजर रोशनी का एक अनोखा सोर्स है। यह आम बल्ब या टॉर्च से काफी अलग होता है। लेजर रोशनी की एक बहुत ही पतली किरण पैदा करता है। इस तरह की रोशनी कई तकनीकों और उपकरणों के लिए उपयोगी होती है।

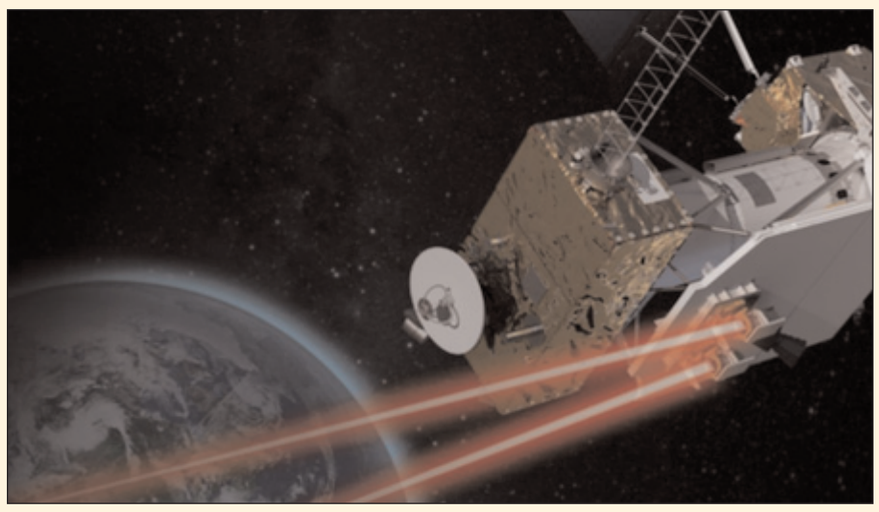

अब सवाल है कि लेजर कैसे काम करता है? तो वैज्ञानिक बताते हैं कि इसकी किरणें तरंगों के रूप में चलती है, एक तरंग के शिखरों के बीच की दूरी को तरंगदैर्ध्य कहा जाता है। सूरज की रोशनी और आम बल्ब की रोशनी कई अलग-अलग तरंगदैर्ध्य वाली रोशनियों से मिलकर बनी होती है। हालांकि, लेजर इनसे काफी अलग होता है। इसमें रोशनी की सभी तरंगों का तरंगदैर्ध्य लगभग एक जैसा होता है। लेजर की रोशनी की तरंगें एक साथ चलती हैं, जिनके शिखर एक ही लाइन में होते हैं या 'इन-फेज' होते हैं। यही वजह है कि लेजर किरणें पतली, चमकदार होती हैं और उन्हें एक बहुत ही छोटे बिंदु पर केंद्रित किया जा सकता है।

चूंकि लेजर की रोशनी केंद्रित रहती है और ज्यादा फैलती नहीं है, इसलिए लेजर किरणें बहुत लंबी दूरी तय कर सकती हैं। वे बहुत छोटे से क्षेत्र पर बहुत ज्यादा ऊर्जा भी केंद्रित कर सकती हैं। लेजर के कई उपयोग किए जाते हैं। लेजर का इस्तेमाल सटीक औजारों में किया जाता है। ये हीरे या मोटी धातु को भी काट सकते हैं। इन्हें नाजुक सर्जरी में मदद करने के लिए भी डिजाइन किया जाता है। लेजर का इस्तेमाल जानकारी को रिकॉर्ड करने और उसे दोबारा पाने के लिए किया जाता है। इनका इस्तेमाल कम्यूनिकेशन, टीवी और इंटरनेट के सिग्नल ले जाने में किया जाता है। लेजर प्रिंटर, बार कोड स्कैनर और डीवीडी प्लेयर में भी देखे जा सकते हैं। ये कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पुर्जे बनाने में भी मदद करते हैं।

यही नहीं लेजर का इस्तेमाल स्पेक्ट्रोमीटर में भी किया जाता है जो वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद करते हैं कि कोई चीज किन चीजों से मिलकर बनी है। नासा के 'क्यूरियोसिटी रोवर' ने मंगल ग्रह पर लेजर स्पेक्ट्रोमीटर का इस्तेमाल किया था। वैज्ञानिकों ने लेजर की मदद से चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी भी मापी है। लेजर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसे बेहद सटीक तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है।

लगातार थकान और कमजोरी को हल्के में न लें, ये हो सकते हैं एनीमिया के संकेत

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं घर, नौकरी और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच अक्सर अपनी सेहत से समझौता कर लेती हैं, जिसके चलते कई स्वास्थ्य समस्याएं धीरे-धीरे शरीर को जकड़ने लगती है। ऐसी ही एक गंभीर समस्या है एनीमिया। बहुत सी महिलाएं लगातार थकान, कमजोरी, चक्कर या सांस फूलने जैसी परेशानियों को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन यह शरीर में खून की कमी का संकेत हो सकता है।

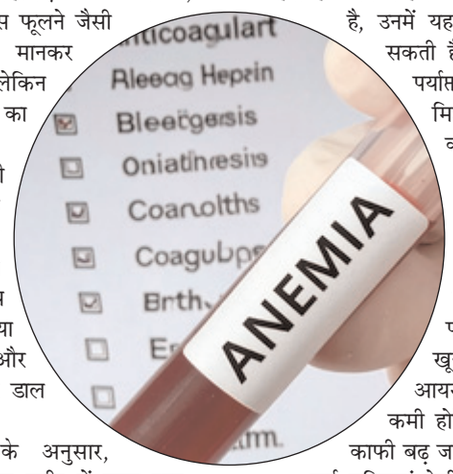

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर के अंगों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। अगर लंबे समय तक इसका इलाज न किया जाए तो यह दिल, दिमाग और पूरे शरीर पर बुरा असर डाल सकती है।

मेडिकल विज्ञान के अनुसार, एनीमिया तब होता है जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं कम हो जाती हैं या हीमोग्लोबिन का स्तर घट जाता है। हीमोग्लोबिन एक खास प्रकार का प्रोटीन होता है, जो फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर शरीर के बाकी हिस्सों तक पहुंचाने का काम करता है। जब शरीर में आयरन की कमी होने लगती है तो पर्याप्त हीमोग्लोबिन नहीं बन पाता। इसके कारण शरीर को पूरी ऊर्जा नहीं मिलती और व्यक्ति हर समय थका हुआ महसूस करने लगता है। एक रिसर्च की मानें तो, महिलाओं में यह समस्या पुरुषों की तुलना में अधिक देखने को मिलती है।

महिलाओं में एनीमिया बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण मासिक धर्म को माना जाता है। हर महीने रक्तस्राव होने से शरीर में आयरन की मात्रा कम होती रहती है। जिन महिलाओं को ज्यादा रक्तस्राव होता है, उनमें यह कमी और तेजी से बढ़ सकती है। अगर भोजन के जरिए पर्याप्त आयरन शरीर को नहीं मिलता, तो धीरे-धीरे कमजोरी बढ़ने लगती है।

इसके अलावा, गर्भावस्था के दौरान भी शरीर को सामान्य दिनों से ज्यादा पोषण की जरूरत होती है। मां और गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के लिए खून बनाना पड़ता है। ऐसे में आयरन और फोलिक एसिड की कमी होने पर एनीमिया का खतरा काफी बढ़ जाता है।

कई महिलाएं तेजी से वजन घटाने के लिए खाना कम कर देती हैं या ऐसी डाइट अपनाती हैं, जिसमें पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में नहीं होते। लंबे समय तक ऐसा करने से शरीर कमजोर हो सकता है।

एनीमिया की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसके शुरुआती लक्षण धीरे-धीरे दिखाई देते हैं। शुरुआत में लोग इसे सामान्य थकान समझ लेते हैं, लेकिन जब शरीर में खून की कमी ज्यादा बढ़ जाती है, तब कई संकेत साफ दिखने लगते हैं।

अंतरिक्ष एजेंसियों व तकनीकी साझेदारों से जुड़ेगी उच्च शिक्षा संस्थानों की रिसर्च

नई दिल्ली। भारत अपने नवाचार और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करेगा। शिक्षा मंत्रालय की पहल पर फ्रांस में भारतीय आईआईटी, विश्वविद्यालय व अन्य संस्थानों की रिसर्च वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित की जाएगी। यहां भारतीय नवउद्यम वैश्विक निवेशकों, अंतरिक्ष एजेंसियों और तकनीकी साझेदारों से जुड़ेंगे।

भारत इनोवेटस 2026 एक ग्लोबल एक्सेलेरेटर के रूप में 100 से अधिक डीप-टेक स्टार्टअप्स और प्रमुख संस्थानों को 13 अत्याधुनिक क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से जोड़ रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, भारत के उच्च शिक्षण संस्थान अब केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये संस्थान नवाचार, उद्यमिता और गहन प्रौद्योगिकी अनुसंधान के शक्तिशाली केंद्र बनकर उभर रहे हैं।

शोध प्रयोगशालाओं से लेकर रिसर्च सेंटर्स और नवउद्यम सहायता

केंद्रों तक, देश के विश्वविद्यालय तेजी से बढ़ते नवउद्यम तंत्र को दिशा दे रहे हैं। इसी सोच को वैश्विक मंच तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय द्वारा भारत इनोवेटस 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े नवउद्यमों, शोधकर्ताओं और युवा नवप्रवर्तकों को दुनिया भर के निवेशकों, उद्योग जगत, विश्वविद्यालयों और नवाचार साझेदारों से जोड़ने का बड़ा मंच बनेगी। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की दूरदर्शी सोच को आगे बढ़ाती है। इसमें नवाचार आधारित शिक्षा, बहु-विषयक अनुसंधान और उद्योग तथा शिक्षण संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार का मानना है कि भारत के युवा नवप्रवर्तक अब केवल देश की जरूरतों के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए समाधान विकसित कर रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि 'भारत इनोवेट्स 2026' में भारत की अग्रणी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी ध्रुव स्पेस भी भाग लेगी। हैदराबाद स्थित यह कंपनी भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनियों में शामिल है और पूर्ण अंतरिक्ष अभियांत्रिकी समाधान उपलब्ध करा रही है। कंपनी उपग्रह मंच, सौर पैनल और प्रक्षेपण सेवाओं जैसे क्षेत्रों में काम कर रही है। यह नागरिक और रक्षा दोनों क्षेत्रों के लिए सेवाएं प्रदान कर रही है। कंपनी ने भारत सरकार को अंतरिक्ष गुणवत्ता वाले सौर पैनल उपलब्ध कराए हैं।

वहीं विदेशों की बात करें तो कंपनी ने संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रिया, ऑस्ट्रेलिया तथा फ्रांस जैसे देशों को निर्यात भी किया है। इससे 'मेड इन इंडिया' अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की वैश्विक क्षमता और विश्वसनीयता साबित हुई है।

क्या आपकी थाली में सभी रंग शामिल हैं? जानें गर्भवती महिलाओं के लिए क्यों जरूरी है 'सतरंगी थाली'

नई दिल्ली। गर्भावस्था के दौरान महिला का खान-पान न सिर्फ उसकी अपनी सेहत बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु की सेहत और विकास के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट आम लोगों के साथ ही गर्भवती महिलाओं को भी अपने भोजन की थाली में सभी रंग यानी पोषक तत्वों को शामिल करने की सलाह देते हैं, जिसे आमतौर पर 'सतरंगी थाली' भी कहा जाता है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) सतरंगी थाली के महत्व को बताते हुए सवाल पूछता है कि क्या आपकी थाली में सभी रंग शामिल हैं? अगर नहीं, तो यह चिंता की बात हो सकती है। सतरंगी थाली यानी थाली में अलग-अलग रंगों के फल, सब्जियां, अनाज और अन्य खाद्य पदार्थ शामिल करना संतुलित पोषण का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है। एक रंग का भोजन शरीर को एक तरह के पोषक तत्व देता है, जबकि सात रंगों वाली थाली शरीर की हर जरूरत को पूरा करती है। यह सिर्फ दिखने में आकर्षक नहीं होती, बल्कि स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद भी है।

गर्भवती महिलाओं के लिए सतरंगी थाली विशेष रूप से जरूरी मानी जाती है। इस दौरान महिला के शरीर को अतिरिक्त पोषण की आवश्यकता होती है क्योंकि एक नया और खास समय चल रहा होता है। ऐसे में संतुलित और रंग-बिरंगी थाली मां और शिशु दोनों को जरूरी विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर और प्रोटीन उपलब्ध कराती है। इससे गर्भ में बच्चे का विकास सही तरीके से होता है, मां की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत रहती है और प्रसव के बाद रिकवरी भी तेज होती है।

हर रंग का अपना महत्व होता है जैसे हरा रंग यानी पालक, ब्रोकली या अन्य सब्जियां, जो आयरन और फोलिक एसिड से भरपूर होता है। लाल रंग यानी टमाटर, गाजर आदि जो विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपर होती है। पीला-नारंगी रंग यानी केला, संतरा हैं, जो विटामिन सी और पोटैशियम से भरपूर होता है। वहीं, बैंगनी रंग जैसे जामुन, बैंगन एंटीऑक्सीडेंट्स जो सूजन कम करते हैं

एनएचएम का कहना है कि स्वस्थ भविष्य की शुरुआत सही पोषण से होती है। सतरंगी थाली कोई फैशन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। गर्भवती महिलाएं अगर रोज अपनी थाली में अलग-अलग रंगों के मौसमी फल और सब्जियां शामिल करेंगी तो पोषण की कमी नहीं होगी।

औषधीय गुणों से भरपूर 'गूलर', सेवन से पाचन और डायबिटीज समस्याएं होंगी दूर

नई दिल्ली। आजकल अनियमित खान-पान और तनाव की वजह से पाचन संबंधी समस्याएं और डायबिटीज जैसे रोग तेजी से फैल रहे हैं। ऐसी स्थिति में हेल्थ एक्सपर्ट गूलर के सेवन की सलाह देते हैं, जो औषधीय गुणों से भरपूर होता है।

बिहार राज्य के पर्यावरण, वन एवं जल विभाग लोगों का ध्यान एक खास पेड़ की ओर दिला रहा है। यह पेड़ है गूलर। गूलर न सिर्फ आसानी से मिलने वाला फल है, बल्कि इसकी छाल और दूध औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। यह पाचन तंत्र को मजबूत करने और ब्लड शुगर को काबू में रखने में बेहद कारगर साबित होता है।

गूलर एक छोटा, सुंदर और पतझड़ वाला पेड़ होता है। इसका तना ज्यादातर टेढ़ा-मेढ़ा रहता है और शाखाएं ऊपर की तरफ फैली हुई होती हैं। इस पेड़ की सबसे खास बात यह है कि इसके छोटे-छोटे फल तने और मोटी शाखाओं पर सीधे लगते हैं। यही वजह है कि इसे देखकर दूसरे पेड़ों से अलग आसानी से पहचाना जा सकता है। पके हुए गूलर के फल मीठे और पौष्टिक होते हैं। इन्हें लोग सीधे खा सकते हैं या फिर सब्जी बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

गूलर के फल, छाल और दूध में आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इन तत्वों के कारण यह पेड़ स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। इसका नियमित सेवन पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और कब्ज, अपच, पेट फूलने जैसी आम समस्याओं में आराम पहुंचाता है। डायबिटीज से परेशान लोगों के लिए गूलर खास तौर पर उपयोगी है। इसके फल और छाल ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, त्वचा की समस्याओं जैसे फुंसी, खुजली और एक्जिमा में भी काफी राहत देता है। एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर की रक्षा शक्ति बढ़ाते हैं और सूजन कम करने में सहायक होते हैं। गूलर का सेवन शुरू करने से पहले एक बार आयुर्वेदाचार्य से सलाह जरूर लें।

गूलर को अपनी थाली में आसानी से शामिल किया जा सकता है। ताजे फलों को सुबह नाश्ते में खाया जा सकता है। कई लोग इन्हें सब्जी बनाकर भी खाते हैं। छाल का काढ़ा बनाकर पीने से पाचन और शुगर दोनों पर अच्छा असर पड़ता है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि गूलर को लगातार लेने से शरीर स्वस्थ और तरोताजा रहता है।

भारत में अन्य देशों की अपेक्षा न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता कम, सरकार के प्रयासों से विस्तार को मिलेगा बढ़ावा : रिपोर्ट

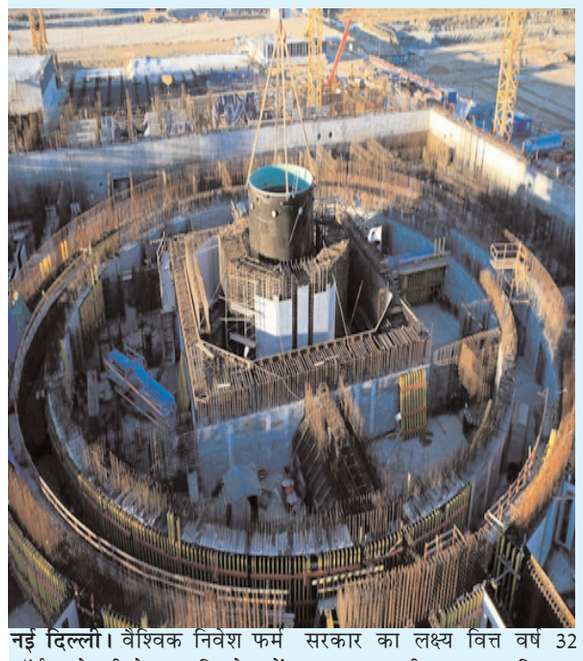

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि देश में रिन्यूएबल एनर्जी में न्यूक्लियर एनर्जी एक रणनीतिक महत्व रखती है, जो जीवाश्म ईंधन की कीमतों में अस्थिरता से प्रभावित हुए बिना स्थिर, कम कार्बन उत्सर्जन वाली ऊर्जा प्रदान कर सकती है।

साथ ही कहा कि भारत में न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता 8.2 गीगावाट की है और कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता में इसकी हिस्सेदारी करीब 2 प्रतिशत और जेनरेशन में 3 प्रतिशत के आसपास की है। यह अन्य देशों की अपेक्षा कम है और सरकार के न्यूक्लियर एनर्जी क्षेत्र में प्रयासों से विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

रिपोर्ट में बताया गया कि सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 32 तक 22 गीगावाट न्यूक्लियर एनर्जी क्षमता हासिल करना है, जिसका दीर्घकालिक लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट है। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के डिजाइन, विकास और स्थापित करने के लिए 200 अरब रुपए आवंटित करने वाले एक समर्पित न्यूक्लियर एनर्जी मिशन की घोषणा, अधिक लचीली, विस्तार योग्य और संभावित रूप से निजी क्षेत्र के अनुकूल परमाणु तैनाती की दिशा में एक बदलाव का संकेत देती है।

शांति फ्रेमवर्क के तहत प्रस्तावित सुधारों सहित समानांतर विधायी प्रयासों का उद्देश्य नियामक वातावरण का आधुनिकीकरण करना और नियामक निगरानी के तहत निजी भागीदारी को बढ़ाना है।

रिपोर्ट में मॉर्गन स्टेनली ने कहा, 'हमारा मानना है कि इस रणनीति की सफलता क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी, विशेष रूप से वित्तपोषण, नियामक सुधार और आपूर्ति श्रृंखला विकास में। क्षमता विस्तार को आकार देने में वैश्विक साझेदारियां महत्वपूर्ण बनी रहेंगी।

विभिन्न देशों में, कनाडा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि वह एक नए दीर्घकालिक समझौते के तहत भारत को यूरेनियम की आपूर्ति कर रहा है। भारत की परमाणु यात्रा में अमेरिका की भूमिका ईंधन-केंद्रित होने के बजाय अधिक संभावित और प्रौद्योगिकी-केंद्रित है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-भारत नागरिक परमाणु ढांचा महत्वपूर्ण बना हुआ है, और हमारा मानना ??है कि एसएमआर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यापक वाणिज्यिक हितों से संबंधित हालिया कदम बताते हैं कि यदि देयता और नियामक सुधार लागू होते हैं, तो रिएक्टर प्रौद्योगिकी, उपकरण और परियोजना भागीदारी में अमेरिका अधिक प्रासंगिक हो सकता है।

भारत पीएलआई और नीतिगत प्रोत्साहनों के समर्थन से खुद को एक वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। ध्यान गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित हो रहा है, हालांकि खरीद प्रक्रियाएं और आपूर्ति श्रृंखला में कमियां अभी भी बाधाएं बनी हुई हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर ये जंगली फल, सेहत का साथी कहलाता है 'इंडियन चेरी'

नई दिल्ली। आजकल की अनियमित और तेज रफ्तार में भागती जिंदगी में लोग झटपट बने खाने को तवज्जो देते हैं, वो भले ही सेहत के लिए हानिकारक हों मगर लोग धड़ल्ले से उसका सेवन करते हैं। हालांकि, प्रकृति के पास पोषक तत्वों से भरपूर कई फल व सब्जियां हैं जिनके सेवन से सेहत को कई लाभ मिलते हैं। ऐसी ही एक फल व सब्जी है लसोड़ा या गोंदी, जिसे 'इंडियन चेरी' भी कहा जाता है। बिहार के वन एवं पर्यावरण विभाग ने इसके कई स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। लसोड़ा एक तेजी से बढ़ने वाला पर्णपाती वृक्ष है। यह आमतौर पर 10 से 20 मीटर तक ऊंचा होता है। वैज्ञानिक नाम

कॉर्डिया डाइकोटोमा है। इसके फल, पत्ते और बीज सभी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। इस फल में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, फॉस्फोरस, जिंक और आयरन जैसे जरूरी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। बिहार वन विभाग के अनुसार, लसोड़ा न सिर्फ सेहत के लिए फायदेमंद है बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह वृक्ष मध्यम आकार का होता है और आसानी से उगाया जा सकता है।

पके हुए लसोड़े का स्वाद मीठा होता है, जो खाने में बहुत टेस्टी लगता है जबकि कच्चे फलों का गूदा गोंद की जगह इस्तेमाल किया जाता है। गांवों में इसकी सब्जी बनाई जाती है और स्वादिष्ट अचार भी तैयार किया जाता है। इसके सेवन से सेहत को मिलने वाले लाभ पर नजर डालें तो ये भरपूर फाइबर से युक्त होने के कारण यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। आयरन की अच्छी मात्रा होने से खून की कमी (एनीमिया) दूर करने में मदद मिलती है।

वहीं, कैल्शियम और फॉस्फोरस हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं और इम्युनिटी बढ़ाते हैं। लसोड़े के पत्तों और बीजों का भी आयुर्वेद में इस्तेमाल होता है।

गर्मियों के मौसम में लसोड़ा आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसे ताजा खाया जा सकता है या फिर अचार, चटनी और सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित रूप से इसके सेवन से शरीर को प्राकृतिक तरीके से पोषण मिलता है।

आईपीएल 2026: चेन्नई में उर्विल पटेल का तूफान, एलएसजी पर सीएसके की 5 विकेट से जीत

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 53वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 5 विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ सीएसके ने प्वाइंट्स टेबल में एक पायदान की छलांग लगाई है।

चेन्नई सुपर किंग्स 11 में से 6 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर पहुंच गई है। वहीं, 11 में से 8 मैच गंवाकर लखनऊ सुपर जायंट्स सबसे अंतिम स्थान पर है।

एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 203 रन बनाए। इस टीम को जोश इंग्लिस और मिचेल मार्श की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 5.1 ओवरों में 77 रन की साझेदारी की।

मिचेल मार्श 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि जोश इंग्लिस 33 गेंदों में 6 छक्कों और 10 चौकों के साथ 85 रन बनाकर आउट हुए। सलामी जोड़ी के पवेलियन लौटने के बाद टीम ने 147 के स्कोर तक अपना छठा विकेट भी खो दिया था। यहां से शाहबाज अहमद ने हिम्मत सिंह के साथ सातवें विकेट के लिए 32 गेंदों में 50 रन की साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। शाहबाज 25 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 43 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि हिम्मत ने 12 गेंदों में 17 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से जेमी ओवरटन ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। अंशुल कंबोज ने 2 विकेट निकाले और नूर अहमद ने 1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स ने 19.2 ओवरों में मुकाबला अपने नाम किया। संजू सैमसन ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ 3.4 ओवरो में 45 रन की साझेदारी की। संजू 14 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 28 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से उर्विल पटेल ने तूफानी पारी खेलते हुए महज 13 गेंदों में अर्धशतक लगाया, जो आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक है। इस मामले में उन्होंने यशस्वी जायसवाल की बराबरी कर ली है। उर्विल ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ दूसरे विकेट के लिए 34 गेंदों में 81 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की पटरी पर ला दिया।

उर्विल 23 गेंदो में 8 छक्कों और 2 चौकों के साथ 65 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान गायकवाड़ ने 28 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 42 रन बनाए। प्रशांत वीर ने शिवम दुबे के साथ 19 गेंदों में 39 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को जीत दिलाई। दुबे 7 गेंदों में 2 छक्कों के साथ 15 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि प्रशांत वीर ने 12 गेंदों में नाबाद 18 रन की पारी खेली।

शुभमन गिल की ताकत अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने की उनकी क्षमता है: अनिल कुंबले

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में शनिवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच मुकाबला खेला गया। जीटी के कप्तान शुभमन गिल ने 44 गेंदों पर 84 रन की पारी खेलते हुए टीम की 77 रनों की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने गिल की प्रशंसा की है।

अनिल कुंबले ने जियो हॉटस्टार पर कहा, 'आधुनिक क्रिकेट में शुभमन गिल सबसे अच्छे बल्लेबाजों में से एक हैं। उनकी बल्लेबाजी देखना काफी सुखद है। उनका खेल बनावटी नहीं लगता। वह हर गेंद को उसकी मेरिट के आधार पर खेलने में भरोसा रखते हैं। वह जब बड़े शॉट लगाते हैं, तब भी वह पूरी तरह नियंत्रण में रहते हैं। यही बात उन्हें कई पावर हिटर्स से अलग बनाती है।

कुंबले ने कहा, 'गिल की सबसे बड़ी ताकत अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने की उनकी काबिलियत है। एक बार जब वह सेट हो जाते हैं, तो वह गेम को डीप ले जाते हैं और अच्छी शुरुआत को लंबी, असरदार पारियों में बदलते हैं। जब आपका टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज ऐसा करता है, तो यह टीम को बहुत मजबूत पोजिशन में डाल देता है। इसी वजह से गुजरात लगातार बड़े टोटल बना पाता है।

कुंबले ने राशिद खान की गेंदबाजी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'राशिद ने स्टंप्स पर लगातार अटैक किया और अपने प्लान पर डटे रहे। वह एक ऐसे गेंदबाज हैं जिसे हवा में तेज गेंद फेंकना पसंद है। पिछले सीजन में और इस आईपीएल सीजन के पहले हाफ में, उसने अपनी गति कम कर दी थी। इससे उसका असर कम हुआ। हालांकि, आरआर के खिलाफ राशिद की गति सही थी। पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'राशिद की तेज, गेंदें टी20 क्रिकेट में उनका सबसे बड़ा हथियार बनी हुई हैं। वे सिर्फ स्पिन या फ्लाइट पर निर्भर रहने के बजाय बल्लेबाज को गलतियां करने पर मजबूर करते हैं।

मैच की बात करें तो गिल की 84 रन की पारी के दम पर गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 229 रन बनाए थे। राशिद के 4 ओवर में 33 रन देकर लिए 4 विकेट की बदौलत जीटी ने आरआर को 16.3 ओवर में 152 रन पर समेटकर मैच 77 रन से जीता।

विनेश फोगाट ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की नोटिस के बावजूद लड़ाई जारी रखने का किया ऐलान

नई दिल्ली। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए कारण बताओ नोटिस के बावजूद दिग्गज महिला पहलवान विनेश फोगाट ने अपनी लड़ाई जारी रखने के संकेत दिए हैं।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए विनेश ने लिखा, 'जिंदगी किसी गहरे भंवर में फंसी हुई है। दुनिया मेरे किरदार में कमियां ढूंढती रहती है। जिंदगी ने हमेशा

आपका सिर ऊंचा रखा है। किसी तलवार में इतनी ताकत नहीं कि उसे झुका सके। वह इस झटके के बावजूद लड़ाई जारी रखने का पक्का इरादे रखती हैं।

विनेश फोगाट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में विनेश पर अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। विनेश को 26 जून तक घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य घोषित किया गया है। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया 15 पन्नों के नोटिस में यह आरोप लगाया कि विनेश ने यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग एंटी-डोपिंग नियमों के तहत संन्यास से वापस आने वाले एथलीटों के लिए जरूरी छह महीने की नोटिस अवधि पूरी नहीं की है। इसका अर्थ यह हुआ कि दो बार की विश्व चैंपियनशिप को कुश्ती में वापसी के लिए इंतजार करना होगा।

इटैलियन ओपन: जैनिक सिनर ने सेबेस्टियन ऑफनर को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई

रोम। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने इटैलियन ओपन की धमाकेदार शुरुआत की है। सिनर ने दूसरे राउंड में सेबेस्टियन ऑफनर को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया।

घरेलू दर्शकों के बीच सिनर ने हमेशा की तरह बेहतरीन खेल की बदौलत मैच पर दबदबा कायम किया। सिनर ने पहले सेट में सिर्फ पांच अनफोर्स्ड एरर किए और विपक्षी को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिनर ने मैच की शुरुआत में एक नाजुक ड्रॉप शॉट मारकर सर्व ब्रेक किया और मैच

पर पूरा नियंत्रण कर लिया। मैच एक घंटा 31 मिनट तक चला।

सिनर की एटीपी मास्टर्स 1000 जीतने की स्ट्रीक 29 मैचों तक पहुंच गई, जिससे वह सीरीज में तीसरी सबसे लंबी स्ट्रीक के लिए रोजर फेडरर के साथ बराबरी पर आ गए। जीत के बाद जैनिक सिनर ने कहा, 'मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। पहले दिन से ही, यह मेरे लिए एक बहुत ही खास टूर्नामेंट रहा है। इटैलियन होने के नाते आप हर साल इस टूर्नामेंट के बारे में थोड़ा सोचते हैं।

सिनर का तीसरे राउंड का मुकाबला एलेक्सी पोपिरिन है। पोपिरिन ने जैकब मेन्सिक को 6-3, 2-6, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई है।

पिछले साल रोम में फाइनल में पहुंचने वाले सिनर का लक्ष्य अब 1976 में एड्रियानो पनाटा के टाइटल जीतने के बाद यह टूर्नामेंट जीतने वाले पहले इटैलियन खिलाड़ी बनना है।

जैनिक सिनर के पास करियर गोल्डन मास्टर्स पूरा करने का पूरा मौका है। पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे-कार्लो और मैड्रिड में जीत के बाद अगर सिनर इटैलियन ओपन भी जीत जाते हैं, तो वे करियर गोल्डन मास्टर्स पूरा कर लेंगे। 1990 में सीरीज शुरू होने के बाद नोवाक जोकोविच एकमात्र ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है।

अजान अवैस डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले पाकिस्तान के 14वें बल्लेबाज बने

ढाका। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टेस्ट के तीसरे दिन (रविवार) पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज अजान अवैस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। अपना डेब्यू टेस्ट खेल रहे अवैस ने शतक लगा दिया। डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले अजान अवैस पाकिस्तान के 14वें बल्लेबाज बने हैं।

अवैस ने तीसरे दिन की शुरुआत दूसरे दिन के स्कोर 85 रन से की। बाएं हाथ के 21 साल के इस बल्लेबाज ने पारी के 51वें ओवर में नाहिद राणा की गेंद पर एक रन लेकर अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। हालांकि, अवैस की पारी जल्द समाप्त हो गई। वह 165 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 103 रन बनाकर आउट हुए। पारी की शुरुआत करने आए अवैस ने पहले विकेट के लिए इमाम-उल-हक के साथ 106 और दूसरे विकेट के लिए अब्दुल्लाह फजल के साथ 104 रन की साझेदारी की। पाकिस्तान के लिए डेब्यू टेस्ट में खालिद इबादुल्ला (1964 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 166 रन), जावेद मियांदाद (1976 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 163 रन), सलीम मलिक (1982 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 100 रन), मोहम्मद वसीम (1996 में न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 109 रन), अली नकवी (1997 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 115 रन), अजहर महमूद (1997 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 128), यूनिस खान (2000 में श्रीलंका के खिलाफ 107 रन), तौफीक उमर (2001 में बांग्लादेश के खिलाफ 104 रन), यासिर हमीद (2003 में बांग्लादेश के खिलाफ 170, 105 रन), फवाद आलम (2009 में श्रीलंका के खिलाफ 168 रन), उमर अकमल (2009 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 129 रन), आबिद अली (2019 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 109 रन), कामरान गुलाम (2024 में इंग्लैंड के खिलाफ 114), अजान अवैस (2026 में बांग्लादेश के खिलाफ 103) ने शतक लगाया है।

महिला टी20 विश्व कप 2026: बांग्लादेश ने किया टीम का ऐलान, लगातार तीसरी बार कप्तान होंगी निगार सुल्ताना

ढाका। 12 जून से 5 जुलाई 2026 तक इंग्लैंड में खेले जाने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश ने अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। निगार सुल्ताना की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। निगार सुल्ताना लगातार तीसरे टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की कप्तानी करेंगी।

बांग्लादेश की स्क्वॉड में टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाज ताज नेहर की वापसी हुई है, जबकि हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में खेलने वाली सरमिन सुल्ताना को ड्रॉप कर दिया गया है।

टीम के मुख्य चयनकर्ता सज्जाद अहमद ने कहा कि नेहर को उनकी विविधता की वजह से सरमिन पर प्राथमिकता दी गई है। नेहर बल्लेबाजी क्रम में नंबर 1 से नंबर 6 के बीच बैटिंग कर सकती हैं। वह आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखती हैं। 2023

और 2024 एडिशन में टीम की कप्तानी कर चुकीं निगार सुल्ताना की टीम में इस बार युवा खिलाड़ियों के साथ अनुभवी खिलाड़ियों का भी मिश्रण है। अनुभवी खिलाड़ी के रूप में फहीमा खातून शामिल हैं, जो अपना सातवां टी20 विश्व कप खेलने के लिए तैयार हैं। फहीमा के अलावा नाहिदा अख्तर, रितु मोनी, और कप्तान निगार 2016 से टीम का हिस्सा हैं। मौजूदा टीम में 11 ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने यूएई में आयोजित 2024 का टी20 विश्व कप खेला था।

बांग्लादेश की टीम 25 मई को एडिनबर्ग के लिए रवाना होगी। वहां टीम स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। इसके बाद टी20 विश्व कप के वॉर्म-अप मैच खेलेगी।

टी20 विश्व कप में बांग्लादेश नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, भारत और दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप 1 में है। टीम 14 जून को एजबेस्टन में नीदरलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए बांग्लादेश की टीम: निगार सुल्ताना (कप्तान, विकेटकीपर), नाहिदा अख्तर (उप-कप्तान), शर्मिन अख्तर, सोभना मोस्टरी, शोरना अख्तर, रितु मोनी, राबेया खान, फहीमा खातून, फरिहा इस्लाम, मारूफा अख्तर, शंजीदा अख्तर, सुल्ताना खातून, दिलारा अख्तर (विकेटकीपर), जुएरिया फिरदौस, ताज नेहर।

कश्मीर में गोल्फ टूरिज्म को बूस्ट, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिलाएंगे इस खेल में पहचान : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि कश्मीर में गोल्फ टूरिज्म तेजी से बढ़ रहा है। इस साल यहां कई राष्ट्रीय स्तर की गोल्फ प्रतियोगिताएं आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर के गोल्फ कोर्स देश के सबसे बेहतरीन गोल्फ कोर्स में गिने जाते हैं। सरकार अब और बड़े गोल्फ टूर्नामेंट कराने की तैयारी कर रही है, ताकि कश्मीर को देश के प्रमुख गोल्फ पर्यटन केंद्र के रूप में पहचान मिल सके।

श्रीनगर के रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में 'इंडिया गोल्फ कार्निवल 2026' का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर का गोल्फ से बहुत पुराना और ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है। यहां विश्वस्तरीय गोल्फ सुविधाएं मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, 'अगर देश के सबसे खूबसूरत गोल्फ कोर्स की बात करें तो श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम के गोल्फ कोर्स आसानी से उनमें शामिल किए जा सकते हैं।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार एक तरफ स्थानीय गोल्फर्स को बढ़ावा देना चाहती है, वहीं दूसरी तरफ गोल्फ के जरिए जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को भी मजबूत करने पर काम कर रही है।

हॉकी इंडिया ने 31 सदस्यों वाली सीनियर महिला नेशनल कोचिंग कैंप की घोषणा की

नई दिल्ली। देश में हॉकी की स्थिति मजबूत होती रहे, इसके लिए हॉकी इंडिया लगातार प्रयास कर रहा है। इसी के तहत हॉकी इंडिया द्वारा सीनियर महिला नेशनल कोचिंग कैंप की घोषणा की गई है। कैंप 11 से 20 मई 2026 तक आयोजित होगा और इसमें 31 खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा।

भारतीय टीम को एफआईएच नेशंस कप में हिस्सा लेना है जिसका आयोजन 15 से 21 जून तक ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में होना है। नेशंस कप से पहले टीम इंडिया एक्सपोजर टूर के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। इन दौरों को देखते हुए नेशनल कोचिंग कैंप की घोषणा की गई है।

10 दिनों के लिए आयोजित होने वाला नेशनल कोचिंग कैंप भारतीय महिला टीम के लिए बहुत

जरूरी है। इससे टीम को अहम टूर्नामेंट और दौरों से पहले अपनी ताकत का अंदाजा लगाने का मौका मिलेगा। आगामी बड़े टूर्नामेंटों में 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाला एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 शामिल हैं। एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए सीधे क्वालीफाई कर जाएगी। इसके अलावा, 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग जीतने वाली टीम लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाली ओलंपिक में सीधे जगह बना लेगी। इस कैंप में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को जगह दी गई जो अप्रैल में चीफ कोच शोर्ड मारिन की देखरेख में हुए नेशनल कैंप का हिस्सा थे। टीम को मजबूत, संतुलित और फिटनेस के स्तर पर बेहतर बनाने के लिए यह कैंप अहम है। कैंप में हर पोजीशन पर खेलने वाले खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। गोलकीपिंग में सविता, माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और हॉकी इंडिया 8वें सालाना अवॉर्ड्स 2025 में हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड पाने वाली बीचू देवी खारीबाम शामिल होंगी। डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी, ज्योति और शिल्पी डबास को शामिल किया गया है। कप्तान सलीमा टेटे, सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका के साथ मिडफील्ड में रहेंगी।

नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप: उत्तर प्रदेश ने रोमांचक मुकाबले में हरियाणा को हराकर जीता खिताब

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश की टीम ने 5वीं नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। शनिवार को ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय पथिक स्टेडियम में हुए फाइनल मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने हरियाणा को हराकर खिताब जीता।

उत्तर प्रदेश ने तीसरी बार यह खिताब जीता है। इस खिताबी जीत के साथ व्हीलचेयर क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश का दबदबा बढ़ गया है।

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए, उत्तर प्रदेश ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 191 का स्कोर बनाया था। 192 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा ने बेहतरीन खेल दिखाया, लेकिन आखिरी में 5 रन से पीछे रह गई। हरियाणा 20 ओवर में 8

विकेट के नुकसान पर 186 रन बना सकी और 5 रन से मुकाबला हार गई। उत्तर प्रदेश के ऑलराउंडर अनिल सिंघानिया को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अनिल ने 27 रन बनाने के साथ ही 2 अहम विकेट लिए थे।

जीत के बाद उत्तर प्रदेश के कप्तान सोमजीत सिंह ने कहा कि यह ऐतिहासिक जीत है। इसका श्रेय टीम की एकता, कड़ी मेहनत और लड़ने के जज्बे को जाता है।

5वीं नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन 3 मई से 10 मई तक किया गया। टूर्नामेंट में भारत में व्हीलचेयर क्रिकेट की मजबूत होती तस्वीर दिखी।

चैंपियनशिप के फाइनल में फरीदाबाद से भाजपा युवा नेता अमन गोयल, विश्व हिंदू परिषद से बाल किशन शर्मा, पीसीसीएआई के अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया, डीसीसीआई के महासचिव रवि कांत चौहान और व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन के अध्यक्ष स्क्वाड्रन लीडर अभय प्रताप सिंह शामिल थे। व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन देश भर में एथलीटों को मजबूत बनाने और व्हीलचेयर क्रिकेट को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415